THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 269 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.5 2079 मंगलवार, 13 दिसंबर 2022 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

श्री शारदा मठ की अध्यक्ष का निधन

कोलकाता, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। श्री शारदा मठ और रामकृष्ण शारदा मिशन की बुजुर्ग संन्यासी अध्यक्ष प्रव्राजिका भक्तिप्राण का निधन हो गया। उनका निधन रविवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे हुआ। वे 102 वर्ष की थीं। पिछले कुछ दिनों से दक्षिण कोलकाता के रामकृष्ण मिशन सेवा संस्थान अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वे अक्टूबर में ही उनका जन्मदिन भी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनके निधन पर शोक जताया है।

चुनाव लड़ने की उम्र घटाने पर विचार कर रही सरकार

कांग्रेस समेत कई पार्टी पक्ष में, कहा वोटर की उम्र 18 तो प्रत्याशी की 25 क्यों

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की 65 प्रतिशत युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार लोकसभा और विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी की आयुसीमा घटाने पर विचार कर रही है। कई राजनीतिक दल इसके पक्ष में हैं। ये दल तर्क दे रहे हैं कि अगर नगर निगम-परिषद में चुनाव लड़ने के लिए उम्र सीमा 21 साल है तो फिर विधानसभा और लोकसभा के लिए यह उम्र सीमा 25 साल क्यों होनी चाहिए। राजद, एमआईएम, वाईएसआरसीपी, राजद, बीजद, शिवसेना (उद्धव गुट) समेत कुछ दल आयु सीमा घटाने के पक्ष में हैं। भाजपा और कांग्रेस के कई सांसद भी चाहते हैं कि आयुसीमा घटाने का वक्त आ चुका है। सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार इस बारे में गंभीरता से मंथन शुरू कर चुकी है। भारत युवा देश है, लेकिन सरकार का मानना है कि 2030 के बाद देश के लोगों की औसत उम्र बढ़नी शुरू हो जाएगी। इसलिए अगले 7-8 साल ही ऐसे हैं, जिनमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जनप्रतिनिधि के रूप में संसद या विधानसभाओं में पहुंचने का मौका मिल सकता है।

इसलिए, इस मुद्दे पर जल्दी ही कोई फैसला लेना जरूरी है। देश की आबादी की औसत उम्र 25 साल है, जो कि चीन से 10 साल और अमेरिका से 15 साल कम है। यानी दुनिया के किसी भी बड़े देश के पास भारत जैसी युवा शक्ति नहीं है। आने वाले 20 साल में भारत के पास भी नहीं बचेगी।

भारत-चीन सैनिकों में झड़प

अरुणाचल में दोनों तरफ के कई जवान घायल

तवांग, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भारत और चीन के सैनिकों की झड़प हुई। तवांग सेक्टर में हुई इस झड़प में दोनों तरफ के कुछ सैनिक मामूली रूप से जख्मी हुए। इसके बाद दोनों ही पक्षों के सैनिक वहां से हट गए।

दोनों सेनाओं के कमांडरों ने बातचीत से मामला सुलझा लिया। इस क्षेत्र में दोनों सेनाएं कुछ हिस्सों पर अपना-अपना दावा ठोकती आई हैं। 2006 से यह विवाद जारी है। इससे पहले 15 जून 2020 को लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि चीन ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी।

पिछले साल भी की थी हरकत

पिछले साल इसी क्षेत्र में 200 चीनी सैनिकों ने इस क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश की थी। तब भी भारतीय सैनिकों ने इसे नाकाम कर दिया था। तब पेट्रोलिंग के दौरान सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने हो गए थे और कुछ घंटों तक यह सिलसिला चला था। हालांकि इसमें भारतीय जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ और प्रोटोकॉल के मुताबिक बातचीत से विवाद सुलझा लिया गया।

इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है भारत

केंद्र सरकार चीन के मंसूबों को स्थायी तौर पर काउंटर करने के लिए पूर्वोत्तर में 40 हजार करोड़ रुपये की लागत से फ्रंटियर हाईवे बनाने जा रही है। करीब 2 हजार किलोमीटर लंबा यह हाईवे अरुणाचल प्रदेश की लाइफ लाइन और चीन के सामने भारत की स्थायी ग्राउंड पोजिशन लाइन भी साबित करेगा।

सामरिक महत्व की बात करें तो यह भारत-तिब्बत के बीच खींची गई सीमा रेखा मैकमोहन लाइन से होकर गुजरेगा। अंग्रेजों के विदेश सचिव हेनरी मैकमोहन ने इसे सीमा के तौर पर पेश किया था और भारत इसे ही असली सीमा मानता है जबकि चीन खारिज करता रहा है।

इस हाइवे का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और नेशनल हाईवे अथॉरिटी मिलकर करेंगे। सेना लॉजिस्टिक सपोर्ट देगी। फ्रंटियर हाईवे तवांग के बाद ईस्ट कामेंग, वेस्ट सियांग, देसाली, दोंग और हवाई के बाद म्यांमार तक जाएगा।

चीन ने बदले थे 15 जगहों के नाम

पिछले साल, चीन ने अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्र में 15 स्थानों के नाम चीनी और तिब्बती रख दिए थे। चीन की सिविल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने कहा था, यह हमारी प्रभुसत्ता और इतिहास के आधार पर उठाया गया कदम है। यह चीन का अधिकार है।

>14

सीएम भूपेंद्र और 16 मंत्रियों ने शपथ ली

गांधीनगर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। 62 साल के भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को गुजरात के 18वें मुख्यमंत्री की शपथ ली। गांधीनगर सचिवालय के हेलीपैड ग्राउंड में राज्यपाल ने दोपहर 2 बजे उन्हें पद की शपथ दिलाई। भूपेंद्र पटेल के बाद 16 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें आठ कैबिनेट, दो स्वतंत्र प्रभार और छह राज्यमंत्री हैं।

शपथ के बाद प्रधानमंत्री ने मंच पर झुककर लोगों को प्रणाम किया। इसके बाद भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल से मुलाकात कर उनके साथ फोटो खिंचाया। चलते समय उन्होंने पूर्व सीएम विजय रूपाणी से बात की। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा शासित राज्यों के सीएम भी मौजूद थे। 200 संत भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम का हिस्सा बने।

भूपेंद्र की कैबिनेट में हार्दिक को जगह नहीं

शपथ ग्रहण के बाद सीएम. भूपेंद्र पटेल को बधाई देते हुए पीएम मोदी।

गुजरात के 18वें मुख्यमंत्री बनने वाले पटेल पाटीदार समुदाय से इकलौते नेता हैं, जो लगातार दूसरी बार सीएम बन रहे हैं। उन्हें 15 महीने पहले विजय रूपाणी की जगह गुजरात की जिम्मेदारी दी गई थी। भूपेंद्र पटेल की कैबिनेट में हार्दिक पटेल को जगह नहीं मिली। हालांकि पटेल ने सुबह कहा था कि पार्टी डिसाइड करेगी कि वे कैबिनेट में रहेंगे या नहीं। जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, वे उसका निर्वहन करेंगे।

मोदी शपथ के एक दिन पहले भी अहमदाबाद पहुंचे

चुनाव से पहले गुजरात में लगातार सभाएं करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पटेल की शपथ से एक दिन पहले अहमदाबाद पहुंचे। वहां उन्होंने रोड शो किया। देर रात होने के बावजूद लोग मोदी के स्वागत में खड़े नजर आए। मोदी ने भी अपनी कार की रफ्तार धीमी करके लोगों का अभिवादन किया।

गुजरात में पाटीदार कम्युनिटी का दबदबा

राज्य में पाटीदार कम्युनिटी का दबदबा है। 12-14 प्रतिशत आबादी के बावजूद पाटीदार 61 सीटों पर प्रभावी है। इनमें 55 सीटें भाजपा जीती है। आप ने ओटीपी कार्ड खेला था। यानी ओबीसी, ट्राइबल और पाटीदार। सिर्फ ट्राइबल इलाके में ही आप सेंधमारी कर सकी है। यहां कांग्रेस को बाहर कर दिया।

उमर खालिद को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली दंगा 2020 के आरोपी उमर खालिद को बहन की शादी के लिए अंतरिम जमानत प्रदान मिल गई है। दिल्ली की एक कोर्ट ने सोमवार को उमर खालिद को 23 से 30 दिसंबर तक के लिए जमानत प्रदान कर दी।

सदन में जाति और धर्म किया तो होगी कार्रवाई

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदस्यों को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में मानसून सत्र चल रहा है, जिसको लेकर सरकार और विपक्ष एक दूसरे पर खूब शब्दों के बाण चला रहे हैं। लेकिन कोई शब्द किसे कहां आघात कर दे इसका समय पक्का नहीं है। ऐसा ही सोमवार को देखने को मिला जब एक सांसद ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर आरोप लगा दिया कि उन्होंने अपने भाषण में जाति से संबंधित टिप्पणी की है।

हालांकि इस मामले पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपत्ति जताई और सांसद ए रेवंत रेड्डी को चेतावनी दी कि अगर सदस्य सदन में जाति और धर्म के आधार पर चर्चा करेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों ने अपनी जाति और धर्म के आधार पर सदस्यों को लोकसभा के लिए नहीं चुना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेड्डी के सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि सदस्य तेलंगाना से आते हैं और कह रहे हैं कि उनकी हिंदी कमजोर है।

>14

सबरीमाला में उमड़ी श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़

1 लाख से अधिक लोगों ने दर्शन किये

तिरुवनंतपुरम, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर में दर्शन के लिए सोमवार को रिकॉर्ड बुकिंग हुई जिसके बाद मंदिर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, 1,07,260 लोगों ने सोमवार के लिए दर्शन का समय बुक किया है। भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है।

सबरीमाला के दर्शन के लिए कुछ इस तरह की व्यवस्था की गई

भक्तों को पम्पा से सन्निधानम तक नियंत्रित और खंडित तरीके से ले जाया जाएगा। इसके लिए हर प्वाइंट पर पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है। भक्तों की भीड़ के कारण किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए खंड रोटेशन एक एहतियाती उपाय है। कतार में प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालुओं को हल्का भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। सबरीमाला के विशेष अधिकारी हरिश्चंद्र नाइक ने कहा, पुलिस के अलावा, आरएएफ और एनडीआरएफ कर्मियों की सेवाओं का भी उपयोग यातायात को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा।

दर्शन का समय एक घंटा बढ़ा

अधिकारियों ने कहा कि दर्शन का समय एक घंटा बढ़ा दिया गया है। सबरीमाला दर्शन के लिए 13 दिसंबर को करीब 77,216 और 14 दिसंबर को 64,617 लोगों ने ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। शनिवार को शाम 5 बजे तक करीब 60,000 लोगों ने सबरीमाला दर्शन किए। केरल देवस्वोम विभाग के मंत्री के राधाकृष्णन ने कहा कि इससे पहले 24 नवंबर को, 2.5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने केरल के पठानमथिट्टा जिले के सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर में चल रहे तीर्थयात्रा सीजन के पहले छह दिनों में दर्शन किए।

आरएसएस ने बढ़ाई वित्त मंत्री की मुश्किलें

गौ यूनिवर्सिटी और चीनी सामान को लेकर रखीं मांगें

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश का 2023-24 का बजट कैसा होना चाहिए? इसे लेकर केंद्र सरकार और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्री राज्य सरकारों के अलावा विभिन्न संगठनों, उद्योगपतियों सहित आर्थिक विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर बजट तैयार करने में जुटी हुई हैं। हालांकि इस बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े संगठनों की कुछ मांगों ने वित्तमंत्री सीतारमण के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। आरएसएस से जुड़े संगठनों ने वित्तमंत्री से पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से बहाल करने की मांग की है। वहीं दूसरी तरफ पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन आय में मुद्रास्फीति के आधार पर वृद्धि की मांग की है। संघ ने देश में 51 गौ-विश्वविद्यालय स्थापना के साथ चीन के साथ लगातार बढ़ रहे व्यापार घाटे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए वित्त मंत्री को आयात होने वाले सामानों पर आयात शुल्क बढ़ाने का सुझाव दिया।

हाल ही में हुए गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने पुरानी

पेंशन को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया। इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को कहीं न कहीं हिमाचल में देखने को मिला। लेकिन गुजरात के लोगों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। अब कांग्रेस 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी इसे बड़ा मुद्दा बना कर और जोर-शोर से उठाने की तैयारी कर रही हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े संगठनों ने पुरानी पेंशन की बहाली की मांग को वित्त मंत्री को दी गई यह सलाह राजनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जा रही है। फरवरी 2023 के बजट सत्र में जब वित्त मंत्री मोदी सरकार का बजट पेश करेंगी, तो यह केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल का पूर्ण आखिरी बजट होगा।

खुदरा महंगाई दर 11 महीने के निचले स्तर पर नवंबर महीने में 5.88 प्रतिशत रही मुद्रास्फीति

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 11 महीने के निचले स्तर 5.88 प्रतिशत पर आ गई, जबकि अक्टूबर में यह 6.77 प्रतिशत थी। सोमवार को सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। जनवरी-सितंबर, 2022 के दौरान लगातार 3 तिमाहियों के दौरान औसत मुद्रास्फीति मुद्रास्फीति लक्ष्य के ऊपरी सहिष्णुता स्तर 6 प्रतिशत के ऊपर थी। जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान औसत मुद्रास्फीति 6.3 प्रतिशत थी, अप्रैल-जून की अवधि में यह 7.3 प्रतिशत थी और सितंबर तिमाही में यह घटकर 7 प्रतिशत हो गई थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन में 4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

उससे पहले सरकार ने सोमवार को आरबीआई को उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से इंकार कर दिया, जिसमें यह बताया गया है कि केंद्रीय बैंक लगातार तीन तिमाहियों के लिए लक्षित 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा के भीतर मुद्रास्फीति क्यों नहीं रख सका।

भगोड़े नित्यानंद की प्रतिनिधि को ब्रिटिश संसद से न्योता

लंदन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के उच्च सदन 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' में भारत के भगोड़े धर्मगुरु नित्यानंद की प्रतिनिधि को बुलाने पर विवाद हो गया। नित्यानंद पर भारत में अपनी अनुयायी का रेप करने और बच्चों को किडनैप करने के आरोप हैं। जिसके बाद वह देश छोड़कर भाग गया था। उसने अपना अलग द्वीप बसाने का दावा भी किया था।

ब्रिटेन में नित्यानंद की प्रतिनिधि 'आत्मदया' हाउस ऑफ लॉर्ड्स में हुई दिवाली पार्टी में शामिल हुई थी। उसे कंजर्वेटिव पार्टी के दो नेताओं ने पार्टी में आने का न्योता दिया था। पार्टी में आए लोगों को जो ब्रोशर बांटे गए थे उसमें नित्यानंद की संस्था का फुल पेज विज्ञापन भी छपा हुआ था। इसके बाद पार्टी में शामिल हुए कई लोगों ने नाराजगी दिखाई थी।

चमत्कार करने का दावा करता है नित्यानंद

भारत में नित्यानंद के बड़ी संख्या में भक्त हैं। यहां वह दर्जन भर से ज्यादा मंदिर और आश्रम चलाता है।

ऐसे नकली नोट की पहचान पाना मुश्किल

चीन से मंगाया सिक्योरिटी थ्रेड, तेलंगाना-पंजाब से मशीन, वाराणसी में प्रिंटिंग होती थी

मथुरा/वाराणसी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में नकली नोट छापने वाले गैंग का बड़ा खुलासा हुआ है। मथुरा जीआरपी ने वाराणसी से रौनक उर्फ मुकेश उर्फ टीपू को गिरफ्तार किया है। रौनक नकली नोट छापने का एक्सपर्ट है। वह इस तरह से नोट छापता है कि उसे पहचान पाना तक मुश्किल है। नोट के बीच में इस्तेमाल होने वाले हरे कलर के धागे यानी सिक्योरिटी थ्रेड को वह चीन से मंगाता है। तेलंगाना और पंजाब से उसने मशीनें मंगाईं। वाराणसी में नोट की छपाई का काम शुरू किया। नोट छापने के बाद उसे 6 राज्यों में सप्लाई किया जाता है।

इस गैंग का खुलासा होने के बाद सिक्योरिटी एजेंसीज चौंक गई हैं। एनआईए, आईबी के अलावा यूपी एटीएस ने भी जांच शुरू कर दी है। क्योंकि, चीन का नाम भी इसमें आया है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां यह भी पता कर रही है कि कहीं भारत की अर्थव्यवस्था को खोखला करने की साजिश तो नहीं? वहीं जीआरपी ने इस मामले में एसआईटी बनाई है, जो हर पहलू की जांच करेगी।

मथुरा जंक्शन पर जीआरपी ने 9 दिसंबर को राजस्थान के सवाई माधोपुर निवासी कलीमुल्ला काजी, कोटा निवासी तकीम और बिहार निवासी धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया है। इनके पास से डेढ़ लाख रुपये के नकली नोट मिले। जीआरपी ने जब इनसे पूछताछ की तो पता चला कि यह सिर्फ मोहरे हैं। इनका काम नोटों की सप्लाई करना होता है। मास्टरमाइंड वाराणसी का रहने वाला रौनक है। उसने वहीं पर प्रिंटिंग प्रेस लगा रखी है और नकली नोट छापता है।

>14

पहाड़ों पर बर्फबारी, मैदान में कड़ाके की सर्दी का इंतजार

कश्मीर-हिमाचल में पारा शून्य से नीचे, राजस्थान का चुरू 5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में सर्दी दस्तक दे चुकी है। कश्मीर और हिमाचल समेत ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बाद पारा शून्य से नीचे पहुंच गया है। इसके कारण मैदानी इलाकों में भी तापमान गिरा है। हालांकि दिल्ली में अभी कड़ाके की सर्दी का इंतजार है। वहीं, मुंबई में हल्की बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है।

बाकी मैदानी इलाकों की बात करें, तो राजस्थान के चुरू में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में भी पारा गिरा है। चक्रवात मैंडूस के बाद दक्षिण के राज्यों में भी मौसम बदला है। कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में कई जगह बारिश हो रही है।

हिमाचल में बर्फबारी का लुत्फ उठा रहे पर्यटक

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पिछले कुछ दिनों से लगातार बर्फबारी जारी है। पारा लगातार गिरता जा रहा है, जिससे ठंड बढ़ गई है। अन्य राज्यों के पर्यटक यहां पहुंच कर मौसम का लुत्फ उठा रहे हैं। हिमाचल और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से -3.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले हफ्ते से ठंड और बढ़ने के आसार हैं।

श्रीनगर में तापमान माइनस 1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज

जम्मू-कश्मीर में लगातार बर्फबारी के कारण पारा माइनस में बना हुआ है। सुबह के समय मैदानी इलाकों में धुंध देखने को मिल रही है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बर्फबारी के कारण शोपियां को राजौरी और पुंछ से जोड़ने वाले मुगल रोड पर शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन यातायात बंद रहा। वहीं, जम्मू के नत्थाटॉप में भी हल्की बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है।

राजस्थान में चुरू सबसे ठंडी जगह, पारा 5 डिग्री पहुंचा

राजस्थान में चुरू में सबसे ज्यादा ठंड पड़ रही है। यहां रविवार रात पारा 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। करौली में रात का तापमान 7.3 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 7.4 डिग्री, पिलानी (झुंझुनूं) में 7.7 डिग्री, संगरिया (हनुमानगढ़) में 8.9 डिग्री और वनस्थली (टोंक) और सीकर में 10 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने की संभावना है।

दिल्ली में 15 दिसंबर के बाद शुरू होगी कड़कड़ाती ठंड

दिल्ली में लगातार ठंड बढ़ रही है। हालांकि, अभी उतनी ठंड नहीं है, जितनी दिसंबर में आमतौर पर होती है। मौसम विभाग की मानें, तो अभी पारा गिरने के साथ ठिठुरन बढ़ी है, लेकिन 15 दिसंबर के बाद तापमान में और गिरावट आएगी। इसके बाद दिल्ली वासियों को कड़कड़ाती ठंड का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल, दिल्ली का अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है।

पंजाब में दिख रहा ठंड का असर

पंजाब में भी ठंड का असर दिखाई दे रहा है। मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में तापमान और गिरेगा। विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में छाई धुंध को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मध्य प्रदेश, यूपी समेत कई राज्यों में कोहरे ने परेशानी बढ़ाई

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में ठंड बढ़ने से लोग अलाव का सहारा लेने लगे हैं। वहीं, कई जगहों पर सुबह और रात के समय पड़ रहे कोहरे ने परेशानी बढ़ा दी है। इससे विजिबिलिटी काफी कम होने से यातायात काफी प्रभावित हो रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज मध्य प्रदेश में दिनभर बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। 2-3 दिन बाद तापमान में गिरावट आएगी और फिर ठंड बढ़ेगी।

पहाड़ों पर बर्फबारी ने बढ़ाई बिहार में ठंड

बिहार में ठंड ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। ठंड बढ़ने के साथ ही कोहरा भी घना होता जा रहा है। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर अब बिहार में भी देखने को मिल रहा है।

डिंपल यादव को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिलाई सांसद पद की शपथ

भाजपा के रघुराज सिंह शाक्य समेत छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे

सपा से डिंपल यादव और भाजपा के रघुराज सिंह शाक्य समेत छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। गुरुवार की सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई। शुरुआत से ही डिंपल यादव ने बड़ी बढ़त बना ली, जो मतगणना खत्म होने के बाद बड़ी जीत में बदल गई। डिंपल को 617625 वोट मिले, जबकि रघुराज सिंह को 329489 वोट मिले। इस तरह डिंपल ने 288136 वोटों से भाजपा प्रत्याशी को हरा दिया। बता दें कि 1996 के बाद मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और इसके बाद अब तक सपा कभी इस सीट से नहीं हारी।

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव संसद भवन पहुंचे हैं। मैनपुरी सीट से बंपर जीत के बाद सांसद डिंपल यादव के साथ अखिलेश यादव संसद भवन पहुंचे। डिंपल यादव शपथ लेने पहुंची। डिंपल यादव को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसद पद की शपथ दिलाई।

सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की

मैनपुरी, सपा का वह गढ़ जिसे समाजवादी पार्टी के गठन के बाद से लेकर अब तक कोई जीत नहीं कर पाया। वर्ष 1996 से लेकर अब तक समाजवादी पार्टी इस लोकसभा सीट पर काबिज है। उपचुनाव भले ही नेताजी मुलायम सिंह यादव के बिना लड़ा गया, लेकिन सपा ने इस चुनाव को नेताजी के नाम पर लड़ा। हर जनसभा में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रत्याशी डिंपल यादव ने जनता से नेताजी को श्रद्धांजलि देने की अपील की। मैनपुरी के मतदाताओं ने भी अपने नेता का सम्मान और जलवा दोनों ही बरकरार रखा। आपको बता दें कि 8 दिसंबर को आए नतीजों में मैनपुरी सीट पर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की।

मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने नया कीर्तिमान बनाया है। उन्होंने 2.80 लाख से अधिक वोटों से भाजपा के रघुराज सिंह शाक्य को हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ डिंपल यादव मैनपुरी लोकसभा सीट से पहली महिला सांसद बन गई हैं।

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दी जमानत

फिर अपने ही आदेश पर लगा दी 10 दिन की रोक, ये है वजह

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। दरअसल बॉम्बे हाई कोर्ट ने सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे भ्रष्टाचार के एक मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को जमानत दे दी। हालांकि इसके फौरन बाद हाई कोर्ट ने अनिल देशमुख की जमानत मंजूर करने के अपने आदेश पर अगले 10 दिनों के लिए रोक लगा दी।

क्या है जमानत पर रोक लगाने की वजह?

दरअसल देशमुख की जमानत के आदेश को सीबीआई सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी इसलिए देशमुख अब अगले 10 दिनों तक हिरासत में ही रहेंगे। बता दें कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 100 करोड़ रुपए के जबरन वसूली के मामले में जमानत दी थी। देशमुख को प्रवर्तन निदेशालय ने नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया था। जिसमें कहा गया था कि देशमुख ने गृह मंत्री के रूप में अपनी शक्तियों को दुरुपयोग किया और कुछ पुलिस अधिकारियों के जरिए मुंबई के कई बारों से 4.70 करोड़ रुपए जमा किए।

क्या है पूरा मामला?

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद सीबीआई द्वारा देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने के बाद ईडी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। ईडी ने दावा किया था कि देशमुख ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और मुंबई के विभिन्न बार और रेस्तरां से 4.7 करोड़ रुपये इकट्ठए किए। ईडी ने आरोप लगाया था कि गलत तरीके से अर्जित धन को नागपुर स्थित श्री साईं शिक्षण संस्थान को भेजा गया, जो उनके परिवार द्वारा नियंत्रित एक शैक्षणिक ट्रस्ट है।

जैकलीन फर्नांडीस से जुड़े मनी लॉनड्रिंग केस में 20 दिसंबर को कोर्ट में अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ठग सुकेश चंद्रशेखर के करोड़ों रूपये की धोखाधड़ी के मामले में सह आरोपी जैकलीन फर्नांडीस के खिलाफ आरोप तय करने को लेकर पटियाला हाउस कोर्ट में आज सुनवाई हुई. अब इस मामले में कोर्ट अगली सुनवाई 20 दिसंबर को करेगा. सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ के मनी लॉनड्रिंग मामले से नाम जुड़ने के बाद से जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ी हैं. प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने अपनी चार्जशीट में एक्ट्रेस जैकलीन को आरोपी बनाया है तब से उनकी गिरफ्तारी की मांग उठ रही है. सुकेश और जैकलीन को मिलाने वाली पिंकी ईरानी से भी ईओडब्ल्यू ने तीन दिन पुलिस कस्टडी में पूछताछ की थी. 15 नवंबर को ही बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन को मनी लॉनड्रिंग मामले में बड़ी राहत मिली थी. तब पटियाला हाउस कोर्ट ने दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी है. हालांकि, बिना कोर्ट की इजाजत के जैकलीन देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकती हैं. इससे पहले कोर्ट ने 10 नवंबर को सभी पक्षों को सुनने के बाद जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया था. महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉनड्रिंग मामले में जैकलीन फर्नांडिस आरोपी हैं. बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ रुपये की ठगी केस में अभिनेत्री नोरा फ़तेही से भी दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा पूछताछ कर चुकी है.

मुंबई: राजलक्ष्मी कंपनी में लगी भीषण आग, दमकल की छह गाड़ियां मौके पर

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के मलाड स्थित राजलक्ष्मी इंडस्ट्रीज में रविवार देर शाम आग लग गई। दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हैं। मुंबई अग्निशमन विभाग के मुताबिक, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

महाराष्ट्र के गवर्नर ने गृह मंत्री शाह को लिखा पत्र

कहा- 'शिवाजी महाराज का अपमान सोच भी नहीं सकते'

छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर हालिया बयान पर सियासत और गरमाई राज्यपाल कोश्यारी ने गृह मंत्री अमित शाह को पूरे मामले से अवगत कराया महाराष्ट्र के नेताओं ने राष्ट्रपति व पीएम मोदी से की थी राज्यपाल को पद से हटाने की मांग

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र. महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर हालिया बयान पर अब सियासत और गरमा रही है. इस मामले पर सियासत गरमाने के बाद राज्यपाल कोश्यारी को पद से हटाने की मांग भी जोर शोर से की जा रही है. एएनआई के मुताबिक अब राज्यपाल कोश्यारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखकर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया है. गृह मंत्री शाह को लिखे पत्र में राज्यपाल ने कहा है कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने की सोच भी नहीं सकते हैं. इस बीच राज्यपाल की छत्रपति शिवाजी महाराज पर की गई टिप्पणी पर उनके वंशज, राज्यसभा सांसद उदयनराजे भोंसले ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा था. उदयनराजे भोंसले ने राज्यपाल के पद से बर्खास्त करने की मांग भी की थी. पत्र में सांसद उदयनराजे भोंसले ने मांग की थी कि राज्यपाल द्वारा दिए गए बयान राष्ट्र की मान्यताओं के बहुत विरोध में हैं. यह तभी सही होगा जब आप महाराष्ट्र के राज्यपाल को हटाने के लिए कुछ उपाय कर सकें. उन्होंने लिखा था कि इस मौजूदा परिस्थिति को हल करने में आपके कार्य और विचार-विमर्श महाराष्ट्र और देश के लोगों में विश्वास कायम करने में बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे. आप छत्रपति शिवाजी महाराज के लिए लोगों की आस्था और विश्वास के साथ एकजुटता से खड़े हैं.

इस बवाल के बीच अब राज्यपाल कोश्यारी ने गृह मंत्री अमित शाह को पूरे प्रकरण से अवगत कराया है. कोश्यारी ने अपने पत्र में गृह मंत्री से कहा है कि वह कदापि छत्रपति शिवाजी महाराज के अपमान करने की सोच भी नहीं सकते हैं. इस पूरे मामले पर फिलहाल महाराष्ट्र में उठे सियासी भूचाल के थमने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं.

2000 रुपये का नोट, यानी ब्लैक मनी

बीजेपी सांसद सुशील मोदी ने की सबसे बड़े नोट को बंद करने की मांग

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सांसद तथा बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने 2000 रुपये के करेंसी नोट को खत्म किए जाने की वकालत करते हुए उसे 'ब्लैक मनी' और जमाखोरी की जड़ बताया. राज्यसभा में सार्वजनिक महत्व के मामलों पर चर्चा के दौरान बीजेपी सांसद सुशील मोदी ने कहा, 2000 का नोट, यानी ब्लैक मनी... 2000 का नोट, यानी होर्डिंग... अगर ब्लैक मनी को रोकना है, तो 2,000 रुपये

के नोट को बंद करना होगा... 8 नवंबर, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस समय तक प्रचलन में मौजूद 500 रुपये तथा 1000 रुपये के करेंसी नोटों को अमान्य करार दिया था, और 9 नवंबर, 2016 (8 की रात्रि 12 बजे से) से ही उन्हें बंद करने की घोषणा की थी. उसी नोटबंदी के तुरंत बाद 500 रुपये के नए नोटों के साथ-साथ 2000 रुपये का नोट भी जारी किया गया था. सरकारी जानकारी के मुताबिक, कुछ साल बाद भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2000 रुपये के नए नोट छापना बंद कर दिया है, हालांकि यह अब भी आधिकारिक मुद्रा है. बीजेपी सांसद सुशील मोदी ने कहा, 2000 रुपये के नोट के सरकुलेशन का अब कोई औचित्य नहीं है... मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे 2000 रुपये के नोट को वापस ले लिया जाना चाहिए...

निर्भया फंड की गाड़ियों से विधायकों को सुरक्षा देने के आरोप पर बवाल

एनसीपी ने डीजीपी को लिखी चिट्ठी

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने महाराष्ट्र के डीजीपी को पत्र लिखकर निर्भया फंड के तहत खरीदे गए वाहनों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। एनसीपी ने डीजीपी को लिखे पत्र में लिखा है कि यह व्यापक रूप से बताया गया है कि महाराष्ट्र के गृह विभाग ने निर्भया फंड के तहत खरीदे गए लगभग 40 वाहनों को शिंदे गुट के विधायकों की सुरक्षा के लिए लगा दिया । सरकार के इस फैसले की राज्य के नागरिकों द्वारा आलोचना की जा रही है और यह बेहद निंदनीय है क्योंकि पूरी निर्भया योजना का मूल आधार ही विफल हो गया है। गृह मंत्रालय ने शिंदे गुट के सभी विधायकों को वॉय+ सुरक्षा प्रदान की है, जो अपने आप में विधायकों को वीआईपी दर्जा देने के कदम की तरह लगता है। यह शर्मनाक है कि इन विधायकों ने इन वाहनों को कैसे स्वीकार किया है और यह बात सामने आने के बाद कि ये वाहन महिलाओं की सुरक्षा के लिए खरीदे गए थे, कोई भी उक्त वाहनों को स्वेच्छा से वापस लेने के लिए तैयार नहीं दिख रहा है।

आगे पढ़ें और क्या लिखा लिखा है पत्र में

राज्य में महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस तंत्र को सक्षम बनाने के लिए निर्भया फंड बनाया गया था। महिला सुरक्षा के लिए बने वाहनों को डायवर्ट करना और उन्हें सरकार के समर्थन वाले

विधायकों की सुरक्षा के लिए सेवा में देना स्पष्ट रूप से निर्भया योजना का उल्लंघन है और सरकार उस गलती को सुधारने के लिए बाध्य है जो विशुद्ध रूप से राजनीतिक दबाव में की गई है। राकांपा विधायकों की सुरक्षा में तैनात उक्त वाहनों को तत्काल वापस लेकर निर्भया दस्ते को वापस भेजने की मांग करती है।

एक पुलिस अधिकारी ने किया दावा

पुलिस अधिकारी ने दावा किया कि जून में वाहनों की खरीद के बाद उन्हें जुलाई में सभी 97 पुलिस थानों, साइबर, यातायात और तटीय पुलिस इकाइयों को सौंप दिया गया। इन वाहनों में से 47 बोलेरो, मुंबई पुलिस के मोटर परिवहन विभाग द्वारा राज्य पुलिस के वीआईपी सुरक्षा अनुभाग के एक आदेश के बाद कई पुलिस थानों से मांगे गए थे, जिसमें कहा गया था कि शिंदे गुट के सांसदों और विधायकों की 'वाई-प्लस' सुरक्षा मुहैया कराने के लिए इन वाहनों की आवश्यकता है। हालांकि, 17 वाहनों को आवश्यकता पूरी होने के बाद पुलिस थानों में वापस कर दिया गया। 30 बोलेरो अभी तक वापस नहीं आई हैं।

कांग्रेस ने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया

मामले के खुलासे के बाद विपक्षी दल कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सत्तारूढ़ विधायकों की सुरक्षा महिलाओं की सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने पूछा कि क्या सत्तारूढ़ विधायकों की सुरक्षा महिलाओं को दुर्व्यवहार से बचाने से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है? निर्भया कोष का इस्तेमाल विधायकों की सुरक्षा के लिए किया जाना भयावह और अपमानजनक है। शिंदे विधायकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए निर्भया फंड से गाड़ियां खरीदने पर एसपी सांसद जया बच्चन ने कहा कि ऐसे लोगों को इस्तीफा देना चाहिए। जिन्होंने इस प्रकार से दुरुपयोग किया है। उनको सारी महिलाओं माफी मांगनी चाहिए। मैं क्या शब्द इस्तेमाल करूं इनके लिए? ये बहुत शर्म की बात है।

करनाल के पार्क में मिला व्यक्ति का शव

करनाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में करनाल के मेरठ रोड स्थित पार्क में सोमवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। व्यक्ति के चेहरे पर चोटों के निशान है और शव के पास खून से सना पत्थर पड़ा हुआ था। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी हत्या की गई है। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भिजवा दिया। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10:45 बजे पुलिस को सूचना मिली की मेरठ रोड स्थित एक पार्क में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बने दीपांकर दत्ता

सीजेआई ने दिलाई शपथ

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सोमवार (12 दिसंबर) को शपथ दिलाई. कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश दिवंगत सलिल कुमार दत्ता के पुत्र और उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अमिताव रॉय के रिश्तेदार न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने सुबह 10 बजकर 36 मिनट पर शपथ ग्रहण की. न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता के शपथ ग्रहण करने के साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 28 हो गई है. प्रधान न्यायाधीश समेत उच्चतम

न्यायालय के न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 34 है.

8 फरवरी 2030 तक रहेगा न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता का कार्यकाल

केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने रविवार (11 दिसंबर) को उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की थी. न्यायमूर्ति दत्ता का जन्म नौ फरवरी, 1965 को हुआ था. वह इस वर्ष 57 साल के हो गए और उच्चतम न्यायालय में उनका कार्यकाल आठ फरवरी, 2030 तक रहेगा. उच्चतम न्यायालय में सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है.

राष्ट्रपति ने मंजूरी देते हुए नियुक्ति का वारंट जारी किया

दत्ता के नाम की सिफारिश तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यूयू ललित (अब सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 26 सितंबर को हुई बैठक में की थी. इसके करीब ढाई महीने बाद, सरकार ने इस पर अपनी सहमति की मुहर लगाकर राष्ट्रपति के पास इसे निर्णायक मंजूरी के लिए भेज दिया था. राष्ट्रपति ने अपनी मंजूरी देते हुए नियुक्ति का वारंट जारी किया था. उच्चतम न्यायालय में फिलहाल 34 न्यायाधीशों की कुल तय संख्या के मुकाबले 27 न्यायाधीश ही अभी काम कर रहे हैं.

22 जून 2006 को किया गया था न्यायमूर्ति दत्ता का प्रमोशन

न्यायमूर्ति दत्ता का स्थायी न्यायाधीश के तौर पर कलकत्ता उच्च न्यायालय में 22 जून, 2006 को प्रमोशन किया गया था. इसके बाद 28 अप्रैल 2020 को उन्हें मुंबई उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था. कलकत्ता उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कलकत्ता विश्वविद्यालय से उन्होंने 1989 में विधि की डिग्री ली थी. इसके बाद 16 नवंबर, 1989 को वह अधिवक्ता के तौर पर पंजीकृत हुये थे.

शराब पीकर कलेक्टर के सामने पहुंचा शिक्षक

बोला प्रण कर के आया था आज डीएम को मारुंगा, जानिए पूरा मामला

डिंडोरी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के आदिवासी जिले डिंडोरी में एक शिक्षक शराब के नशे में धुत होकर कलेक्टर के पास पहुंचा और कलेक्टर से बदतमीजी करने लगा। इस दौरान जब सुरक्षाकर्मी ने शराबी शिक्षक को रोकने की कोशिश की तो भी वह नहीं माना और कलेक्टर के पास पहुंच गया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल बताया जा रहा है कि शराबी शिक्षक अपनी शिकायक लेकर कलेक्टर के पास पहुंचा था, उसका एडीएस रूका हुआ है, जिसे पास करने की शिकायत वह कलेक्टर से करना चाहता था।

'पीएम मोदी की हत्या' करने की बात कहकर फंसे कांग्रेस के पूर्व मंत्री

भोपाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व मंत्री राजा पटेरिया ने पीएम मोदी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान बचाने के लिए पीएम मोदी की हत्या करनी होगी। उनके इस बयान को लेकर सियासी गलियारों में हड़कंप मच गया है और एमपी के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। बता दें कि राजा पटेरिया मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे हैं।

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कही ये बात

कांग्रेस नेता राजा पटेरिया के बयान पर मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कांग्रेस के लोग मैदान में मुकाबला नहीं कर पाते हैं इसलिए कांग्रेस के एक नेता पीएम मोदी की हत्या की बात कर रहे हैं। ये घृणा की अति है, कांग्रेस के असली भाव अब प्रकट हो रहे हैं। ऐसी चीजों को सहन नहीं किया जाएगा। एफआईआर की जा रही है और कानून अपना काम करेगा।

मुसोलिनी जैसी है कांग्रेस की सोचः नरोत्तम मिश्रा

एमपी के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की सोच मुसोलिनी जैसी है। कांग्रेस पूरी तरह निराशा में डूबी हुई है और वह कई राज्यों में जीरो पर आ गई है। उन्होंने ये भी कहा कि राजा पटेरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी।

अमित मालवीय ने कही ये बात

बीजेपी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने इंडिया टीवी से कहा है कि पंजाब चुनाव से पहले भी पीएम मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई थी। ये चूक चन्नी के प्रशासन द्वारा हुई थी। पीएम मोदी को हटाने में पाकिस्तान से मदद तक मांगी गई, ऐसे में कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठता है। क्या ये कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा है?

बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया लोगों को पीएम मोदी की हत्या करने के लिए उकसा रहे हैं। इस बयान से कांग्रेस की मानसिकता साफ झलकती है। गांधी परिवार और कांग्रेस के नेता सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं। सिरसा ने ये भी कहा कि वह देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ सरेआम षड़यंत्र रचने के लिए राजा पटेरिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 13 दिसंबर, 2022

सुविचार: पवित्रता के बिना एकाग्रता का कोई मूल्य नहीं होता।

बीजेपी की नाकामियों पर सवाल उठाने वालों को बनाया जा रहा है निशाना : एमएलसी कविता

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति एमएलसी के कविता ने सोमवार को कहा कि एक सुनियोजित अभियान में भाजपा की विफलताओं पर सवाल उठाने वालों को उन्हें उजागर करने वाले लोगों को विभिन्न एजेंसियों और छापे का उपयोग करके निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यहां तेलंगाना जागृति समिति (टीजेएस) की राज्य समिति की बैठक में कहा कि चुनिंदा लीक खबरों और मीडिया में हेराफेरी करके ऐसे लोगों का चरित्र हनन किया जा रहा है। कविता ने सभा की तालियों के बीच कहा कि मैं आपको याद दिला दूं कि तेलंगाना की महिलाएं मजबूत हैं और पीछे नहीं हटेंगी। आराम करने का कोई सवाल ही नहीं है। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में बीआरएस एमएलसी से रविवार को पूछताछ की थी। वे मुझ पर हमला नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह पूरे देश में हो रहा है। अगर वे हमला करते हैं तो क्या होता है? कौन हारेगा? विपक्ष एक कार्यकाल के लिए हार सकता है। लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान लोगों को होगा। लोगों को यह समझाने की हम (टीजेएस) जैसी संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

कविता ने कहा कि जब हम लोकतांत्रिक प्रणालियों और संस्थानों की रक्षा करते हैं, तो बदले में वे हमें बचाएंगे। यह इंगित करते हुए कि भाजपा सरकार ने आठ राज्यों में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों को गद्दी से उतार दिया है। समाज का बुद्धिजीवी वर्ग केंद्र सरकार और उसकी नीतियों से नाखुश था। उन्होंने कहा कि लेखक और कवि केंद्र सरकार द्वारा दिए गए लोकप्रिय पुरस्कार लौटा रहे हैं। अलग तेलंगाना आंदोलन के दौरान टीजेएस द्वारा निभाई गई सेवाओं और भूमिका को याद करते हुए उन्होंने कहा: हमने तेलंगाना के लिए काम किया और अब देश के लिए काम करने का समय आ गया है। इसके लिए, टीजेएस लोगों को जोड़ने वाले कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विभिन्न राज्यों में छात्रों, महिलाओं, किसानों और सभी वर्गों के साथ बैठकें करेगा।

अजहरुद्दीन पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) के अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन को बगावत का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अधिकांश सदस्यों ने नए पदाधिकारियों के चुनाव के लिए चुनाव कराने का फैसला किया है। अजहरुद्दीन पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए प्रतिद्वंद्वी गुट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर एन. शिवलाल यादव और अरशद अयूब शामिल हैं। उन्होंने 10 जनवरी तक चुनाव कराने की ठान ली है। एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, अजहर का विरोध करने वाले एचसीए सदस्यों ने रविवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम के बाहर सड़क पर निकाय की एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) आयोजित की, क्योंकि अजहर के आदेश पर कथित रूप से स्टेडियम के द्वार बंद कर दिए गए थे। एचसीए के सदस्यों के अनुसार, एसोसिएशन के 88 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब बैठक सड़क पर आयोजित की गई। एसजीएम में भाग लेने वाले 220 सदस्यों में से एचसीए के पूर्व सचिव शिवलाल यादव, पूर्व अध्यक्ष अशरहाद अयूब और जी. विनोद उन 172 सदस्यों में शामिल थे। उन्होंने कि अजहर अब एचसीए अध्यक्ष नहीं है। उनका कार्यकाल 28 नवंबर को समाप्त हो गया था। उन्होंने सर्वसम्मति से नई शीर्ष परिषद के लिए चुनाव कराने का फैसला किया। वर्ष 2019 में अजहर अध्यक्ष चुने गए थे। शिवलाल यादव ने स्टेडियम पर ताला लगाने के लिए अजहर की आलोचना की और पूर्व भारतीय कप्तान को याद दिलाया कि स्टेडियम के निर्माण में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, "इस स्टेडियम के लिए दिन-रात काम करने वालों को बंद कर दिया गया। यह शर्मनाक है।" सदस्यों ने स्टेडियम में ताला लगाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि, अजहरुद्दीन ने एसजीएम को अवैध करार दिया। उन्होंने एक बयान में कहा कि पर्यवेक्षी समिति की अनुमति के बिना बैठक आयोजित करना स्वाभाविक रूप से अवैध है। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षी समिति को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त किया गया था और तेलंगाना उच्च न्यायालय याचिकाकर्ताओं को निर्देश दे रहा है कि वे एचसीए से जुड़े मामलों पर निगरानी समिति को याचिका दायर करने के लिए राहत की मांग करें। एसजीएम के लिए विनोद और अरशद अयूब ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए राचकोंडा पुलिस से संपर्क किया था।

जून तक लोगों के लिए उपलब्ध होगा एसआर नगर मॉडर्न कमेटी हॉल : तलसानी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य, डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि एसआर नगर मॉडर्न कमेटी हॉल आगामी जून तक जनता के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। मंत्री ने सोमवार को पेटा मंडल के एसआर नगर में 15 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे आधुनिक कमेटी हॉल एवं शॉपिंग कांप्लेक्स के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर अधिकारियों ने मंत्री को काम की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आसपास से अतिक्रमण हटाने और रक्षात्मक दीवार बनाने के लिए कदम उठाए जाएं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूर्व का कमेटी हॉल जर्जर हालत में पहुंच गया था, इसलिए स्थानीय लोगों की मांग पर नए कमेटी हॉल व शॉपिंग कांप्लेक्स का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नगर प्रशासन मंत्री केटीआर के सहयोग से इस भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

बताया गया कि वाहन पार्किंग के लिए डबल सेलर, ग्राउंड फ्लोर पर कमेटी हाल शॉप व प्रथम तल पर डायनिंग हाल बनाया जाएगा। बताया जाता है कि पहले सेलर स्लैब का काम पूरा हो चुका है और दूसरे सेलर का काम एक सप्ताह के भीतर पूरा हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है तथा उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि सड़क, नाली और पानी की लाइन जैसे कई विकास कार्य पहले ही किए जा चुके हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में वीडीसीसी सड़कों के बनने से कॉलोनियां काफी अच्छी नजर आ रही हैं। कार्यक्रम में पूर्व नगरसेवक नमना सेशुकुमारी, जोनल कमिश्नर रवि किरण, डीसी मोहन रेड्डी, ईई इंदिरा, टाउन प्लानिंग एसीपी रमेश, प्रोजेक्ट्स डीई दशरथ, हाउसिंग सीई श्रीनिवास, ईई किरण बाबू और अन्य ने भाग लिया।

केंद्र पर लगा जल निकायों की बहाली में तेलंगाना के साथ भेदभाव का आरोप

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले चार वित्तीय वर्षों में, केंद्र ने 2018-19 के आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना में जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण और बहाली के लिए कोई धनराशि जारी नहीं की है, जो इस सप्ताह के शुरू में लोकसभा में पेश किए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि केंद्रीय जल राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सदन में यह जानकारी देते हुए भी मिशन काकतीय के अपने प्रमुख कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण और कटाई में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए तेलंगाना की सराहना की।

लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, 2014-15 और 2022-23 के बीच 11 राज्यों को 498.3 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई। इनमें से ओडिशा और तेलंगाना ने क्रमशः सबसे अधिक 810 और 437 जल निकायों के जीर्णोद्धार कार्य पूरे किए हैं। हालांकि, केंद्र ने पिछले आठ वर्षों में ओडिशा को 47.96 करोड़ रुपये जबकि तेलंगाना को 15.47 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। 2018-19 से तेलंगाना को कोई धनराशि जारी नहीं की गई जो सरासर भेदभाव को दर्शाता है। हालांकि, केंद्र ने बिहार को 17.87 करोड़ रुपये जारी किए जहां केवल 59 जल निकायों में नवीनीकरण कार्य किए गए और मध्य प्रदेश को 33 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिसने 124 जल निकायों में नवीनीकरण कार्य पूरा किया। आश्चर्य की बात नहीं है कि जल शक्ति मंत्रालय ने जल शक्ति अभियानयोजना के तहत भाजपा शासित राज्यों और मित्रवत राजनीतिक दलों द्वारा शासित अन्य राज्यों में अधिक जल निकायों का नवीनीकरण पूरा किया है, जो तेलंगाना के मिशन काकतीय से प्रेरित था। इस वित्तीय वर्ष के दौरान 6 दिसंबर तक, जल शक्ति मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश में 20,357, आंध्र प्रदेश में 15,189, कर्नाटक में 12,185, ओडिशा में 9,825, तमिलनाडु में 9,014 और छत्तीसगढ़ में 7,849 जलाशयों का नवीनीकरण पूरा किया। तेलंगाना में केवल 3,414 जल निकायों का नवीनीकरण किया गया।

हालाँकि, एक सवाल के जवाब में, बिशेश्वर टुडू ने मिशन काकतीय के लिए सभी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कई राज्यों ने जल संरक्षण/संचयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है जैसे तेलंगाना में 'मिशन काकतीय', राजस्थान में 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान', महाराष्ट्र में 'जलयुक्त शिबर', गुजरात में 'सुजलाम सुफलाम अभियान', आंध्र प्रदेश में 'नीरू चेट्टू', बिहार में 'जल जीवन हरियाली', हरियाणा में 'जल ही जीवन' और तमिलनाडु में 'कुदिमारमठ' योजना आदि। संयोग से, इनमें से अधिकांश योजनाएं मिशन काकतीय से प्रेरित हैं।

पत्नी की हत्या के जुर्म में बेटे और मां को उम्रकैद

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वी. बाला भास्कर राव ने आज यदाद्री भोंनगिरी जिले के भोंनगिरी मंडल के बसवापुरम गांव के एक ऑटो चालक माचा विग्नेश और उसकी मां माचा पद्मा को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पत्नी स्वप्ना को जिंदा जलाने के लिए कारावास और प्रत्येक पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। भोंनगिरी पुलिस ने कहा कि उन्हें 18 नवंबर, 2015 को मृतक के भाई एदुलकांति लक्ष्मीनारायण से एक शिकायत मिली थी जिसमें कहा गया था कि उसकी बहन स्वप्ना की शादी आरोपी माचा विग्नेश के साथ हुई थी। उसने आरोपी माचा विग्नेश को नकदी, सोने के आभूषण, बाइक आदि दिया था। शादी के बाद इस जोड़े को दो बेटियों हुई। इसके बाद माचा विग्नेश और उसकी मां माचा पद्मा ने अतिरिक्त दहेज के लिए स्वप्ना को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। 18 नवंबर 2015 को दोनों आरोपियों ने स्वप्ना पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। पीड़ित को क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में उसे गांधी अस्पताल सिकंदराबाद भेज दिया गया। हालांकि, इलाज के दौरान 23 नवंबर, 2015 को स्वप्ना ने अंतिम सांस ली। पुलिस ने धारा 304 (बी) आईपीसी, 302 आईपीसी और डीपी अधिनियम 1961 की धारा 3, 4 और 6 के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। मुकदमे के बाद आरोपी बेटे और मां दोनों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 30-30 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। आईओ बी. बिक्सापति, एसआई और अब सीआई सिद्दीपेट, एस. मोहन रेड्डी, उप-विभागीय पुलिस अधिकारी भोंनगिरी, अब डीएसपी, अतिरिक्त पीपी के रूप में सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से जमील, सीडीओ बी नरेश भोंनगिर ग्रामीण पीएस का कोर्ट में बयान हुआ। सीपी राचकोंडा महेश एम भागवत, अतिरिक्त सीपी जी. सुधीर बाबू ने आईओ, सीडीओ, एपीपी, एसएचओ एच. राघवेंद्र एसआई, सीआई ए. वेंकटैया भोंनगिर सर्कल, एसीपी साई रेड्डी वेंकट रेड्डी और डीसीपी के.नारायण रेड्डी भोनगिरी को आरोपी व्यक्तियों को सजा दिलाने में उनके प्रयासों की सराहना की।

ऑटो चालक की हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार

सूर्यापेट, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोटे पुलिस ने सोमवार को 28 वर्षीय ऑटो चालक पंडी नरेश की हत्या करने और उसके शव और ऑटोरिक्शा को मंडल के बिभुलापुरम में एसआरएसपी नहर में फेंक कर इसे सड़क दुर्घटना के रूप में पेश करने की कोशिश करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोटे मंडल के अन्नारिगुडेम गांव के पडीशला शंकर (36) और दुन्नापोथेउला वेंकटेश्वरलू (31) और खम्ममजिले के रघुनाधापलेम के गुंडू मधुसूदन (32) शामिल हैं।

मुनागडा पुलिस स्टेशन में मीडिया के सामने आरोपी को पेश करते हुए, कोदाड के पुलिस उपाधीक्षक जी. वेंकटेश्वर रेड्डी ने कहा कि शंकर ने नरेश को इस संदेह पर मारने की योजना बनाई थी कि नरेश उसकी पत्नी के साथ विवाहेतर संबंध बनाए हुए था। उसने अपने दोस्तों वेंकटेश्वरलू और मधुसूदन की मदद ली और नरेश को एक शराब पार्टी के लिए आमंत्रित किया, जिसके दौरान उन्होंने 26 नवंबर को रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। तीनों ने शव को पीड़ित के ऑटो में विभूलापुरम ले गए और एसआरपीएस नहर में शरीर और वाहन दोनों को फेंक दिया। मोटे पुलिस ने तीनों को नायकनगुड़ा टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया है।

वाईएसआरसीपी ने राज्यसभा में तत्काल ऋण एप धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी के सदस्य विजय साई रेड्डी ने भारत में चीनी कंपनियों द्वारा संचालित तत्काल ऋण ऐप धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया। रेड्डी ने कहा, "इंस्टैंट लोन ऐप से संवेदनशील जानकारी लीक होने का खतरा है और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि ज्यादातर ऐप चीनी कंपनियों द्वारा संचालित हैं।" उन्होंने कहा कि पुलिस ने केवल भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार किया और कंपनियां चीन से काम कर रही थीं, और आरबीआई की अनुमति के बिना भी काम कर रही थीं। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पिछले महीने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिसमें एक चीनी नागरिक भी शामिल था। आरोपियों की पहचान चीनी नागरिक यू झांग, जबरन वसूली रैकेट के मास्टरमाइंड और हरियाणा निवासी विनीत झावर के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि विनीत और झांग द्वारा उपलब्ध कराए गए खातों के जरिए अब तक 150 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी की जा चुकी है। इस साल अगस्त में आईएफएसओ इकाई ने चीनी कनेक्शन वाले तत्काल ऋण आवेदनों के विभिन्न मॉड्यूलों का भंडाफोड़ किया था, और 22 लोगों को कथित रूप से हवाला मार्ग से या क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करके चीन में 500 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

केंद्र के पास पांच साल से लंबित है तेलंगाना के बीसी, एससी-एसटी आरक्षण विधेयक

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता की कमी अब और अधिक स्पष्ट हो गई है, जब केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार को लोकसभा में खुलासा किया कि केंद्र ने अभी तक राष्ट्रपति के पास बिल को अनुमोदन के लिए नहीं भेजा है, जिसे तेलंगाना राज्य विधानसभा द्वारा पारित किया गया था और 2017 में बहुत पहले केंद्र को भेज दिया गया था।

मुंडा ने खुलासा किया कि तेलंगाना पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के तहत सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) बिल, 2017 को बीआरएस के सांसद रंजीत रेड्डी और कविता मालोथु के एक प्रश्न के जवाब में मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया था। मुंडा ने यह स्वीकार करते हुए कि बिल गृह मंत्रालय को प्राप्त हुआ है, कहा कि मंत्रालय ने प्रस्तुत किया था कि बिल भारत के सर्वोच्च न्यायालय में लंबित आरक्षण के विषय पर अदालती मामलों के निपटान के बाद संसाधित हो सकता है।

लगभग छह साल पहले तेलंगाना राज्य विधानसभा ने विधेयक पारित किया था, जिसमें राज्य में आदिवासियों के लिए आरक्षण में बढ़ोतरी की मांग की गई थी और इसे राष्ट्रपति की सहमति के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा था। राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और आदिवासियों के बार-बार गुहार लगाने के बावजूद केंद्र ने बिल को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

केंद्र के उदासीन रवैये से परेशान मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने हाल ही में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के दौरान घोषणा की थी कि अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण को छह प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने के लिए सरकारी आदेश जारी किए जाएंगे। इसी के अनुरूप इस साल 30 सितंबर को राज्य सरकार ने आदेश जारी किए।

पांच और पालतू पशु शवदाह गृह स्थापित किए जाएंगे

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के तहत एक स्वैच्छिक संगठन के सहयोग से राज्य में पहली बार फतुल्लागुडा में एक पालतू पशु शवदाह गृह स्थापित किया गया है। राज्य के नगरपालिका मंत्री केटीआर के निर्देशों के अनुसार, अधिकारी जीएचएमसी के भीतर 5 और पालतू पशु शवदाह गृह स्थापित करने के लिए कदम उठा रहे हैं। 6 दिसंबर को, राज्य के नगरपालिका और शहरी विकास मंत्री केटीआर ने नागोल सर्कल के फतुल्लागुडा में जीएचएमसी के पशु अभयारण्य में पीपुल फॉर एनिमल्स (पीएफए) के सहयोग से एक पालतू पशु कब्रिस्तान का उद्घाटन किया। मंत्री ने केटीआर अधिकारियों को जीएचएमसी के तहत शेष क्षेत्रों में एक जोन प्रति जोन स्थापित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। जीएचएमसी आवारा कुत्तों, बंदरों और मवेशियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखता है। आवारा कुत्तों के नियंत्रण के लिए पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से जन्म नियंत्रण ऑपरेशन और एंटी-रेबीज टीकाकरण जैसे देखभाल उपाय किए जा रहे हैं, जिसके लिए शहर भर में 5 पशु देखभाल केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा मैदानी स्तर पर लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके उपाय करने के उद्देश्य से 39 वाहनों की भी व्यवस्था की गई है। फथुल्लागुडा में जानवरों के लिए लोगों (पीएफए) से एकत्र 51.25 लाख में से आवश्यक मशीने और 33.50 लाख की लागत से अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही वहां सभी सुविधाओं से युक्त एक पालतू कब्रिस्तान तैयार किया गया। मामूली शुल्क पर एलपीजी गैस से पालतू जानवरों के दाह संस्कार के लिए एक धर्मार्थ संगठन द्वारा केंद्र चलाया जाता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के नियमों के अनुसार, बिना किसी प्रदूषण के शून्य उत्सर्जन के साथ वैज्ञानिक तरीके से पालतू जानवरों का गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार किया जाता है। एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एक पीएफए संगठन है और अन्य क्षेत्रों में स्थापित पालतू श्मशान घाटों को संचालित करने वाले स्वैच्छिक संगठनों को भी भारतीय पशु बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। एलबी नगर क्षेत्र में, वर्तमान के फतुल्लागुडा स्थापित किया गया है, मंत्री केटीआर के आदेश के अनुसार, अधिकारी सिकंदराबाद, सेरीलिंगमपल्ली, कुकटपल्ली, खैरताबाद और चारमीनार क्षेत्र में पशु आश्रय स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। फतुल्लाहगुडा के अलावा चूड़ीबाजार, अंबरपेट, महादेवपुरा, केपीएचबी कॉलोनियों में पशु देखभाल केंद्र स्थापित किए जाएंगे। केंद्र सरकार पशु कल्याण बोर्ड के निर्देशों के साथ जीएचएमसी नियमों के अनुसार पालतू पशु अभयारण्य स्थापित किए जाएंगे। फतुल्लागुडा पीपुल फॉर एनिमल स्वैच्छिक सहयोग, जीएचएमसी के फंड से इन नए स्थापित केंद्रों के लिए भस्मीकरण मशीनें स्थापित की जाएंगी। उनका प्रबंधन स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किया जाता है और ये संगठन जीएचएमसी द्वारा निर्धारित मूल्य पर पालतू जानवरों के लिए गरिमापूर्ण अंत्येष्टि करते हैं।

लॉरी से टकराकर पलटी कॉलेज बस, 15 नर्सिंग छात्राएं घायल

नलगोंडा, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नालगोंडा जिले के नाकरेकल में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर एक कॉलेज बस के लॉरी से टकराकर पलट जाने से 15 नर्सिंग छात्राएं घायल हो गईं। हादसा सुबह 9.30 बजे उस समय हुआ जब पीजीएफ नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं कॉलेज बस से सूर्यापेट से नलगोंडा जा रही थीं। बस में 30 छात्र सफर कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, नाकरेकल में थाटीकल फ्लाईओवर के पास एक तेज रफ्तार लॉरी ने कॉलेज बस को पीछे से टक्कर मार दी। लॉरी की चपेट में आने के बाद कॉलेज की बस पलट गई। घायल छात्रों को नकरेकल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकांश छात्रों को केवल मामूली चोटें आई हैं।

अधिकारियों ने वारंगल पश्चिम में 2बीएचके लाभार्थियों की सूची में देरी की

हनमकोंडा, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र के अंबेडकर नगर में रहने वाले कई गरीब परिवार अधिकारियों से उनके लिए बनाए गए 2बीएचके घरों को आवंटित करने का आग्रह कर रहे हैं क्योंकि कुछ घर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने हनमकोंडा बस स्टेशन के पास अंबेडकर नगर के पास जी 3 मॉडल में 592 डबल बेडरूम घरों का निर्माण किया है। मोहल्ले में रहने वाले लोगों को जगह खाली करने और अस्थायी झोपड़ियों/टेंटों में रहने के लिए कहा गया। आवासों का निर्माण 2019 में पूरा हो गया था। हालांकि, अधिकारी विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए लाभार्थियों को आवास आवंटित करने में विफल रहे हैं। अंबेडकर नगर में रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि बारिश के मौसम में अस्थायी घरों में रहने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अफसोस जताया कि हालांकि मुख्यमंत्री ने घरों को मंजूरी दी और एक छोटी अवधि के भीतर निर्माण सुनिश्चित किया, अधिकारी उन्हें हमें आवंटित नहीं कर रहे हैं।

नगर में 14 दिसंबर तक मध्यम बारिश होने की संभावना

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और रंगारेड्डी और संगारेड्डी जिलों के आसपास के क्षेत्रों में रविवार को बादल छाए रहे, सर्द और सुस्त रहा, क्योंकि चक्रवात मैंडूस तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और कुछ हद तक कर्नाटक में सक्रिय रहा। शनिवार की आधी रात से शुरू हुई बेमौसम बारिश सोमवार तक जारी है। यह बारिश के कारण हैदराबाद में मौसम ठंडा है। इसने पूरे दिन के लिए रुझान तय किया, क्योंकि हैदराबाद और बाहरी इलाके पूरी तरह से बादल छाए रहे और यहां और वहां छिटपुट बूंदाबांदी होती रही। सोमवार की दोपहर सूरज कुछ देर के लिए चमका, लेकिन आसमान में छाए बादलों के बीच गायब हो गया। सोमवार शाम तक, हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में तेज बारिश देखी गई, जो पहले एलबी नगर-हयातनगर क्षेत्र में शुरू हुई और फिर राज्य की राजधानी के अन्य हिस्सों में चली गई। हालांकि यह हल्की से मध्यम बारिश थी, हैदराबाद के कई हिस्सों में औसत दर्जे की बारिश हुई।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

देवांश

माता : विजयलक्ष्मी
पिता : नागसाई

बड़े निकाय वाले शहरों को आज के बाद मथेंगे मुख्यमंत्री योगी, रोड शो और बड़ी सभाएं करेंगे

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव में अपना दमखम दिखाएंगे। निकाय चुनाव के मद्देनजर भाजपा के प्रदेश संगठन ने प्रचार का जो कार्यक्रम तैयार किया है, उसके मुताबिक मुख्यमंत्री 13 दिसंबर के बाद सभी नगर निगमों के अलावा बड़े निकाय वाले शहरों को मथेंगे। वह रोड शो के साथ ही बड़ी सभाएं भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने रविवार अपने सरकारी आवास पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री (संगठन) धर्मपाल के साथ निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक की। इसमें प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन के स्तर पर निकाय चुनाव को लेकर की गई अब तक की तैयारियों की उन्हें जानकारी दी। बैठक में तय किया गया कि मुख्यमंत्री का अंतिम प्रबुद्ध सम्मेलन 13 दिसंबर को मथुरा में है। इसके बाद योगी निकाय चुनाव प्रचार में उतरेंगे। मुख्यमंत्री के अलावा अन्य शहरों में चुनाव प्रचार की कमान दोनों उप मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों व पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी संभालेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री ने खतौली विधानसभा व मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में पार्टी की हार के कारणों की जानकारी भी ली।

मांझी की पार्टी के दो बड़े नेताओं में जुबानी जंग

राष्ट्रीय सचिव ने दे डाली अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ को ये नसीहत

गया, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया में रविवार को हम पार्टी के पदाधिकारियों के बीच एक मामले को लेकर जुबानी जंग हो गई. हम पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तौसीफ रहमान खां और राष्ट्रीय सचिव सह प्रवक्ता नंदलाल मांझी एक दूसरे के आमने सामने आ गए हैं. तौसीफ रहमान खां द्वारा मिर्जा गालिब कॉलेज में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली बात पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ने किनारा कर लिया है. उन्होंने कहा कि मिर्जा कॉलेज प्रबंधन पर लगाए गए आरोप से हम पार्टी का कोई लेना देना नहीं है. साथ ही सचिव को नसीहत भी दी है कि पार्टी किसी एक से नहीं बनी है. हमारी ओर से इस मामले पर कोई लेना देना नहीं है.

मिर्जा गालिब कॉलेज के मुद्दे पर दो पदाधिकारी आमने-सामने

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तौसीफ रहमान ने रविवार की शाम मिर्जा गालिब कॉलेज में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया जिसमे खुद हम पार्टी के लेटर पैड पर प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई थी. इसमें बताया कि कॉलेज के वर्तमान शासी निकाय के सचिव शब्बी आरफीन शम्सी द्वारा नियम के विरुद्ध अपने चहेते शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों की बहाली की गई है. नए भवन के रंग रोगन के नाम पर कॉलेज के खाते से करोड़ों रुपये की निकासी शासी निकाय के वर्तमान सचिव के द्वारा की गई है. इसमें मिसलेनियस खर्च के नाम पर 50 लाख के चेक से राशि निकाली गई. जबकि कॉलेज के बाय लॉज के अनुसार 250 रुपये से ज्यादा का मिसलेनियस खर्च नहीं निकाला जा सकता है.

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

उन्होंने बताया कि कॉलेज का नया भवन के लिए एक करोड़ 82 लाख में तैयार होना है और उसकी रंग रोगन के नाम पर तीन करोड़ पांच लाख रुपये की राशि निकाली जाती है. कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान सभी स्कूल कॉलेज बंद थे. उस अवधि में सचिव शब्बी आरफीन शम्सी के द्वारा अवैध तरीके से 12 प्रोफेसर की नियुक्ति कर दी जाती है जबकि कॉलेज में पहले एडहॉक पर रहे प्रोफेसर को रास्ता दिखा दिया गया. वैसे एडहॉक प्रोफेसर के द्वारा मिर्जा गालिब कॉलेज शासी निकाय के विरुद्ध हाई कोर्ट में परिवाद दर्ज कराया है.

मुख्यमंत्री से कई मांगें

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शासी निकाय के गठन काउंसलर की विधिवत बैठक बुलाकर प्रशासन की निगरानी में चुनाव कराने, शब्बी आफरीन शाम शम्सी के सचिव काल में हुए आय व्यय का अंकेक्षण सरकारी स्तर पर कराने, भवन निर्माण में किए गए घोटालों की उच्च स्तरीय जांच कराने, शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मियों की बहाली में की गई अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने, कॉलेज के शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों का लंबित वेतन को देने सहित कई मांगें की है.

नंदलाल मांझी बोले- पार्टी का कोई लेना देना नहीं

इस बयान को जारी करने के बाद हम पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह प्रवक्ता नंदलाल मांझी ने बताया कि किसी प्रतिष्ठित कॉलेज पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाना गलत है. कॉलेज की अपनी एक स्वतंत्र साशी निकाय तथा ऑटोनॉमस बॉडी है. कहा कि पार्टी के नाम पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करना गलत है. कॉलेज पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि जब तक पार्टी के पास किसी के द्वारा कॉलेज से संबंधित भ्रष्टाचार का कोई लिखित पत्र नहीं आता है तब तक इन सारी चीजों से परहेज करना चाहिए. बिना किसी लिखित शिकायत के किसी कॉलेज पर आरोप नहीं लगा सकते हैं. अपने ही पार्टी के लोगों को नसीहत दी की ये किसी दो लोगों की पार्टी नहीं है और हीं इससे पार्टी का कोई संबंध भी नहीं है.

12 साल बाद 80 लोगों की हिंदू धर्म में वापसी

आजम खान पर आरोप लगाकर शुद्धीकरण किया

मुजफ्फरनगर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में देर शाम तकरीबन दर्जनभर परिवार के 80 सदस्यों ने इस्लाम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म में घर वापसी की है. दरअसल, रामपुर जनपद निवासी धोबी समाज से दलित वर्ग के दर्जनभर परिवार के लगभग 80 सदस्यों को रविवार की देर शाम बघरा ब्लॉक स्थित योग साधना आश्रम के महाराज यशवीर ने गंगाजल से शुद्धीकरण करवाई और सभी के गले में जनेऊ धारण कर गायत्री मंत्र उच्चारण करवाया. इस दौरान सभी लोगों से यज्ञ में आहुति डलवा कर इन सभी लोगों की इस्लाम धर्म से हिंदू धर्म से वापसी कराई गई है.इस्लाम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म में वापसी करने वाले रामपुर जनपद के निवासी इन लोगों ने आजम खान पर आरोप लगाते हुए कहा है कि 12 वर्ष पूर्व आजम खान द्वारा जबरन हिंदू धर्म से उनका धर्म परिवर्तन करा कर मुस्लिम बनवाया गया था. आरोप यह भी है कि जिसके बाद इन लोगों की जमीन जायदाद भी आजम खान के गुर्गों द्वारा हड़प ली गई थी, जिससे परेशान होकर आज 12 साल बाद इन सभी लोगों ने मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म में घर वापसी की है. इस दौरान इमराना से कविता बनी एक महिला ने बताया कि 12 साल पहले आजम खान के आदमियों ने हमारा धर्म परिवर्तन कराया था. उन्होंने हमारे साथ कुछ अच्छा नहीं किया हम परेशान थे. आजम खान के दबाव में ही हमारा धर्म परिवर्तन कराया गया था और हमें हिंदू से मुसलमान बनाया गया था, जिसके बाद उन्होंने हमारी जमीन भी छीन ली थी. बहुत लोगों के साथ उन्होंने ऐसा ही किया है. हरजाना से सविता बनी महिला ने बताया कि पहले वह सविता ही थी, लेकिन आजम खान के दबाव में हम मुसलमान बन गए थे. हमारी जमीन जायदाद भी छीन ली गई. आजम खान की वजह से लाखों लोग परेशान हुए हैं. जबरदस्ती हमें मुसलमान बनाया गया. दुनिया को सताने की वजह से आजम खान जेल गए. अब हम अपने लोगों में आकर बहुत खुश हैं.

अब तक तकरीबन 530 लोगों की हिंदू धर्म में वापसी

इन सब लोगों को धर्म में वापसी कराने वाले यशवीर जी महाराज ने बताया कि आज रामपुर निवासी धोबी समाज से दलित वर्ग के कई परिवारों के 80 सदस्यों कि हिंदू धर्म में घर वापसी कराई गई है. इन सभी लोगों पर समाजवादी सरकार में आजम खान द्वारा अत्याचार किया गया है. इन सभी लोगों को लालच देकर डरा धमकाकर हिंदू से मुसलमान बनवाया गया था और इन सब की आज धर्म अनुसार शुद्धीकरण कराकर घर वापसी कराई गई है. अब तक हम तकरीबन 530 लोगों की हिंदू धर्म में वापसी करवा चुके है.

बिहार में 2024 को लेकर 'भविष्यवाणी' शुरू

आरसीपी सिंह ने बताया नीतीश कुमार को मिलेंगी कितनी सीटें

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। 2024 में लोकसभा का चुनाव होना है. इसको लेकर बिहार की राजनीति गर्म है. बीजेपी अलग दावा कर रही है तो वहीं जेडीयू विपक्षी एकता को मजबूत करने में लगी है. इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर दी है कि 2024 के चुनाव में मुख्यमंत्री को कितनी सीट मिलने वाली है. आरसीपी सिंह रविवार को नालंदा पहुंचे थे. इस दौरान आरसीपी सिंह ने शराबबंदी को लेकर भी जमकर हमला किया.

शराबबंदी की नीति पर हमला

आरसीपी सिंह ने कहा कि शराबबंदी की जो नीति है उसे वापस लेनी होगी. रोज 55 से 60 करोड़ का नुकसान हो रहा है. कहां से पैसा आएगा? नीतीश कुमार जवाब दें, सात साल में एक लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है. नीतीश कुमार शपथ लेकर बताएं जरा कि शराब नहीं बिकती है. बिहार में शराब बिक रही है और लोग अवैध शराब का धंधा भी कर रहे हैं. शराबबंदी लागू करके बिहार की जनता का जो 21 या 22 हजार करोड़ रुपये का भला होता, उससे विकास होता उसका भी वो नुकसान कर रहे हैं. कहा कि आप जिद पकड़े हुए हैं तो आपको बिहार की जनता बता देगी. 2024 में आपको एक सीट नहीं मिलने वाली है.

'नीतीश बाबू को क्या पता कि ताड़ी क्या होता है'

आगे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोग ताड़ी पीते हैं उस पर भी कार्रवाई. हम तो गांव में ही पैदा हुए हैं. ताड़ी का कारोबार हमारे पासी समाज के लोग करते हैं उस पर भी कार्रवाई हो रही है. नीतीश बाबू को क्या पता है कि ताड़ी क्या होता है. उनको बता दिया गया है नीरा. बैसाख ज्येष्ठ के महीने में सुबह, दोपहर और शाम में ताड़ी निकालते हैं. नीतीश कुमार ने कौन सी नीति बना दी है कि हमारे पासी समाज के लोग सुबह में ही तीनों समय का ताड़ी निकाल लेंगे. कुछ जमीन का आइडिया तो उनको है नहीं. पूरे के पूरे बिहार का वो नुकसान करा रहे हैं.

नीतीश कुमार के गांव में भी लोग पी रहे शराब

आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार जरा बताएं, दावा करें कि बिहार में शराबबंदी है और शराब नहीं बिक रही है. हम लोगों ने तो चुनौती दी है कि वो जाएं और अपने गांव कल्याण बीघा में देखें कि वहां भी लोग शराब का सेवन कर रहे हैं. आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को खेलकूद से कोई मतलब नहीं है. उन्हें एक ही खेल आता है राजनीति वाला कि कैसे पलटी मारा जाए.

ओवैसी को यूपी में लगेगा बड़ा झटका, पूर्व सांसद और बाहुबली नेता बीएसपी में होंगे शामिल

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। माफिया घोषित किए गए पूर्व बाहुबली सांसद अतीक अहमद एआईएमआईएम से नाता तोड़ने की तैयारी में हैं. अतीक अहमद और उसका परिवार असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम छोड़ सकता है. ओवैसी की पार्टी को छोड़कर अतीक का परिवार मायावती की बहुजन समाज पार्टी में शामिल होगा. अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों के साथ जल्द ही बीएसपी में शामिल होंगी. अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन बीएसपी के टिकट पर प्रयागराज में मेयर का चुनाव भी लड़ेंगी. शाइस्ता परवीन जिस दिन औपचारिक तौर पर बीएसपी में शामिल होंगी, उसी दिन उन्हें प्रयागराज से मेयर का उम्मीदवार बनाए जाने का एलान भी होगा. शाइस्ता परवीन लखनऊ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच बीएसपी की सदस्यता लेंगी.

अतीक अभी नहीं लेंगे सदस्यता

फिलहाल सिर्फ पत्नी शाइस्ता परवीन और परिवार के कुछ दूसरे सदस्य ही बीएसपी की सदस्यता लेंगे. गुजरात की साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद को अभी बीएसपी की सदस्यता नहीं दी जाएगी. सूत्रों की माने तो बीएसपी के बड़े नेताओं से अतीक के परिवार की बातचीत हो चुकी है, इसका सिर्फ औपचारिक ऐलान बाकी है. अतीक अहमद की पत्नी को मेयर का उम्मीदवार बनाकर मायावती दलित-मुस्लिम गठजोड़ का प्रयोग करेंगी.

अखिलेश यादव का मायावती पर तंज

'मैनपुरी की जीत सपा की नहीं बाबा साहेब की, वह निराश न हों'

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रामपुर की हार को बीजेपी और सपा की अंदरूनी मिलीभगत का परिणाम बताया. इस बयान पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया. अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें मैनपुरी की जीत से निराशा नहीं होनी चाहिए यह समाजवादियों की जीत नहीं है यह बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी और राम मनोहर लोहिया जी के सिद्धांतों की जीत है. नेताजी ने जो सौहार्द की राजनीति की, जो अगड़े-पिछड़े सबको साथ लेकर के चलने की राजनीति की जीत हुई है. अखिलेश यादव ने कहा, बहुजन समाज पार्टी की नेता जो कह रही हैं, मुझे उनके बारे में कुछ नहीं कहना है. हमारा लक्ष्य यह है कि बीजेपी को उत्तर प्रदेश से कैसे हटाया जाए. उत्तर प्रदेश से ही यह दिल्ली का रास्ता इनको मिला था. उत्तर प्रदेश की जनता ही इन्हें रोकेगी. उन्होंने आगे कहा, ₹बसपा सुप्रीमो को इलेक्शन कमीशन के खिलाफ बोलना चाहिए. किस तरीके से वहां के मतदाता खासकर मुसलमान भाई वोट डालने ना जा पाए,

उन्हें कैसे नुकसान पहुंचाया जाए, उनके घर को घेर लिया गया जो महिलाएं थी, उनसे गलत भाषा का इस्तेमाल किया गया, कई पार्टी के नेता निकले तो उनके हाथ-पैर तोड़ दिए गए. कइयों को चोटे आई हैं. पुलिस लगाकर के मुसलमान भाइयों को घर से नहीं निकलने दिया.

शिवपाल यादव को मिली जिम्मेदारी - अखिलेश यादव

बसपा सुप्रीमो ने खतौली विधानसभा सीट पर बीजेपी को मिली हार पर भी संदेह जताया है. इस पर अखिलेश यादव ने कहा, बसपा सुप्रीमो बीजेपी के इशारे पर काम कर रही हैं. आप पिछला चुनाव देख लीजिए, समाजवादी पार्टी कैसे हारी, किस तरीके से टिकट दिए गए और उस पहलू पर मैं नहीं जाना चाहता हूं. शिवपाल सिंह यादव को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर कहा कि चाचा हमारे साथ आए हैं. उनका दल विलय हो गया है उन्हें भी जिम्मेदारी मिलेगी

अवैध दस्तावेजों के साथ बांग्लादेशी नागरिक समेत परिवार के 5 सदस्य गिरफ्तार

कानपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर कमिश्नरेट स्थित मूलगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने फर्जी भारतीय पासपोर्ट, बांग्लादेशी पासपोर्ट, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज रखने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है. अवैध रूप से यहां रहने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक, उसकी पत्नी, दो बच्चों और उसके बुजुर्ग ससुर को रविवार को गिरफ्तार किया. उनके कब्जे से 14 लाख रुपये से अधिक नकद भी बरामद किया . पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार मूलगंज थाना क्षेत्र के पॉश मेस्टन रोड से बांग्लादेशी नागरिक रिजवान मोहम्मद (53), उसकी पत्नी हिना खालिद और उसके पिता खालिद माजिद (79) समेत परिवार के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जब वे यहां घूम रहे थे. पुलिस ने आरोपियों के पास से 13 फर्जी पासपोर्ट, पांच आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र, विदेशी मुद्रा, सोने के गहने और 14 लाख रुपये से अधिक की भारतीय मुद्रा भी जब्त की हैं. पुलिस ने यह भी पाया कि जेल में बंद समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और स्थानीय नगर सेवक मन्नी रहमान ने बांग्लादेशी नागरिक रिजवान मोहम्मद को प्रमाण पत्र जारी किया था, जो मूल रूप से बांग्लादेश के खुलना का रहने वाला है.

पटना में गोलीबारी

6 लोग घायल रास्ता को लेकर हुआ विवाद, दोनों ओर से चले लाठी-डंडे; 5 लोगों से पुलिस कर रही पूछताछ

पटना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना के राजीव नगर थाना क्षेत्र के गांधी नगर में रास्ता को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद में 3 से 4 राउंड गोली भी चली है। दो पक्षों में गोलीबारी के दौरान के साथ साथ जम कर लाठी-डंडे और पत्थरबाजी हुई। इसके कारण दोनों पक्षों के कई लोग हुए जख्मी हो गए। सूचना मिलते ही राजीव नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल से एक पिस्टल भी बरामद किया। पुलिस ने घायलों का प्रारंभिक इलाज के लिए शास्त्री नगर हॉस्पिटल ले गई। वहां से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पूछताछ के लिए 5 लोगों को अपने साथ थाना ले आई है। राजीव नगर के थानेदार नीरज कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की राजीव नगर थाना क्षेत्र के गांधी नगर में रोड को लेकर विवाद हो गया है। किसी के द्वारा बाइक रोड पर लगाने के बाद विवाद हो गया। 3 से 4 राउंड फायरिंग की सूचना मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस को एक हथियार बरामद हुआ है। घायलों को इलाज के लिए शास्त्री नगर थाना ले जाया गया। बाद में गंभीर हालात में एक को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच भेज दिया गया बाकी 5 को पूछताछ के लिए थाना ले आया गया। फिलहाल पूछताछ जारी है। पुलिस इन लोगों से पिस्टल के बारे में पूछताछ कर रही है।

ना भूतो ना भविष्यति

पूरी दुनिया देखेगी काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण उत्सव, कल होगा

वाराणसी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण उत्सव सिर्फ काशी ही नहीं, पूरी दुनिया देखेगी। लोकार्पण उत्सव पर त्रैलोक्य के स्वामी भगवान शंकर की भव्य और अद्भुत बरात निकलेगी। मैदागिन से लेकर गंगा घाट तक कल यानी 13 दिसंबर को होने वाला उत्सव देश ही नहीं, दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। मिनी भारत कहलाने वाली काशी में राजराजेश्वर के धाम के लोकार्पण उत्सव पर होने वाले आयोजनों में सर्वसमाज की भागीदारी होगी। ना भूतो ना भविष्यति की तर्ज पर लोकार्पण उत्सव को भव्य बनाने की तैयारी है। विभिन्न आयोजनों में सर्वसमाज की भागीदारी होगी। प्रदेश सरकार के निर्देश पर मंदिर प्रशासन की ओर से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बाबा विश्वनाथ का धाम वेदमंत्रों से गूंजेगा। कई संत, महात्मा और धर्माचार्य भी इस आयोजन के साक्षी बनेंगे। मंदिर प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम को बीते साल ही मूर्त रूप दे दिया गया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और अधिकारियों की टीम ने दिन रात मेहनत करते हुए धाम को भव्य रूप प्रदान किया। 13 दिसंबर 2021 को पीएम मोदी के हाथों इसका लोकार्पण किया गया था। इसके बाद काशी में धार्मिक पर्यटन को मानो पंख लग गए हैं। कभी मात्र तीन हजार वर्ग फुट क्षेत्रफल में फैला मंदिर परिसर आज लगभग पांच लाख वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में भव्य आकार ले चुका है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण को एक वर्ष पूर्ण होने का उत्सव 13 दिसंबर को काशीवासी मिलकर मनाएंगे। आदिविश्वेश्वर शिव की नगरी में लोकार्पण उत्सव का उल्लास काशीवासियों के सिर चढ़कर बोलेगा। अस्सी से आदिकेशव घाट के बीच बसने वाला सर्वसमाज लोकार्पण उत्सव पर निकलने वाली शिव बरात में बराती होगा।

सनकी युवक ने 5 वर्षीय मासूम को सड़क पर पटक-पटक कर मार डाला

घटना के बाद आरोपी फरार

प्रतापगढ़, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के प्रतापगढ़ से बड़ी खबर है, जहां एक सनकी युवक ने मासूम की पटक-पटक कर निर्मम हत्या कर दी. मामला उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे भगवत गांव का है, जहां सनकी युवक ने सड़क पर समान लेने जा रहे पांच साल के मासूम बालक की पटक-पटक कर हत्या कर दी है. हैवानियत की हदों को पार करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकला. इस दिल दहला देने वाली घटना से इलाके में सनसनी व्याप्त है. वहीं मेडिकल कालेज में डाक्टरों द्वारा मासूम बच्चे को मृत घोषित करते ही उसके माता-पिता बेसुध हो गए. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम क लिए भेज दिया है. मिली जानकारी के अनुसार पूरे भगवत गांव निवासी कमलेश खेत गया था और उसकी पत्नी व बच्चे घर पर थे. इसी बीच जैसे ही पांच वर्षीय मासूम सड़क पर समान लेने के निकला. वैसे ही अपने घर के पास आरोपी अरविंद परिजनों से विवाद कर रहा था. तभी उसने परिजनों का गुस्सा मासूम पर उतारते हुये प्रियांशु के दोनो पैर पकड़ कर हवा में उछालते हुए सड़क पर पटक दिया, जिससे मासूम का सिर फट गया. वहीं घटना के बाद आरोपी अरविंद फरार हो गया. परिजन ग्रामीण की मदद से मासूम को लेकर मेडिकल कालेज पहुंचे जहां डाक्टरों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया. वहीं सूचना मिलते ही सीओ समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची. मामले की जांच पड़ताल कर रहे लालगंज सर्किल के सीओ रामसूरत सोनकर ने बताया कि युवक ने मासूम की पटक-पटक कर हत्या कर दी है. आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहा है. लेकिन, अभी तक परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है.

नवादा में धनबाद से आ रही बस और ट्रेलर में जोरदार टक्कर

15 लोग घायल, 5 की हालत गंभीर

नवादा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में सोमवार की सुबह एक तेज रफ्तार बस और छड़ से लदे ट्रेलर गाड़ी में जोरदार भिड़ंत हो गई. इस दौरान बस में बैठे 15 लोग घायल हो गए जिसमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है. आनन फानन में सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. घटना धनधारी मोड़ के पास की है. तेज रफ्तार बस में छड़ लड़े ट्रेलर गाड़ी में भीषण टक्कर हो गई. बस धनबाद से पकरीबरावां जा रही थी.

बस धनबाद जा रही थी

घायलों में कुछ लोग इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे तो कुछ लोग बेहतर इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल चले गए. बता दें कि अरमान बस धनबाद से पकरीबरावां जा रही थी तभी धनधारी मोड़ के समीप टक्कर हो गई. प्रत्यक्षदर्शी अंशु कुमार ने बताया कि बस काफी तेज रफ्तार में थी और छड़ लदे ट्रक में पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि बस का एक तरफ का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया. उन्होंने बताया कि घटना के बाद सरकारी एंबुलेंस पर कई बार नंबर लगाया गया, लेकिन किसी भी प्रकार का कोई रिस्पांस नहीं मिला. इसके बाद सभी घायल निजी वाहन से प्राइवेट अस्पताल में चले गए तो कुछ लोग सरकारी अस्पताल में भर्ती हुए हैं.

गुजरात में केजरीवाल को लग सकता है झटका

आप के कुछ विधायक ज्वाइन कर सकते हैं बीजेपी?

सूरत, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में आप के 5 प्रत्याशी जीतने पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने खुशी जताई थी. उन्होंने इसे बड़ी कामयाबी बताते हुए भविष्य और भी अच्छा होने का दावा किया था. हालांकि, अब केजरीवाल के लिए अपने 5 विधायकों को सुरक्षित रखने की बड़ी चुनौती है. टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, केजरीवाल की पार्टी के 3 विधायक बीजेपी ज्वाइन कर सकते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि आम आदमी पार्टी के 3 विधायक और इतने ही निर्दलीय विधायक अब बीजेपी में जाने की तैयारी कर रहे हैं. आने वाले दिनों में ये सभी 6 विधायक बीजेपी का दामन थाम सकते हैं. वाघोडिया से निर्दलीय विधायक धर्मेंद्रसिंह वाघेला, बायड़ से निर्दलीय विधायक धवलसिंह जाला और धनेरा सीट से निर्दलीय विधायक मावजीभाई देसाई ने पहले ही बीजेपी का समर्थन करने की बात कही थी. ये तीनों बीजेपी का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय जीते हैं.

आप विधायक ने की पीएम मोदी की तारीफ

विसवादार सीट से आप विधायक भूपत भयाणी ने भी बीजेपी में जाने के संकेत दिए हैं. भयाणी ने कहना है कि अपने समर्थकों से परामर्श करके वह इस विषय पर फैसला लेंगे. आप विधायक ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें देश का बेटा बताया. उन्होंने कहा, मेरे मन में नरेंद्र भाई के लिए बहुत गौरव है. बता दें कि भूपत इससे पहले बीजेपी में थे, चुनाव से ठीक पहले ही उन्होंने आप ज्वाइन की थी.

इटालिया ने इन खबरों का खंडन किया

बोताड सीट से आप विधायक उमेश मकवाना और गरियाधर सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक सुधीर वघानी भी बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. हालांकि, टीओआई से बात करते हुए आप विधायक मकवाना ने इन खबरों का खंडन किया. उन्होंने कहा कि आप के पांच विधायकों में से कोई भी कभी भी बीजेपी में शामिल नहीं होगा. आप के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने भी ऐसी खबर को सिर्फ अफवाह बताया है.

केजरीवाल ने खूब बहाया था पसीना

बता दें कि गुजरात फतह करने के लिए अरविंद केजरीवाल ने पूरी ताकत झोंक दी थी. चुनाव प्रचार में उन्होंने जमकर पसीना बहाया था. उन्होंने कई रोड शो किए थे. चुनाव के एक दिन पहले तक वह दावा कर रहे थे कि गुजरात में उन्हें पूर्ण बहुमत मिल रहा है, हालांकि परिणाम आए तो उन्हें केवल पांच सीटें मिलीं.

11 दोषियों को क्षमा देने का मामला

बिलकिस की याचिका को जल्द सूचीबद्ध करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट गुजरात के बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों को क्षमा देने के संबंध में उसके आदेश की समीक्षा की मांग करने वाली याचिका को सूचीबद्ध करने पर जल्द विचार करेगा। बता दें, पीड़िता बिलकिस बानो ने गुजरात सरकार को दोषियों को क्षमा देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की समीक्षा के लिए याचिका दायर की है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने सोमवार को बिलकिस बानो की वकील शोभा गुप्ता की दलीलों पर गौर किया कि उनके मुवक्किल की समीक्षा याचिका को सूचीबद्ध किया जाना बाकी है। इस पर सीजेआई ने कहा कि वह जल्द ही याचिका को सूचीबद्ध करेंगे और एक तारीख तय करेंगे। वह इसकी जांच करेंगे। नियम के अनुसार, शीर्ष अदालत के आदेश के खिलाफ समीक्षा याचिकाओं को सूचीबद्ध करने का फैसला, उन न्यायाधीशों की देखरेख में किया जाता है जो निर्णय देने वाली पीठ का हिस्सा थे। बता दें, बिलकिस बानो ने समीक्षा याचिका के अलावा, 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने के मामले में राज्य सरकार के 11 दोषियों की सजा में छूट देने के फैसले के खिलाफ भी एक याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के दोषियों की समय से पहले रिहाई ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को 13 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायामूर्ति बेला एम त्रिवेद की पीठ इस पर सुनवाई करेगी।

15 अगस्त को रिहा किए गए 11 दोषी

बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट के 13 मई, 2022 के आदेश की समीक्षा की मांग की है। जिसमें शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार से नौ जुलाई, 1992 की नीति के तहत दोषियों की समय पूर्व रिहाई की याचिका पर दो महीने के भीतर विचार करने को कहा था। इसके बाद राज्य सरकार ने 11 दोषियों को छूट देते हुए 15 अगस्त 2022 को रिहा कर दिया।

'सरकार ने 1.25 लाख करोड़ रुपए की ब्लैक मनी बरामद की'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने और क्या कहा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा है कि करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए की ब्लैक मनी को अब तक सरकार ने बरामद किया है और 4,600 करोड़ रुपए की आय से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की एक टिप्पणी को याद करते हुए (जहां उन्होंने कहा था कि गरीबों के कल्याण के लिए रखा गया एक रुपये का केवल 15 पैसा गरीबों तक पहुंचता है) केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज 100 प्रतिशत राशि डीबीटी (डायरेक्ट बैंक) के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचती है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तत्कालीन पीएम राजीव गांधी ने कहा था कि 85 प्रतिशत योजनाएं यूं ही चली जाती हैं और लोगों तक नहीं पहुंचती हैं, लेकिन आज 26 लाख करोड़ रुपये सीधे लोगों के खाते में स्थानांतरित किए गए हैं और बचत 2.25 लाख करोड़ रुपये के करीब है, तो कल्पना कीजिए कि बहुत सारी बचत हुई है जिसका सीधा लाभ लोगों को मिला है।

पीएम मोदी के सुशासन मॉडल पर क्या बोले अश्विनी वैष्णव?

पीएम मोदी के सुशासन मॉडल के बारे में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम की दृष्टि स्पष्ट है कि देश को शॉर्टकट राजनीति नहीं बल्कि सुशासन की ओर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल ढांचा तैयार किया है कि सुशासन देश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। वैष्णव ने कहा कि सुशासन के कई आयाम हैं। पहला डिजिटल आयाम, 45 करोड़ जन धन खातों से डिजिटल तकनीक का उपयोग शुरू, 135 करोड़ आधार प्राप्त करना, एक बार जब यह संरचना अपने स्थान पर आ जाएगी, तो लोगों के खाते में सीधा लाभ जाना शुरू हो जाएगा।

नहीं थम रहे नाबालिगों से दुराचार के मामले, अब ग्वालियर में 14 साल की मासूम से रेप,गर्भवती होने पर खुलासा

ग्वालियर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से लगातार दुष्कर्म करने मामला सामने आया है। पीड़िता की उम्र करीब 14 साल है और बच्ची दो महीने की गर्भवती है। बच्ची के गर्भवती होने पर ही उसके साथ रेप की वारदात का खुलासा हुआ।बताया जा रहा है कि पेट दर्द की शिकायत के चलते जब परिजनों ने लड़की की जांच कराई तो घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने इस मामले में आरोपी सत्येंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ दुष्कर्म पॉक्सो एक्ट और बंधक बनाने की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। लड़की के अनुसार उसके माता-पिता मजबदूर हैं, जिसके चलते वह उसे देखभाल के लिए पड़ोसी सत्येंद्र गुर्जर के पास छोड़ जाते थे। आरोपी ने इस बात का गलत फायदा उठाके हुए लड़की को धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

2023 की जीत के लिए कांग्रेस का पुरानी पेंशन बहाली के बाद पुलिस को साप्ताहिक अवकाश देने का दांव

भोपाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 में एक साल से भी कम का समय बचा है। इसके साथ ही दोनों राजनीतिक दलों ने वोटरों को साधने दम लगाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस ने किसानों की कर्ज माफी, पुरानी पेंश बहाली के बाद अब पुलिस कर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने का ऐलान किया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर कहा कि शिवराज सरकार द्वारा बंद की गई पुलिस की साप्ताहिक अवकाश योजना को मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही फिर बहाल किया जाएगा। प्रदेश में करीब एक लाख के करीब पुलिस कर्मियों की संख्या है। वहीं, इससे एक दिन पहले कमलनाथ ने शिवराज सरकार द्वारा बंद की गई सरकारी कर्मचारियों की पेंशन को दोबारा शुरू करने का वादा किया है। प्रदेश में पुरानी पेंशन की मांग कर रहे कर्मचारियों की संख्या भी करीब चार लाख के आसपास है। वहीं, तीसरा कमलनाथ ने किसान कर्ज माफी योजना को दोबारा लागू करने की घोषणा की थी। प्रदेश में करीब 12 लाख किसान है। 2018 में किसानों की कर्ज माफी योजना के ऐलान के बाद ही प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनाने के करीब पहुंच पाई थी और सरकार बनाई भी। लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के अपने समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल होने से सरकार गिर गई थी। अब देखना यह होगा कि कमलनाथ की इन घोषणाओं से आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कितना लाभ मिलता है।

नरोत्तम मिश्रा ने कसा तंज

वहीं, कमलनाथ की घोषणाओं पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को तंज कसा था। मिश्रा ने एक बयान जारी कर कहा कि कमलनाथ जी काठ की हांडी एक ही बार चढ़ती है। लगातार झूठ बोलने से लोग भ्रमित नहीं होते है। आपकी रोज-रोज की नई नई घोषणाओं से एक फिल्म का गाना याद आ रहा है कसमे वादे प्यार वफा, आपकी बाते हैं बातों का क्या? गृहमंत्री ने कहा कि 10 दिन में दो लाख तक का कर्जा आप माफ करने वाले थे। ऐसा नहीं करने पर मुख्यमंत्री बदलने वाले आप थे। बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने वाले आप थे। कमलनाथ जी मध्य प्रदेश आपके झूठे वादों को भुला नहीं है। एक भी बेटी को आपने 51 हजार रुपया नहीं दिया। युवाओं से कहा ढोल बजाओ ढोर चराओं। सब जन हितैषी योजनाओं पर ताले डज्ञल दिए। मत भूलिए काठ की हांडी एक ही बार चढ़ती है,

ओडिशा में काले जादू के शक में दंपति को उतारा मौत के घाट

क्योंझर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के क्योंझर जिले से एक झकझोर कर रख देने वाली खबर सामने आई है। यहां अज्ञात बदमाशों ने रविवार को एक व्यक्ति और उसकी पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि जादू टोना और काले जादू करने के संदेह में दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया।

एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

पुलिस के मुताबिक, दोनों के शव रविवार सुबह दैतारी थाना क्षेत्र के रसूल झुमुकीपतिया साही गांव में उनके घर के बाहर खून से लथपथ मिले। क्योंझर के पुलिस अधीक्षक मित्रभानु महापात्र ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि हत्याओं के पीछे जादू-टोना करने का संदेह था। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। आगे की जांच जारी है। मृतक दंपती की बेटी सिंगो ने बताया कि शनिवार की रात उसके पिता बहदा मुर्मू और उसकी पत्नी धानी अपने कमरे के बाहर सो रहे थे और सिंगो एक कमरे के अंदर सो रहा थी। चीख सुनकर वह बाहर आई और देखा कि उसके माता-पिता खून से लथपथ पड़े थे।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया

उसने अपने चाचा किशन मरांडी को फोन किया और घटना की जानकारी दी। मरांडी ने कहा कि मुझे सिंगो से करीब 12.30 बजे फोन आया। मैं अपने बड़े बेटे के साथ मोटरसाइकिल से गांव पहुंचा। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

'हम फेसबुक, ट्विटर पर ये फैसला नहीं लेते कि मुख्यमंत्री कौन होगा'

हरियाणा के सीएम ने ऐसा क्यों कहा

करनाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर ने सोशल मीडिया पर चल रही उन अटकलों को खारिज किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि राज्य के सीएम को बदला जा रहा है। सीएम खट्टर ने कहा, 'रात को सोने से पहले कुछ लोगों को सोशल मीडिया पर सीएम बदलने का शौक होता है, लेकिन बीजेपी का सीएम वही होगा, जो लोगों के लिए काम करेगा।' खट्टर ने कहा कि लोगों की इच्छा को ध्यान में रखते हुए कुछ भी नहीं बदलेगा। बीजेपी एक टीम है और हम फेसबुक, ट्विटर पर ये फैसला नहीं लेते कि सीएम कौन होगा। सीएम खट्टर का ये बयान करनाल में आयोजित राज्य स्तरीय 'भगवान परशुराम महाकुंभ' के दौरान सामने आया।

यहां कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है: खट्टर

खट्टर ने ये भी कहा कि बीजेपी का चाहें सीएम हो या पीएम हो, वह हमेशा जनता के हित के लिए काम करेगा। यही हमारी विचारधारा है। यही हमारी उपलब्धि है और यही हमारे घोषणापत्र का हिस्सा है।सीएम खट्टर ने ये भी कहा कि यहां कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। हम सब एक टीम के रूप में काम करते हैं और एक टीम के रूप में फैसले लेते हैं। हम सोशल मीडिया के जरिए फैसले नहीं लेते। खट्टर ने कहा कि कुछ लोगों को ये सब करने में आनंद आता है इसलिए उन्हें ऐसा करना चाहिए। मैं उनसे यही कहूंगा कि जब वह ये सब करते हुए थक जाएं तो उन्हें मेरे पास आना चाहिए। मैं उन्हें कुछ और काम करने के लिए दूंगा। बता दें कि मनोहर लाल खट्टर पिछले 8 सालों से हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं।

हाथ-पांव बांध किन्नरों की बेरहमी से पिटाई

एरिया को लेकर गुंडागर्दी, रिवॉल्वर भी निकाला, छोड़ने की गुहार नहीं मानी

अंबाला, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में एरिया को लेकर 2 किन्नरों की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इसका वीडियो भी सामने आया है। जो हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल की बताई जा रही है, जिसमें डेरा संचालक (किन्नर) का जीवन साथ अपने गुंडों से किन्नरों के हाथ-पांव बांध डंडे से पिटाई कर रहा है यही नहीं, रिवॉल्वर निकालकर जान से मारने की धमकी देता हुआ दिखाई भी दे रहा है। इस दौरान हमलावर किन्नरों से पूछ रहा है कि गुरुकुल को जानती है। किन्नर बता रही है कि गुरु भाई लगता है। वीडियो में हमलावर पहले किन्नरों के हाथ व पांव बांधते हैं। इस दौरान किन्नर अपने हाथ टूटे हुए होने की बात कहकर छोड़ने की गुहार लगाती है, लेकिन हमलावर डंडे के साथ बेरहमी से पिटाई करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरी वीडियो में एक अन्य किन्नर भी डंडे से पिटाई करती हुई दिखाई दे रही है। मार खा रही किन्नर बार-बार छोड़ने की मिन्नतें कर रही थी। बोल रही थी कि लाला कदे भी ना आवां, लेकिन हमलावर को थोड़ी सी भी दया नहीं आई और किन्नर की बेरहमी से पिटाई करता रहा। अंबाला सिटी की किन्नर लतिका रंधावा ने कहा कि उनके समाज में ऐसे ही किन्नरों के ऊपर जुल्म किए जा रहे हैं। कोई आवाज नहीं उठाते। पुलिस प्रशासन कोई सुनवाई नहीं करता।

मध्यप्रदेश में गुजरात मॉडल लागू करने की उठी मांग

शिवराज कैबिनेट के मंत्रियों की बढ़ी धड़कनें

भोपाल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात चुनाव मॉडल से मिली ग्रांड सक्सेस से बीजेपी नेता खुश हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में शिवराज कैबिनेट के मंत्रियों की धड़कनें बढ़ गई है। दरअसल, गुजरात में चुनाव से ठीक पहले एंटी इंकम्बेंसी के फेक्टर को खत्म करने के मुख्यमंत्री समेत कैबिनेट ही बदल दी गई थी। कई वरिष्ठों के टिकट काटकर नए चेहरों को उम्मीदवार बनाया गया था। इसे गुजरात में बीजेपी को ऐतिहासिक जीत मिलने का आधार बताया जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी चुनाव से पहले कैबिनेट में बदलाव को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। इसमें कई नॉन-परफार्मेंस वाले मंत्रियों को हटाने और कई के विभाग बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसमें सिंधिया गुट के मंत्रियों को हटाने की भी चर्चा है।

बीजेपी नेता मध्यप्रदेश में भी गुजरात जैसी जीत दोहराने की बात कह रहे हैं। गुजरात में चुनाव से पहले सत्ता और संगठन दोनों में ही बड़े फेरबदल किए गए। इसके बाद 182 में से बीजेपी 156 सीट की ऐतिहासिक जीत हासिल की। इसका कारण गुजरात चुनाव मॉडल को बताया जा रहा है। अब इस मॉडल को मध्यप्रदेश में लागू करने को लेकर चर्चा जोर पकड़ती जा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने हरदा में गुजरात मॉडल को पूरे देश में लागू करने की बात कही। इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए बीजेपी के मैहर से विधायक नारायण त्रिपाठी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को चिट्ठी लिख दी है। त्रिपाठी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को मध्यप्रदेश में गुजरात मॉडल लागू करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सत्ता और संगठन दोनों में ही आमूलचूल परिवर्तन किया जाना चाहिए। बीजेपी के अंदर से ही बदलाव की उठती मांग ने कई मंत्रियों और विधायकों की नींद उड़ा दी है। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में एक साल से भी कम का समय बचा है। बीजेपी 2018 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से दूर हो गई थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया के अपने समर्थक विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल होने से कांग्रेस की सरकर गिर गई। फिर बीजेपी ने सरकार बना ली। अब पार्टी पिछली कोई गलती दोहराना नहीं चाहती है।

शिवराज कैबिनेट में अभी चार मंत्री पद खाली है। पार्टी चुनाव से पहले कैबिनेट में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को साधना चाहती है। नॉन परफार्मर मंत्रियों को हटा सकती है। इससे एंटी-इंकम्बेंसी फेक्टर को भी कम करने का प्रयास किया जा सकता है। बीजेपी इनकी जगह दो से तीन बार के विधायकों को मौका दे सकती है। इस मामले में जानकारों का कहना है कि पिछली बार 2018 में भी चुनाव से पहले कैबिनेट में बदलाव किया गया था। कई मंत्रियों को हटाया गया था। अभी कई क्षेत्रों से कैबिनेट में प्रतिनिधित्व ही नहीं मिला है। आने वाले चुनाव में जातिगत समीकरण को ध्यान में रखकर भी कैबिनेट में बदलाव हो सकता है।

नार्को टेस्ट को लेकर हत्याकांड के आरोपियों ने मांगा 10 दिन का समय

कोटद्वार, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अंकिता हत्याकांड को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। नार्को टेस्ट को लेकर हत्याकांड के आरोपियों ने दस दिन का समय मांगा है। मामले में आज नोटिस जारी होने थे। आरोपियों ने पौड़ी जेल अधीक्षक के जरिए जेएम कोर्ट कोटद्वार से समय मांगा। अंकिता हत्याकांड के आरोपी पुलकित, अंकित, सौरभ के नार्को टेस्ट कों लेकर आज नोटिस जारी होने थे, लेकिन इससे पहले ही आरोपियों ने दस दिन का समय मांग लिया। अंकिता के हत्यारोपियों का नार्को टेस्ट कराने के लिए एसआईटी ने शुक्रवार को न्यायालय में अर्जी दे दी थी। न्यायालय इस पर आज सोमवार को सुनवाई करने वाला था। अंकिता हत्याकांड में शुरुआत से ही वीआईपी के नाम के खुलासे की मांग की जा रही है। पुलिस पर आरोप भी लगे हैं कि जानबूझकर वीआईपी का नाम उजागर नहीं किया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भी इस बात को उठा चुके हैं। ऐसे में परिजनों ने कुछ दिन पहले आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने की मांग की थी। इस पर एसआईटी भी विचार करने लगी थी। पिछले दिनों एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी मुरुगेशन ने भी कहा था कि एसआईटी ने वीआईपी का नाम जानने के लिए नार्को टेस्ट का फैसला किया है। एडीजी मुरुगेशन ने बताया कि नार्को टेस्ट के लिए शुक्रवार को न्यायालय में अर्जी दे दी गई है। न्यायालय को इस अर्जी पर दोनों पक्षों को सोमवार को सुनना था। इसके बाद ही नार्को टेस्ट कराने या न कराने पर फैसला किया जा सकता था। पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली थी। नार्को टेस्ट की मांग के लिए उनके पास पूरे आधार हैं। बहुत से ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब पुलिस को आरोपियों से चाहिए।

श्रद्धा के साथ आफताब की दरिंदगी पर मुंबई के डॉक्टरों का सनसनीखेज खुलासा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई की श्रद्धा वालकर हत्याकांड में एक और खुलासा हुआ है। आफताब अमीन पूनावाला (28) श्रद्धा के साथ इतनी मारपीट करता था कि उसके मन में बहुत ज्यादा खौफ पैदा हो गया था। मारपीट के दौरान जब श्रद्धा को चोट लगती थी तो वह गिरने के कारण चोट लगने की बात कहती थी। श्रद्धा ने मुंबई के तीन अस्पतालों में इलाज कराया था, लेकिन कभी भी डॉक्टर को मारपीट की बात नहीं बताई। यही कारण था कि इलाज के दौरान किसी भी अस्पताल ने श्रद्धा की एमएलसी नहीं बनवाई। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि एक टीम मुंबई भेजी गई थी। यहां जांच में पता लगा कि आफताब ने श्रद्धा के साथ वर्ष 2020 व 2021 में मारपीट की थी। इस दौरान उसके मुंह व शरीर पर कई जगह चोट लगी थीं। श्रद्धा ने उस समय मुंबई के तीन अस्पताल में इलाज कराया था। श्रद्धा ने अस्पताल में यही बताया था कि उसे गिरने से चोट लगी है। दिल्ली पुलिस ने इन तीन अस्पतालों के दो डॉक्टरों के बयान दर्ज किए हैं। डॉक्टरों ने जानकारी दी है कि श्रद्धा ने कभी मारपीट की बात नहीं कही, इस कारण उसकी एमएलसी नहीं बनवाई गई। दिल्ली पुलिस ने मुंबई में श्रद्धा के दोस्त लक्ष्मण नाडर व श्रद्धा के बॉस रहे करण बहरी के बयान भी दर्ज किए हैं। इन लोगों ने बताया है कि श्रद्धा ने कभी मारपीट की बात उन्हें नहीं बताई। एक बार श्रद्धा ने जब पुलिस में शिकायत की तो उन्हें पता लगा कि आफताब ने श्रद्धा को पीटा है। दिल्ली पुलिस ने मुंबई में कुल 16 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। आफताब के छतरपुर स्थित किराये के घर से पांच चाकू मिले थे। पुलिस ने जब आरोपी से इनके बारे में पूछा था तो उसने बताया था कि वह मुंबई के ताज होटल में शेफ था। इस कारण उसे चाकू रखने का शौक था। पुलिस को संदेह है कि उसने श्रद्धा के शव को काटने के लिए इन चाकू का इस्तेमाल किया होगा। ऐसे में पुलिस ने पांचों चाकू फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। वहीं, पुलिस को अब सिर व धड़ मिलने की उम्मीद कम है। ऐसे में पुलिस ने इन्हें ढूंढना बंद कर दिया है। पुलिस को अभी तक वारदात में इस्तेमाल आरी व ब्लेड भी नहीं मिले हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 13 दिसंबर, 2022

3 नतीजे 3 मिजाज कैसा होगा 2023 का रिवाज ?

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल गुजरात, हिमाचल और दिल्ली नगर निगम के चुनाव यानी तीनों अपने आप में बेहद अहम भी रहे और अलग भी। दलीय राजनीति से इतर इन चुनावों ने दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता को फिर दर्शाया। मतदाताओं की मनःस्थिति को समझने वालों को ये जरूर अलग लगेंगे और लगने भी चाहिए। लेकिन इन चुनावों से निकले संदेश को बिना किसी पूर्वाग्रह या लागलपेट के सभी राजनीतिक दलों को समझना भी होगा। निश्चित रूप से भाजपा ने गुजरात में बहुत ही अच्छा किया है जिसे स्वीकारना होगा लेकिन हिमाचल की हार और दिल्ली में पिछड़ने के मंथन से जो कहानी निकलेगी उससे सीख भी लेनी पड़ेगी। गुजरात चुनावों में शुरू से ही भाजपा की धमक दिखाई दे रही थी। मोरबी दुर्घटना के बाद कुछ सवाल जरूर उठे थे जो कयास ही साबित हुए। नतीजों ने बता दिया कि गुजरात में नरेन्द्र मोदी का कोई सानी नहीं है। हो भी नहीं सकता और फिलहाल होना दूर-दूर तक दिख भी नहीं रहा। जो लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे, दूसरा स्वयं गुजरात से हैं और तीसरा उनका लोगों से जुड़ाव का तौर-तरीका देश और दुनिया में अलग और मशहूर हैं। ऐसे में भला गुजरात कैसे अपने लाडले की गुहार को नहीं सुनता? हुआ भी यही। 182 में से 156 सीटें जीतना वह भी सातवीं बार लगातार अपने आप में बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। निश्चित रूप से यह भावनात्मक अपील और मोदी के खिलाफ खरगे के बोल का भी कुछ असर रहा होगा। बहरहाल यह तो सामने है कि लोगों पर मोदी जादू चला जिसने 2002 के उन्हीं के भाजपा की 127 सीट और 1985 में कॉंग्रेस के 149 सीट जीतने के रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। गुजरात के बाहर बैठे राजनीतिक पण्डितों को लग रहा था कि 27 सालों से लगातार भाजपा के सत्ता में बरकरार रहने से सत्ता विरोधी लहर या अण्डर करंट तो होगा जो दूर-दूर तक दिखा नहीं। उल्टा कॉंग्रेस 2017 में 77 सीटों के मुकाबले इस बार केवल 17 पर सिमटी और 60 सीटों का नुकसान उठा बैठी या यूँ कहें कि भाजपा ने 99 के मुकाबले 156 यानी 57 सीटें पर ज्यादा बढ़त हासिल कर सारी आशंकाओं को निर्मूल साबित कर दिया। हाँ वोट प्रतिशत के लिहाज से इस बार भाजपा को 52.2 प्रतिशत वोट मिले जबकि 2017 में 49.05 प्रतिशत हासिल हुए थे। वहीं कॉंग्रेस 27.25 प्रतिशत वोट के साथ बेशक दूसरे नंबर पर रही जो 2017 में 41.44 प्रतिशत था। यह सही है कि इस बार आम आदमी पार्टी ने गुजरात का मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया था जो खेल बिगाड़ने के लिए काफी रहा। आप को मिले 12.92 प्रतिशत वोट मायने रखते हैं। हालांकि आप ने जीत तो 5 सीटों पर हासिल की है लेकिन 35 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहकर कॉंग्रेस को पछाड़ दिया। वहीं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुसलमीन पार्टी (एआईएमआईएम) यानी ओवैसी की पार्टी को 0.29 प्रतिशत वोट मिले जो नोटा के 1.58 प्रतिशत से भी कम थे। ओवैसी वो नहीं कर सके जो मकसद था। 1 सीट समाजवादी पार्टी द्वारा जीतना भी थोड़ा अलग सा है जबकि 3 निर्दलीय भी जीते। गुजरात में 10 से ज्यादा सीटों पर मुस्लिम जनसंख्या 20 से 30 प्रतिशत है लेकिन इनमें से 9 पर भाजपा विजयी रही जबकि एक सीट पर ही इमरान खेड़ावाला जमालपुर खाड़िया जीत सके जो कांग्रेस से हैं। निश्चित रूप से यह एक अलग विश्लेषण का विषय बनेगा। चुनाव आयोग द्वारा जारी वोटों का प्रतिशत देखने से ही बहुत कुछ समझ आ जाता है। भाजपा 52.2 प्रतिशत, कॉंग्रेस 27.25 प्रतिशत, आप 12.92 प्रतिशत, बीएसपी 0.50 प्रतिशत, एआईएमआईएम 0.29 प्रतिशत, सपा 0.29 प्रतिशत, एनसीपी 0.24 प्रतिशत, सीपीआईएम 0.03 प्रतिशत, सीपीआई 0.01 प्रतिशत, सीपीआई(एमएल) (एल) 0.01 प्रतिशत, जद (यू) व एलजेपीआईवी 0.00 प्रतिशत जबकि नोटा 1.57 प्रतिशत और अन्य को 4.34 प्रतिशत वोट हासिल हुए। गुजरात की नई विधानभा के करीब 21 प्रतिशत यानी 38 विधायकों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। 2017 में ये प्रतिशत 26 था तब 47 विधायक दागी थे। इसमें कमीं आना अच्छी बात है। हिमाचल की 68 सीटों के नतीजों भी अपनी अलग ही कहानी कहते हैं। कॉंग्रेस 40 सीट, भाजपा 25 तो निर्दलीय 3 सीट पर विजयी रहे। कॉंग्रेस को 43.90 प्रतिशत, भाजपा को 43.00 प्रतिशत, आप को 1.10 प्रतिशत, सीपीआई(एम) को 0.66 प्रतिशत, बसपा को 0.35 प्रतिशत, सीपीआई को 0.01 प्रतिशत, नोटा को 0.59 प्रतिशत तथा अन्य को 10.39 प्रतिशत वोट मिले। हिमाचल में भले ही रिवाज और राज की बात की जा रही हो लेकिन यहां भी टक्कर जबरदस्त काँटे की थी। 8 सीटों पर तो हार-जीत का अंतर एक हजार से कम वोटों का रहा। इसमें भी 5 सीटों पर कांग्रेस जीती वहीं 3 सीटों पर भाजपा विजयी रही। दिलचस्प मुकाबला भोरंज सीट का रहा जहाँ केवल 60 वोटों के अंतर से कांग्रेस जीती लगभग ऐसी ही जीत श्री नैना देवीजी सीट पर भी हुई जहाँ भाजपा महज 171 वोटों से जीती। अब हैरान कर देने वाली बात यह है कि इतने कम अंतर को भी भाजपा यहां क्यों नहीं समझ पाई जबकि हिमाचल में प्रधानमंत्री की 4 बड़ी रैलियां, अमित शाह की 11 और योगी आदित्यनाथ ने 16 रैलियां की थीं। जेपी नड्डा का गृह राज्य था जहाँ उन्होंने 20 सभाएं की। मुख्यमंत्री के रूप में जयराम ठाकुर ने 34 सभाएं की थीं। आप ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना कर सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे लेकिन जीता एक भी नहीं उल्टा सबकी जमानत जब्त हो गई। वहीं कांग्रेस ने सिवाय प्रियंका गांधी की 5 रैलियों के और किसी स्टार प्रचारक को नहीं उतारा फिर भी बेहतर प्रदर्शन किया। इससे लगता है कि हिमाचल अपने रिवाज से नहीं डिगा। ऐसा लगता है कि रिवाज और राज के बीच के मिजाज को भी आगे समझने की कोशिश जरूरी है। हिमाचल का रिवाज काम देखने में देर नहीं करता। हिमाचल के 41 नवनिर्वाचित विधायक आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं जबकि 2017 में ऐसे विधायकों की संख्या 32 थी इस प्रकार आपराधिक मामलों में लिप्त विधायकों की संख्या का प्रतिशत 12 से बढ़कर 18 हो गई है। इसी तरह दिल्ली नगर निगम के चुनावों ने भी नई इबारत लिखी दी।

तमाम दावों और वादों के बावजूद केवल आप का ही जादू चला। दिल्ली नगर निगम के चुनाव भी देश की राजनीति में अहम हैं। इस बार 15 सालों से काबिज भाजपा को हरा आम आदमी पार्टी का जीतना बेहद अलग है। 250 सीटों में आप को 134 सीट और भाजपा ने 104 सीट मिलीं जबकि कांग्रेस को 9 सीटों से संतोष करना पड़ा और निर्दलीयों ने 3 सीटें जीतीं। रोचक यह रहा कि आप और भाजपा के बीच 3 प्रतिशत से भी कम वोटों का अंतर रहा। आप को 42.05 प्रतिशत तो भाजपा 39.09 प्रतिशत मत मिले जबकि कांग्रेस को 11.68 प्रतिशत। ऐसा लगता है कि दिल्ली में केजरीवाल की बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, मुफ्त बिजली-पानी, महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा, झुग्गी बस्तियों व अनाधिकृत कालोनियों की सुध का भरोसा और इन सबसे ऊपर दिल्ली का कूड़ा बड़ा मुद्दा था।

दिल्ली का प्रदूषण भी कहीं न कहीं असर कर गया। अब केजरीवाल का मकसद दिल्ली और यमुना की सफाई तो कूड़े के पहाड़ों के निपटारे के अलावा नगर निगम को भृष्टाचार मुक्त करने, टैंकर माफियाओं से निपटने की चुनौती तथा केवल 10 वर्षों में ही राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर देश भर में पार्टी का विस्तार होगा। यदि इन तीनों चुनाव नतीजों पर नजर डालें तो दिखता है कि तीनों अलग-अलग हैं और अपने-अपने स्थानीय मुद्दों और राज्य के नेताओं के विश्वास पर ज्यादा केन्द्रित रहे। 2023 में फिर 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। निश्चित रूप से गुजरात, हिमाचल और दिल्ली के नतीजों के बारीक विश्लेषण इन राज्य सरकारों के लिए जहां सतर्क होने का की घण्टी है वहीं मजबूत विकल्प का सपना देख रहे नए दलों की चुनौती भी होगी। निश्चित रूप से 2023 में मध्य प्रदेश, कर्नाटक त्रिपुरा जहां भाजपा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कॉंग्रेस, तेलंगाना तेलंगाना में राष्ट्र समिति यानी टीआरएस, मेघालय में मेघालय डेमोक्रेटिक एलायंस यानी एमडीए, नागालैंड में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन यानी यूडीए और मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकारें हैं। जहाँ दलों को स्पष्ट बहुमत है वहां चुनौती भी बड़ी है लेकिन जहाँ गठबंधन की सरकारें हैं वहाँ और भी बड़ी चुनौती होगी।

हिमाचल में चुनौतियां

हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पद को लेकर मचा घमासान हाईकमान के फैसले के बाद आखिरकार सुखविंदर सिंह सुक्खू को आसानी से मिल गया, लेकिन इस पद की उम्मीद पाले दिवंगत सीएम वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह की तिलमिलाहट बता रही है कि सुक्खू की असली परीक्षा तो आगे होने वाली है। चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद जिस तरह से मुख्यमंत्री पद के लिए लगभग आधा दर्जन विधायकों ने जोर आजमाइश शुरू की थी, उससे लगने लगा था कि कांग्रेस दरार के कगार पर पहुंच चुकी है। प्रतिभा सिंह के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर नारेबाजी कर रहे थे। धमकियां भी दी जाने लगी थीं कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, तो उनके समर्थक विधायक पार्टी छोड़ने का फैसला कर सकते हैं। लेकिन प्रतिभा सिंह को लेकर कई तकनीकी, व्यावहारिक और रणनीतिक दिक्कतें थीं। पहली बात तो वे विधायक नहीं हैं, मंडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का मतलब था कि एक संसदीय सीट और एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने पड़ते। सरकार चलाने के लिए केवल विरासत पर ही काम नहीं किया जा सकता, उसके लिए नेतृत्व का गुण और सबको साथ लेकर चलने का कौशल भी होना चाहिए। दूसरी दावेदारी वहां के वरिष्ठ नेता मुकेश अग्निहोत्री की भी चल रही थी। मगर पार्टी आलाकमान ने जिस चतुराई और सलीके से इस पेचीदगी को सुलझाया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है उससे लगभग सभी गुट संतुष्ट दिखाई देने लगे हैं। देखा जाए तो स्वस्थ लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की दावेदारी अच्छी बात है। लेकिन आजकल जिस तरह भारतीय राजनीति का मिजाज बदल गया है, वह भी किसी से छिपा नहीं है। राजनेताओं की जरूरत से ज्यादा जोर आजमाइश को अनुशासनहीनता मान लिया जाता है। जाहिर है ऐसे हालात का फायदा प्रतिद्वंद्वी पार्टियां नहीं उठाएंगी तो कौन उठाएगा। इसलिए हिमाचल में मुख्यमंत्री पद को लेकर चले संघर्ष से स्वाभाविक ही पार्टी में टूट और बिखराव की आशंकाएं बन गई हैं। हिमाचल में लोकतंत्र के लिए एक अच्छी मिसाल यह भी देखी गई कि विधायकों ने खुद बाहर जाकर बाडाबंदी नहीं की, बल्कि वहीं रह कर मामले को निपटाने पर जोर देकर केंद्रीय नेतृत्व पर भरोसा जताया। शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं ने साथ मिल कर हिमाचल की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प दोहराया। खबरों के अनुसार नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री में राजनीतिक तालमेल का अभाव और वर्चस्व की लड़ाई कभी देखी नहीं गई, जिसके आधार पर भविष्य में किसी तरह की आशंका जताई जा सके। उपमुख्यमंत्री पद वीरभद्र सिंह के करीबी रहे मुकेश अग्निहोत्री को देकर एक तरह से प्रतिभा सिंह गुट को भी संतुष्ट किया गया है। फिर भी कहने में कोई गुरेज नहीं कि राजनीति में चुनौतियां कभी खत्म नहीं होतीं। हिमाचल की नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी उन वादों को पूरा करना, जो चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने किए हैं। पुरानी पेंशन योजना लागू करना, फल उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, उनकी उपज की वाजिब कीमत दिलाना और नई नौकरियां देना बड़ी चुनौती हैं। जिन राज्यों का मिजाज बारी-बारी से सरकार बदलने का होता है, वहां सरकारों के सामने बेहतर प्रदर्शन की चुनौतियां हमेशा बनी रहती हैं। ऐसे में चुनाव से पहले कांग्रेस ने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा नहीं किया गया, तो विरोध के स्वर फूटते देर नहीं लगेगी। पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा पूरा करने के लिए सबसे पहले सरकार को आवश्यक धन की व्यवस्था करनी होगी। फिर नए रोजगार का सृजन भी बड़ी चुनौती है। इसके लिए निवेश को बढ़ावा देना होगा, जो पहाडी इलाका होने की वजह से आसान नहीं है। हालांकि सुखविंदर सिंह सुक्खू अनुभवी और संतुलित नेता हैं, फिर भी उनकी असली कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती तो हमेशा बनी ही रहेगी।

मौनम शरणम गच्छामि

रेखा शाह आरबी

ईश्वर ने मनुष्य को जिह्वा दिया है खा ने - पी ने भोजन का रसानंद लेने के लिए और अच्छा-अच्छा बोलने के लिए, बोलना एक कला है बहुत ही उम्दा कला है,अगर यह कला आपके भीतर है तो आप भले ही दुष्ट रहिए पर यदि आप ऊपर से मीठा बोलते हैं तो दुनिया आपको भला मानेगी.. कहा जाता है मीठा बोलने वाला नींम बेच लेता है और कड़वा बोलने वाला शहद भी नहीं बेच पाता है यह मात्र उदाहरण नहीं यह सच्चाई है लेकिन यदि आपके अंदर यह गुण नहीं है तो.. चुप रहिए चुप रहना भी एक कला है बहुत से श्रम साध्य कार्य जितना कठिन तो नहीं लेकिन फिर भी कठिन है उनके लिए जो लगातार वाचन करते रहते हैं जिनके जुबान अनवरत नर्तन करते रहते हैं कुछ लोगों को चुप रहना आता ही नहीं है उनको चुप करवाना हिमालय चढ़ने जितना कठिन होता है लेकिन वह फिर भी चुप नहीं होते हैं। हमारे पूर्वज ऋषि मुनि ज्ञानी महात्माओं ने मौन के अनगिनत लाखों फायदे बताए हैं एवं महातम बताया है दुनिया के सभी ज्ञान एकांत और मौन के मिश्रण से ही प्राप्त हुए हैं मौन रहने से अनेक फायदे हैं आपका दिमाग तेज काम करने लगता है कुछ दिन मन को शांति मिलती है और मनुष्य को इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में शांति की सबसे ज्यादा जरूरत है साथ ही तनाव दूर होता है जो शोर की वजह से हम सब महसूस करते हैं हमारी आंतरिक उर्जा भी बढ़ जाएगी जो कि हर मनुष्य की आजकल लगभग नगण्य है कुछ भी अनाप-शनाप गलत बोलने से बच जाएंगे फिर भी कुछ लोग चुप रहना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं कोई भी अवसर हो अपना मुंह खोल ही देते हैं और कुछ भी अनर्गल बोल देते हैं। जिन लोगों को चुप रहने का फायदा नहीं पता है उन लोगों को विशेष रूप से बताना चाहेंगे कभी किसी नेता को देखा है जब उसकी पार्टी या उसके मंत्री कोई कांड कर देते हैं और फंसते हैं तो उस पर बोलते हुए वह नहीं बोलता है उस समय वह हर तरफ से असहाय होने पर मौनम शरणम गच्छामि हो जाता है या अचानक से हमारे एक पूर्व प्रधानमंत्री का रूप धारण कर लेता है और पत्रकारों के भाले जैसे माइक के सामने निर्वस्त्र होने से बच जाता है इस तरह अपनी लाज बचाता है जबकि इन की सारी दुकानदारी ही बोलने के ऊपर टिकी हुई है जब यह देश के बड़े-बड़े बुद्धिजीवी प्राणी चुप होकर आपदा और विपदा से निकल सकते हैं तो आप और हम इसका क्यों नहीं फायदा ले रहे हैं। सबसे ज्यादा जनता को बोलने की बीमारी होती है अरे जनाब चुप रहना सीखिए क्या हर समय महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार के लिए चिल्लाते रहते हैं. शासन और सत्ता की परेशानी बढाते रहते हैं जनता को समझ जाना चाहिए जहां पर बोलने की इज्जत नहीं हो वहां पर नहीं बोलना चाहिए और जब अगला कानों में रेडी का तेल डालकर बैठा हो तो बोलने का फायदा ही क्या है उसको सुनाई तो कुछ देना नहीं है जनता को समझ जाना चाहिए यह दुनिया मतलब की है मतलब आएगा अगला आपका सुनेगा भी और आपका सम्मान भी करेगा.. लेकिन जब तक उसका समय है तब तक तो आपको सुनना है वह भी चुप रह कर.. तो चुप रहिए प्रसन्न रहिए.. यदि आपने बबूल लगाया है तो आम की उम्मीद क्यों कर रहे हैं चुप रहकर उसे खाना सीखिए।

कैसे थमेगा लड़कियों के साथ दरिंदगी का सिलसिला !

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में लगातार महिलाओं खासकर नाबालिक लड़कियों के खिलाफ संगीन अपराध के मामलों में भारी वृद्धि हो रही है। आए दिन दरिंदगी के मामले यूपी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सरकार अपराधियों पर नियंत्रण का कितना भी दावा करें लेकिन आए दिन प्रदेश में दरिंदगी की वारदातों में लगातार इजाफा हो रहा है उत्तर प्रदेश की योगी टू सरकार आने के बाद पुलिस प्रशासन पर सरकार की पकड़ कमजोर होती जा रही है पुलिस प्रशासन मैं अब वह सख्ती और तत्परता नहीं दिखाई पड़ रही है जो योगी वन सरकार आने के बाद प्रदेश में देखने को मिली थी योगी टू सरकार आने के बाद पुलिस अपने पुराने ढर्रे पर लौट आई है वही प्रशासनिक अधिकारी भी आम जनता की समस्याओं को शिद्दत के साथ सुलझाने में उपेक्षा कर रहे हैं आए दिन ताश की गड्डी की तरह फेंट कर योगी बाबा अधिकारियों के तबादले कर रहे हैं लेकिन इसके बावजूद कानून व्यवस्था में सुधार की पहल नहीं हो पा रही है पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आए दिन सरकार पर जवाबदेही बढ़ती जा रही है हाल ही में कानपुर की दिल दहलाने वाली घटना ने पुलिस द्वारा आम जनता के साथ दुर्व्यवहार को जग जाहिर कर दिया है ज्ञात हो कि कानपुर में पुलिस की गुंडागर्दी से एक सब्जी बेचने वाले के दोनों पैर कट गए। जानकारी के मुताबिक, पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल ने उसे पीटा और उसका तराजू पटरियों पर फेंक दिया। जब वह तराजू उठाने गया, तो ट्रेन की चपेट में आ गया और उसके पैर कट गए।यह वीभत्स घटना आम आदमियों पर पुलिस द्वारा किए जा रहे दुर्व्यवहार की को बयान करती है। उधर लगातार महिलाओं में नाबालिग बच्चियों के साथ दुराचार की घटनाएं सामने आ रहे हैं भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा को भी कलंकित करने में कसर नहीं छोड़ी है मथुरा के महावन इलाके में शुक्रवार की रात को नाबालिग 14 वर्षीय किशोरी का शव उसी के खेत में मिला था। जिसके बाद परिजनों ने उस की दुराचार के बाद हत्या करने का आरोप लगाया। इस मामले में पुलिस ने हाथरस के सासनी इलाके के गांव नगला सिंह निवासी योगेंद्र और महावन थाना क्षेत्र के गांव रामनगर के रहने वाले देशराज को गिरफ्तार कर लिया।नाबालिग की गैंगरेप के बाद हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी योगेंद्र और देशराज के खिलाफ धारा 376 डी, 302 और 3/4 पॉक्सो एक्ट में मुकद्दमा दर्ज कर कार्रवाई की। मथुरा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। 14 वर्षीय नाबालिग का पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया। जिसके बाद पुलिस ने परिजनों को बॉडी सौंप दी। परिजन पीड़िता का शव लेकर गांव पहुंचे तो घर पर कोहराम मच गया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। गमगीन माहौल में पुलिस की मौजूदगी में परिजनों ने पीड़िता का अंतिम संस्कार किया।शुक्रवार की देर शाम पीड़िता घर से करीब 50 मीटर दूर अपने ही खेतों में शौच के लिए गई थी। इसी दौरान उसके पड़ोस में रहने वाले सचिन उसके मामा योगेंद्र और देशराज ने उसे दबोच लिया। तीनों ने किशोरी के साथ दुराचार किया और उसके बाद पहचाने जाने के डर से उस की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपियों ने हत्या के लिए पीड़िता का दुपट्टा ही प्रयोग किया। कौशांबी जिले में एक 10 साल की बच्ची से दो युवकों ने रेप किया। बच्ची शादी समारोह से लौट रही थी। गांव का ही एक युवक उसे रास्ते में मिला और उससे गुटका मंगवाया। जब बच्ची गुटका लेकर पहुंची तो दो युवकों ने उसे दबोच लिया और दुष्कर्म किया। चीख पुकार सुनकर जब मां घटना स्थल पर पहुंची तो दोनों युवक उसे तमंचा दिखाते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। शिकायत को पहुंचे पीड़ित परिवार को चौकी इंचार्ज ने धमका कर छेड़खानी की तहरीर लिखवा कर केस दर्ज करवाया। एएसपी समर बहादुर के मुताबिक मामले की जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी सैनी थाना क्षेत्र के गांव में शादी समारोह शनिवार की रात को था। गांव का पीड़ित परिवार शादी समारोह में शामिल होकर वापस आ रहा था। रात करीब दस बने 10 वर्षीय बालिका अपने माँ से आगे आगे घर भाग कर आने लगी। रास्ते में उसे गांव का मुन्ना नाम का युवक मिला। जिसने पीड़ित से गुटका मगवा कर मुकेश को पेड़ के पास देने को कहा। पीड़ित बालिका ने जैसे ही मुकेश के पास गुटका लेकर पहुंची। उसे आरोपी ने पकड़ लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। चीख पुकार सुन पीड़ित की माँ घटना स्थल पहुंची। जिसे देर आरोपी मुकेश ने तमंचा दिखा कर गोली मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ित परिवार रविवार की सुबह बेटी को लेकर चौकी पुलिस के पास पहुंचे। आरोप है कि चौकी इंचार्ज ने पीड़ित की बाद सुनकर बिना मेडिकल कराए ही घटना की तहरीर छेड़खानी की लिखकर लाने को कहा। मना करने पर उनके साथ गाली-गलौच किया गया। रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए उनसे इंचार्ज ने छेड़खानी लिखवा कर दस्तखत करा लिया।एएसपी समर बहादुर ने बताया, वारदात की सूचना पर सैनी पुलिस ने तहरीर के अनुसार छेड़खानी और रेप की कोशिस की धाराओं में केस दर्ज किया है। परिवार के आरोप के बाबत मामले की जांच सीओ सिराथू को दी गई है। रिपोर्ट आने पर कार्यवाही की जाएगी। मेरठ में क्लास 2 की छात्रा को टीचर ने किडनैप कर रेप किया था। गंगानगर में रहने वाले प्रापर्टी डीलर ने छात्रा को कार में बैठाया। उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर डिवाइडर किनारे छोड़कर भाग गया। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपी तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मेरठ के गंगानगर के एक अस्पताल में महिला कर्मचारी की बेटी(10) को शनिवार सुबह अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था। पूरे मामले में पुलिस के पास केवल सीसीटीवी थी। बिल्डिंग में लगी सीसीटीवी में वो कार दिखाई दी जिसमें बच्ची को किडनेप किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से कार का नंबर निकाला।

कार नंबर से उसका रजिस्ट्रेशन चैक किया और आरोपी तक पहुंची।आरोपी अभिषेक नामक युवक है जो गंगानगर में रहता है। बताया जा रहा है अभिषेक पहले एक स्कूल में टीचर था। अब प्रापर्टी डीलर है। वही बच्ची को कार से उठाकर एक खंडहर जैसे मकान में ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म कर एक पार्क में छोड़कर भाग गया। एसओ गंगानगर दिनेश प्रताप सिंह ने बच्ची को मेडिकल के लिए भेजा। वहीं, सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। घटनास्थल के पास एक मकान के सीसीटीवी को देखने के बाद कार में आरोपी नजर आया। एसपी देहात केशव कुमार का कहना कि आरोपी की पहचान करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।उधरगाजियाबाद के सिटी फॉरेस्ट इलाके में बच्ची की हत्या से पहले उसके साथ दुष्कर्म हुआ था।

आखिर कब तक बोरवेल में दम टूटेगा बच्चों का

योगेश कुमार गोयल

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के मांडवी गांव में 55 फीट गहरे बोरवेल में फंसे आठ वर्षीय मासूम तन्मय साहू की मौत ने फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। 84 घंटों की जद्दोजहद के बावजूद उसे नहीं बचाया जा सका। हालांकि इसी साल 10 जून को छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में 80 फीट गहरे बोरवेल में गिरे 11 साल के राहुल को 104 घंटे के अब तक के सबसे लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था लेकिन 22 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला के समीप बहरामपुर में 300 फीट गहरे बोरवेल में करीब 95 फुट नीचे फंसकर छह वर्षीय बच्चा ऋतिक मौत की नींद सो गया था। हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अब कई मामले सामने आते हैं, जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर मौत हो जाती है। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरुकता के प्रयासों के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलता पर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीक क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह भी है कि आखिर बार-बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवेल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे और कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं। यह विडंबना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में एक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने कुछ साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे। हैरानी है कि देश में हर वर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेल में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है।अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डी.एम., ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है।

इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढों के मुंह को लोहे के ढक्कन से ढकना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता।

बांग्लादेश में हसीना का विरोध ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

बांग्लादेश में भी शेख हसीना सरकार के खिलाफ उसी तरह प्रदर्शन होने शुरू हो गए हैं, जैसे कि श्रीलंका और म्यांमार की सरकारों के विरुद्ध हुए। म्यांमार की फौज ने वहां तो डंडे के जोर पर जनता को ठंडा कर दिया है लेकिन श्रीलंका की सरकार को चुनाव में मात खानी पड़ी है। 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' ने दावा किया है कि उसके प्रदर्शनों में दस लाख लोग जमा हुए हैं और उन्होंने हसीना से इस्तीफा मांगा है। उनका कहना है कि 2024 में चुनाव होने तक ढाका में कोई कार्यवाहक सरकार नियुक्त की जाए। बीएनपी के सातों सांसदों ने अपने इस्तीफों की घोषणा कर दी। उन्होंने मांग की है कि चुनाव तुरंत करवाएं जाएं। शेख हसीना ने हर बार धांधली करके चुनाव जीता है। बीएनपी को बांग्लादेश के कट्टरपंथी मुस्लिम मौलानाओं और जमाते-इस्लामी का भी भरपूर समर्थन है। बांग्लादेश की बीएनपी की नेता बेगम खालिदा जिया ने घोषणा की है कि शेख हसीना सरकार के राज में महंगाई आसमान छू रही है, लोग बेरोजगार हो रहे हैं, विदेश व्यापार घट गया है और सरकार भारत के इशारों पर नाचने लगी है। वह बांग्लादेशी मुसलमानों के हितों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं करती है। रोहिंग्या मुसलमानों पर म्यांमारी अत्याचार और भारतीय अन्याय पर हसीना सरकार की चुप्पी बहुत ही निंदनीय है। इन सब आरोपों के बावजूद खालिदा जिया की इस रैली के मुकाबले हसीना द्वारा आयोजित चिटगांव और कॉक्स बाजार की रैलियों में कई गुना लोग शामिल हुए थे। 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस पर आयोजित इस बीएनपी रैली का उद्देश्य यह भी था कि उसे अमेरिका और यूरोपीय देशों का सहयोग भी मिलेगा लेकिन इन देशों के कई नेताओं और अखबारों ने खालिदा की पार्टी और जमात पर उनके शासन काल में भ्रष्टाचार और आतंकवाद फैलाने के आरोप लगाए थे। इन दोनों पार्टियों को बांग्लादेश की जनता पाकिस्तानपरस्त समझती है। 1971 में पाकिस्तानी फौज के द्वारा की गई हत्याओं, अत्याचार और बलात्कार को बांग्ला जनता अभी भी पूरे दर्द के साथ याद करती है।

पौष मास के दौरान क्या करें

गुड़-तिल और गर्म कपड़ों के दान से मिलता है कई यज्ञ करने जितना पुण्य, लक्ष्मी पूजा की भी परंपरा

पौष मास 9 दिसंबर से शुरू हो गया है। ये 14 जनवरी तक रहेगा। पुराणों में इस महीने के लिए कहा गया है कि इन दिनों में भगवान सूर्य और नारायण की पूजा करना चाहिए। साथ ही देवी लक्ष्मी और कुबेर की पूजा भी इन दिनों करनी चाहिए।

ग्रंथों में ये भी जिक्र किया गया है कि पौष मास में नमक और घी का दान करना चाहिए। जरुरतमंद लोगों को खाना और कपड़े देने चाहिए। पौष महीने की परंपराएं सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं। इन दिनों डेली रूटीन और खान-पान में बदलाव करने से बीमारियों से बचा जा सकता है।

पौष मास के दौरान खरमास भी रहता है। इसलिए इस दौरान शुभ काम नहीं होते, लेकिन भगवान की उपासना जरूर की जाती है। पौष मास सूर्य उपासना के लिए से सबसे अच्छा महीना माना गया है। साथ ही इन दिनों प्रकृति में बहुत से सकारात्मक बदलाव होते हैं। इसलिए पौष महीना जीवन शक्ति और आध्यात्म स्तर बढ़ाने का सही समय भी होता है।

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र का कहना है कि इस महीने सूर्य के साथ देवी लक्ष्मी और कुबेर की उपासना भी विशेष फलदायी मानी जाती है। पौष मास में अगर सूर्य की नियमित उपासना करे तो व्यक्ति पूरे साल स्वस्थ और संपन्न रहता है। मान्यता है कि इस महीने सूर्य 11 हजार रश्मियों के साथ व्यक्ति को ऊर्जा और उत्तम सेहत प्रदान करता है।

किन चीजों का दान करें...
पौष महीने में हेमंत ऋतु होने से है ठंड बहुत रहती है।

इस मौसम और ऋतु को ध्यान में रखकर ही विद्वानों ने खास चीजों के दान की परंपरा बनाई है।

ग्रंथों में बताया गया है कि पौष महीने में तिल, गेहूं, गुड़, गर्म कपड़े, तांबे के बर्तन, जूते-चप्पल, कंबल और लाल चीजों का दान करना चाहिए।

इन चीजों के दान से कई यज्ञ करने जितना फल मिलता है। पौष महीने में किए दान से उम्र बढ़ती है और जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

ऐसे करें सूर्य की उपासना

रोज सुबह स्नान करने के बाद सूर्य को तांबे के पात्र से जल में रोली और फूल डालकर अर्पित करें।

सूर्य मंत्र 'ॐ आदित्याय नमः' का जाप करें नमक का सेवन कम से कम करें।
ऐसा करने से स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।
रोज सूर्योदय से पहले उठें और सूर्य पूजा करें।
16 दिसंबर से शुरू होगा खर मासः सूर्य के धनु राशि में आने से एक महीने तक शादियों और मांगलिक कामों पर रहेगी रोक

ध्रुव और नारद मुनि से सीखें कैसे मिलेगी सफलता

हमारे साथ अनुभवी गुरु होंगे तो बड़े-बड़े काम आसानी से पूरे हो सकते हैं

गुरु के अनुभव हमें परेशानियों से बचाते हैं

काम छोटा हो या बड़ा, अगर हमारे साथ अनुभवी गुरु या कोई मार्गदर्शक है तो सफलता जरूर मिलती है। गुरु अपने अनुभव से हमें बाधाओं को पार करने के रास्ते बताते हैं, सलाह देते हैं, जिनका पालन करके बड़े लक्ष्य भी पूरे हो सकते हैं। ये बात भक्त ध्रुव की कथा से समझ सकते हैं।

पुराने समय में एक राजा थे उत्तानपाद। इनके पुत्र को भक्त ध्रुव के नाम से जाना जाता है। राजा की दो रानियां थीं, एक सुनीति और दूसरी सुरुचि। ध्रुव की माता सुनीति थी।

जब ध्रुव पांच साल का था, तब एक दिन उसकी सौतेली मां सुरुचि ने उससे कहा कि अगर तुम अपने पिता की गोद में बैठना चाहते हो तो या तो मेरी कोख से जन्म लो या फिर भगवान को प्राप्त करके बताओ।

ध्रुव पांच साल का था, लेकिन बहुत बुद्धिमान था। उसने तय किया कि अब मैं परमात्मा को ही प्राप्त करूंगा। ऐसा विचार करके बालक ध्रुव जंगल की ओर चल दिया।

छोटा सा बच्चा अब ये सोचने लगा कि भगवान को प्राप्त करने के लिए मैं क्या करूं? उस समय नारद मुनि जंगल से गुजर रहे थे।

नारद मुनि देखा कि एक छोटा सा बच्चा जंगल में अकेला भटक रहा है। वे तुरंत बालक के पास पहुंचे। नारद जी ने बच्चे को रोका और पूछा कि तुम इस घने जंगल में अकेले क्या कर रहे हो?

ध्रुव ने नारद मुनि को पूरी बात बताई और कहा कि अब मैं भगवान को पाना चाहता हूं।

नारद जी ने बच्चे को समझाया कि ये तो बहुत मुश्किल काम है। इसके लिए तपस्या करनी पड़ती है।

ध्रुव ने नारद जी की बातें ध्यान से सुनी। नारद जी को लग रहा था कि ये बच्चा घर लौट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बालक ने नारद जी से कहा कि ये सब तो ठीक है, लेकिन आप भगवान को पाने का कोई तरीका बताइए।

नारद जी समझ गए कि बच्चे का संकल्प पक्का है। उन्होंने ध्रुव को ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र बताया और कहा कि इसका जप करो।

नारद जी के मार्गदर्शन के बाद ध्रुव ने भक्ति शुरू कर दी और मंत्र जप करने लगा। कुछ ही समय में बालक ध्रुव की भक्ति से भगवान विष्णु प्रसन्न हो गए और उसके सामने प्रकट हुए।

ये है प्रसंग की सीख

इस प्रसंग से हम गुरु और मार्गदर्शन का महत्व समझ सकते हैं। अगर हमारे साथ अनुभवी गुरु है तो हमारी सभी परेशानियां दूर हो सकती हैं और हम सफलता हासिल कर सकते हैं। इसीलिए किसी योग्य व्यक्ति को ही अपना गुरु बनाना चाहिए।

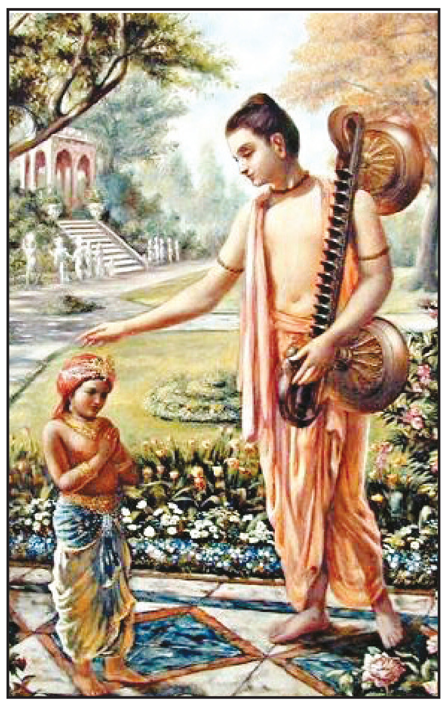

नारद मुनि राधा जी से क्यों करते थे ईर्ष्या?

हम बचपन से राधा कृष्ण की प्रेम लीलाओं को सुनते आ रहे हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों में श्रीकृष्ण और राधा के प्रेम, त्याग और समर्पण के कई प्रसंग मिलते हैं। सभी जानते हैं कि श्रीकृष्ण और राधा के बीच आध्यात्मिक प्रेम था। पंडित इंद्रमणि घनस्याल के अनुसार, इस अटूट प्रेम के कारण ही राधा के बिना श्रीकृष्ण अधूरे माने जाते हैं, इसलिए श्रीकृष्ण से पहले राधा नाम लिया जाता है। आज आपको श्रीकृष्ण और राधा के असीम प्रेम की एक रोचक कथा बताते हैं।

नारद मुनि को थी राधा से ईर्ष्या

एक पौराणिक कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण और राधा के प्रेम को देखकर नारद मुनि को राधा से ईर्ष्या होने लगी थी। श्रीकृष्ण को भी इस बात की जानकारी थी। एक बार नारद जी श्रीकृष्ण के पास आए। तब श्रीकृष्ण अपना सिर पकड़ कर बैठे थे। तब नारद मुनि ने कृष्ण ने पूछा कि आप इस तरह सिर पकड़कर क्यों बैठे हैं? तब श्रीकृष्ण ने कहा कि उनका सिर दर्द कर रहा है। नारद मुनि ने इसका उपाय पूछा तो श्रीकृष्ण ने कहा कि मेरा सिर दर्द मेरे सबसे बड़े भक्त के हाथों से चरणामृत पीने से दूर हो जाएगा।

नारद मुनि को हुआ अहंकार

तब नारद मुनि विचार करने लगे कि मैं भी तो श्रीकृष्ण का सबसे बड़ा भक्त हूं, लेकिन मैं उनको चरणामृत दूंगा तो मुझे नरक के समान पाप लगेगा। इसके बाद नारद जी के मन में राधा का विचार आया।

इसके बाद नारद जी राधा के पास गए और श्रीकृष्ण के बारे में बताया। तब राधा ने एक बर्तन में अपने पैर धोकर चरणामृत नारद जी को दे दिया। राधा ने नारद मुनि से कहा, "हे मुनि! मैं नहीं जानती हूं कि मैं श्रीकृष्ण की कितनी बड़ी भक्त हूं, पर मेरे चरणामृत से मुझे नरक की यातनाएं भोगनी पड़ेंगी और वो मैं सहन कर लूंगी, लेकिन अपने स्वामी को पीड़ा में नहीं देख सकती। इसलिए ये चरणामृत ले जाइये।

नारद मुनि बोले- राधे-राधे

राधा की बात सुनकर नारद मुनि का घमंड टूट गया और वो समझ गए कि श्रीकृष्ण ने यह लीला उनको समझाने के लिए रची थी। इसके बाद नारद मुनि ने श्रीकृष्ण को प्रणाम करते हुए कहा "राधे-राधे"

कैकेयी को मिले वे दो वरदान

रामायण में भगवान श्रीराम के वनवास का वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों तक वनवास में रहे।

इस दौरान वन में विभिन्न स्थानों पर उन्होंने विश्राम किया। वनवास के समय ही माता सीता के अपहरण की पटकथा शुरू हुई।

भगवान श्रीराम के वनवास के पीछे कैकेयी को मिले दो वरदान कारण बने थे।

लेकिन, ऐसा क्या हुआ कि कैकेयी श्रीराम को वन भेजने के लिए मजबूर हुई। आइए इस पौराणिक कथा से जानते हैं।

मंथरा ने भरे थे कान

रामायण के अनुसार, राजा दशरथ ने श्रीराम को राज पाट सौंपने का मन बनाया था। इस बात से कैकेयी को कोई फर्क नहीं पड़ा था,

परंतु मंथरा ने कैकेयी के कान भरने शुरू कर दिए। मंथरा ने कैकेयी को कहा कि राम के राज्याभिषेक की तैयारी चल रही है। अगर राम को राज मिल गया तो कौशल्या पटरानी बन जाएंगी और फिर राम भरत को जेल में डाल देंगे।

इतना ही नहीं, आपको कौशल्या की नौकरानी बनकर सेवा करनी होगी। मंथरा ने कैकेयी को अपनी बातों पर विश्वास दिलाने के लिए कई तरह की मनगढ़ंत कहानियां सुनाईं, जिस काराण कैकेयी मंथरा की बातों में आ गई और मंथरा को दासी की जगह सखी बना लिया।

क्यों रावण ने हिला के रख दिया था पूरे कैलाश पर्वत को...?

दशानन रावण वैसे तो परमज्ञानी, सर्व वेदों का ज्ञाता, महान आचार्य, सबसे बड़ा शिव भक्त था परंतु उसे स्वयं को सर्वशक्तिमान मानने का अभिमान हो गया था और जैसा की हम सभी जानते है की किसी का अभिमान ज़्यादा लंबे समय तक टिकता नहीं है तो एक बार उसने अपनी शक्ति के आवेश में आकर भगवान शिव का सिंहासन अर्थात सम्पूर्ण कैलाश पर्वत को

उठाने का प्रयास किया जिसके कारण सम्पूर्ण जगत भयभीत हो गया, आइये जानते हैं इस प्रसंग को। एक बार रावण ने निश्चय किया कि वह भोलेशंकर को प्रसन्न करके मनचाहा वरदान प्राप्त करेगा एवं वह कैलाश पर्वत पर जाकर तपस्या में लीन हो गया, उसने घोर तपस्या की परंतु भोलेनाथ प्रसन्न नहीं हुए। तब उन्हें प्रसन्न करने के लिए उसने अपने शीश काट-काट कर उनके चरणों में अर्पित करने शुरू किये, इस प्रकार एक-एक कर उसने नौ शीश चढ़ा दिए, किंतु जैसे ही वह दसवां सर चढ़ाने लगा, शिव वहा प्रकट हुए और उससे मनोवांछित वरदान मागने को कहा।

दिशा संग लिंकअप की खबरों पर एलेक्जेंडर ने किया रिएक्ट : बोले- हम 7 सालों से अच्छे दोस्त हैं, फ्लैटमेट्स भी रह चुके हैं

बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेसेस में से एक दिशा पाटनी इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल टाइगर से ब्रेकअप के बाद दिशा अक्सर अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड एलेक्जेंडर एलेक्स के साथ नजर आती हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एलेक्जेंडर ने खुद दिशा और अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है।

एलेक्जेंडर ने दिशा संग लिंकअप की खबरों पर कहा, 'मैं देख रहा हूं कि कैसे कुछ हफ्तों से लोग हमारी पर्सनल लाइफ के बारे में कुछ न कुछ कह रहे हैं। बात यह है कि हम इसकी सच्चाई जानते हैं। मुझे समझ नहीं आता कि लोगों को हमारी लाइफ में दखल देकर क्या मिलेगा? ये लोग हमें शांति से क्यों नहीं जीने देते हैं? मुझे इन खबरों को पढ़कर बहुत हंसी आती है।' एलेक्जेंडर से दिशा और टाइगर के ब्रेकअप की खबरों के बारे में पूछा गया, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं कौन होता हूं किसी के बारे कुछ भी कहने वाले। वो दोनों ही मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। मैं दोनों के साथ घूमता हूं।' एलेक्जेंडर ने टाइगर श्रॉफ और उनकी बहन कृष्णा के बारे में बात करते हुए कहा कि हम सब एक दूसरे को अपने करियर के शुरुआती दिनों से जानते हैं। एलेक्जेंडर ने बातचीत के दौरान कहा, 'मैं साइबेरिया का रहने वाला हूं और पिछले 7 सालों से इंडिया में ही हूं। मेरी दिशा से मुलाकात मुंबई में हुई थी, तब वो बॉलीवुड इंडस्ट्री की तरफ अपने कदम बढ़ा रही थीं।

दिशा-एलेक्जेंडर करियर के शुरुआती दिनों में फ्लैटमेट्स थे

एलेक्जेंडर ने आगे कहा, 'हम साल 2015 में एक साथ रहते थे। उस वक्त दिशा भी किसी एजेंसी के साथ जुड़ी हुई थीं। मैं, दिशा और हमारे दूसरे मॉडल दोस्त साथ में कमरा शेयर करते थे। मैं और दिशा दोनों ही फिटनेस को लेकर काफी एक्टिव हैं, यही कारण है कि हमारी दोस्ती भी गहरी हो गई। हम साथ जिम जाने लगे। लंच और डिनर भी साथ ही करते थे। हमने उस घर में काफी वक्त साथ गुजारा है और इस वजह से हम क्लोज फ्रेंड्स बन गए। मेरे लिए दिशा फैमिली की तरह है।'

ब्लाकबस्टर फिल्म पुष्पा के प्रोड्यूसर के घर और ऑफिस पर छापा, 14 और ठिकाने भी शामिल

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट तेलुगू फिल्म मेकिंग कंपनी मैथ्री फिल्म के निर्माताओं के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। यलमंचिली रविशंकर, नवीन अर्नेनी और चेरुकुरी के ऑफिसों और घरों सहित 15 ठिकानों पर बीते कई घंटों से छापेमारी चल रही है। इस कंपनी ने पुष्पा, रंगस्थलम, श्रीमंथुडु जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाईं हैं। सुपरस्टार पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म उस्ताद भगत सिंह भी इसी कंपनी के बैनर तले बन रही है, जो साल 2023 में रिलीज होगी।

अजय देवगन के करियर की दूसरी बेस्ट फिल्म बनी दृश्यम-2

गोलमान अगेन के लाइफटाइम कलेक्शन को छोड़ा पीछे, निगाहें अब तान्हाजी के रिकॉर्ड पर

दृश्यम 2 ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म की कुल कमाई 209.04 करोड़ हो गई है। इसके साथ ही दृश्यम 2 अजय देवगन के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। इसने अजय की 2017 में आई गोलमाल अगेन के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। रिलीज के 24वें दिन फिल्म ने 6.16 करोड़ की कमाई की। अजय देवगन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की बात करें तो दृश्यम 2 के आगे अब सिर्फ 2020 में आई फिल्म तान्हाजी द अनसंग वारियर है। अजय देवगन जहां दृश्यम 2 के साथ नए रिकॉड्र्स बना रहे हैं वहीं काजोल की पिछले हफ्ते रिलीज हुई फिल्म सलाम वेंकी उनके करियर की सबसे फ्लॉप फिल्म बनने जा रही है।

इससे पहले 2020 में आई फिल्म तान्हा जी द अनसंग वारियर ने 279.55 करोड़ का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। इसके बाद 2017 में आई उनकी फिल्म गोलमाल अगेन ने 205.69 करोड़ का कलेक्शन किया था। अब 209.04 करोड़ की कमाई के साथ दृश्यम 2 ने गोलमाल अगेन के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे कर दिया है।

60 करोड़ के बजट में बनी है फिल्म

दृश्यम 2 का बजट 60 करोड़ के आस-पास था। फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन ही 64 करोड़ की कमाई के साथ अपने बजट का पूरा हिस्सा निकाल लिया था। बता दें कि अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, तब्बू, श्रेया सरन,अक्षय खन्ना और इशिता दत्ता मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के पहले पार्ट को निशिकांत कामत ने डायरेक्ट किया था लेकिन कोविड के दौरान उनका निधन हो गया जिसकी वजह से फिल्म के प्रोड्यूसर अभिषेक पाठक ने ही फिल्म के डायरेक्शन का भी जिम्मा संभाला।

यकीन है कि मैं साउथ फिल्मों में जरूर काम करूंगा- वरुण

हाल ही में वरुण धवन ने साउथ फिल्मों में काम करने की इच्छा जाहिर की है। दरअसल, कुछ समय पहले वरुण गलता प्लस द्वारा आयोजित राउंड टेबल में पहुंचे थे। इस दौरान वरुण ने कहा कि कई लोग उन्हें नॉर्थ एक्टर से ज्यादा साउथ एक्टर मानते हैं, इसलिए वो साउथ फिल्मों में जरूर काम करना चाहेंगे।

दरअसल राउंड टेबल के दौरान डायरेक्टर करण जौहर ने खुलासा किया कि वरुण दक्षिण की एक फिल्म में काम करने के लिए बहुत ज्यादा इच्छुक हैं, इतना ही नहीं वो हैदराबाद या चेन्नई में रहना चाहते हैं। इस पर साउथ एक्टर कार्थी ने कहा कि वरुण उन्हें अपने इस इच्छा के बारे में बता चुके हैं। इस पर वरुण ने कहा- 'हमने भेड़िया फिल्म को तेलुगु में थोडेलू नाम से रिलीज किया है। लॉन्च के दौरान मेरे एनर्जी लेवल और फिल्म च्वाइज को देखकर वहां के लोगों का कहना था कि आप नॉर्थ एक्टर से ज्यादा साउथ एक्टर लगते हैं। मैं साउथ फिल्मों में जरूर काम करना चाहूंगा। बचपन से ही मैं और मेरे पिता जी साथ में तमिल और तेलुगु फिल्में देखा करते हैं।'

बातचीत के दौरान वरुण ने कहा- अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं जरूर काम करना चाहूंगा। मेरी बकेट लिस्ट में कई ऐसे ब्रिलिएंट फिल्ममेकर्स हैं। मुझे नहीं पता कि ये सब कैसे होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि यह जरूर होगा।' वरुण ने दुलकर सलमान की तरफ इशारा करते हुए आगे बोले- कि सलमान प्रोड्युसर हैं, हो सकता है कि वो मुझे काम दे दें। इसपर दुलकर ने कहा- मैं आपको अफोर्ड नहीं कर सकता हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण हाल ही में फिल्म भेड़िया में नजर आए थे। जल्द ही वो नितेश तिवारी की फिल्म वबाल में जान्हवी कपूर के साथ नजर आएंगे।

राम गोपाल वर्मा ने कुत्ते से की अपनी तुलना बोले- मैंने इससे ही सीखा पैर चाटना

बॉलीवुड के चर्चित निर्देशकों में से राम गोपाल वर्मा अक्सर अपने बयानों और बोल्ड फिल्में बनाने को लेकर सुर्खियों बने रहते हैं। पिछले दिनों रामू ने अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए कुछ ऐसा किया था, जिसे देखकर सभी लोगों का दिमाग खराब हो गया था। सभी के दिमाग में रामू की वह हरकत देख यही आया था कि राम गोपाल वर्मा अपनी फिल्म को प्रमोट करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

दरअसल, पिछले दिनों राम गोपाल वर्मा की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिनमें वह अपनी फिल्म की एक्ट्रेस आशु रेड्डी के पैरों को चूमते नजर आ रहे हैं। उनकी इन तस्वीरों पर बवाल खड़ा हो गया था। अभी यह विवाद ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब राम गोपाल वर्मा ने अपनी तुलना कुत्ते से कर दी है।

राम गोपाल वर्मा ने पिछले दिनों की गई अपनी हरकत पर अब एक और ट्वीट किया है, जिससे यह मामला और गर्मा गया है। जहां पहले ही निर्देशक का ऐसा करना नेटिजन्स से लेकर इंडस्ट्री से जुड़ी बाकी हस्तियों को पसंद नहीं आया था, वहीं अब अपने हालिया ट्वीट में राम गोपाल ने दावा किया है कि उन्होंने ऐसा करना उनकी अभिनेत्री अप्सरा रानी के कुत्ते से सीखा है।

राम गोपाल वर्मा ने अपने ट्विटर हैंडल पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'जो खतरनाक भाव मुझे आशु रेड्डी के पैरों पर बैठकर आए थे, वह मैंने अप्सरा रानी के कुत्ते से सीखे हैं।' इतना लिखने के साथ ही राम गोपाल वर्मा ने अप्सरा रानी के कुत्ते की इंस्टा हैंडल का लिंक भी साझा किया है। ऐसा ट्वीट करके राम गोपाल वर्मा एक बार फिर नेटिजन्स के निशाने पर आ गए हैं, जो उन्हें 'घटिया' बताते हुए उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं।

राम गोपाल वर्मा ने अपनी फिल्म 'डेंजरस' को प्रमोट करने के लिए अलग ही तरीके अपनाया था। रामू ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह फिल्म की अभिनेत्री को फुट मसाज देते नजर आ रहे हैं थे। इस वीडियो में राम गोपाल वर्मा अभिनेत्री के पैरों को किस भी नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के बाद राम गोपाल वर्मा नेटिजन्स के निशाने पर आ गए थे। उनकी फिल्म 'डेंजरस' की बात करें, तो इस फिल्म में अप्सरा रानी और नैना गांगुली ने लेस्बियन का किरदार निभाया था।

करण जौहर ने मलाइका से पूछे प्राइवेट पार्ट से जुड़े सवाल, गोद में बैठ गईं एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने ओटीटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका ' को लेकर छाई हुई हैं. सोशल मीडिया पर आए दिन इस शो से जुड़े वीडियो आते रहते हैं जिसमें बॉलीवुड के कई सारे सितेर अब तक नजर आ चुके हैं. ऐसे में आने वाले एपिसोड में कॉफी किंग करण जौहर मलाइका के संग मस्ती करते हुए नजर आएंगे. शो के अगले एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया गया है. इस प्रोमो को देखने के बाद साफ है कि शो में मलाइका अपने गेस्ट के साथ बोल्डनेस की सारी हदें पार करने वाली हैं. अपने शो पर पर्सनल लाइफ पर बातें करने वाले करण अपनी दोस्त मलाइका के शो पर भी उसी अंदाज में दिखेंगे और इस बार मलाइका उनपर नाराज होती दिख रही हैं.

मलाइका अरोड़ा के नए एपिसोड के वीडियो की क्लिप सामने आ गई है. इस वीडियो को मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. शेयर वीडियो में देखा जा सकता है कि करण जौहर चेहरे पर चश्मा वाइट चश्मा लगाए ब्लैक ड्रेस में मलाइका के पास आते हैं और एक्ट्रेस भी उनका अपने ही अंदाज में वेलकम करती हैं. इसके बाद करण मलाइका के सोफे पर बैठते हुए बैठ जाते हैं और पूछते है कि कैसा फील होता है जब आपके A*s के बारे में सबसे ज्यादा बातें होती हैं. इस पर माइलका करण को कहती की 'क्या तुम सिरीयस हो'.

करण जौहर इसके बाद मलाइका से कह रहै हैं कि 'इस वक्त तुम्हारे प्यार में कौन है और आप शादी कब करने जा रहीं है.' करण जौहर के सवाल पर मलाइका अरोड़ा ने भी अपने ही अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि 'करण ये मेरा सोफा है तुम्हारा नहीं, ओके बाय.' बता दें कि मलाइका और करण काफी अच्छे दोस्त है और यहां पर दोनों जमकर मस्ती कर रहे हैं. वैसे इस वाले एपिसोड में फैंस को दलिबर गर्ल नोरा फतेही भी देखने को मिलेंगी।

सिद्धार्थ शुक्ला के बर्थडे पर इमोशनल हुईं शहनाज गिल ने लिखा- मैं तुमसे फिर मिलूंगी

दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला की आज बर्थ एनिवर्सरी है। इस मौके पर उनकी खास दोस्त शहनाज गिल ने उन्हें सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट लिखकर याद किया है। शहनाज ने केक की भी फोटो शेयर की है, जिस पर सिड लिखा हुआ है। इसके साथ ही शहनाज ने सिद्धार्थ गले लगाए भी एक फोटो शेयर की है।

शहनाज ने सिद्धार्थ की फोटो शेयर कर लिखा, 'मैं तुमसे फिर मिलूंगी। 12 12।' इन चंद शब्दों में शहनाज ने अपने दिल की बात लिख दी है। शहनाज का ये पोस्ट देख कर लग रहा है कि वो सिद्धार्थ को बहुत मिस कर रही हैं।

शहनाज का ये पोस्ट देखने के बाद फैंस से लेकर सेलेब्स तक रिएक्ट कर रहे हैं और उनसे स्ट्रांग रहनने की अपील कर रहे हैं। जहां एक्ट्रेस कश्मीरा शाह ने पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'हां। और वो हमेशा हम सभी के दिलों में रहेंगे।' वहीं एक यूजर ने लिखा, 'मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा है कि ये सिद्धार्थ अब हमारे बीच नहीं रहे...तुमने हमारे साथ ऐसा क्यों किया?'

शहनाज और सिद्धार्थ 'बिग बॉस 13' में साथ नजर आए थे। शो में ही दोनों की अच्छी दोस्ती हुई और दोनों की नजदीकियां बढ़ गई थीं। इसमें सिद्धार्थ और शहनाज की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया था। शो के बाद भी दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता था। कहा जाता है सिद्धार्थ-शहनाज रिलेशनशिप में थे और जल्द ही एक-दूसरे से शादी भी करने वाले थे। हालांकि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया और हमेशा एक-दूसरे को अपना करीबी और स्पेशल दोस्त बताया था।

सिद्धार्थ का पिछले साल 2 सितंबर को 40 साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें मुंबई के कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। कहा जाता है कि सोने से पहले सिद्धार्थ ने कुछ दवाएं ली थीं। इसके बाद ही उनकी हालत बिगड़ती चली गई थी। सिद्धार्थ ने शहनाज की गोद में अपनी आखिरी सांस ली थी।

द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट के लिए फवाद खान को रणबीर कपूर ने दी बधाई, वीडियो देख भड़के यूजर्स

एक्टर रणबीर कपूर ने हाल ही में रेड सी फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। इवेंट के दौरान उन्होंने पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट की पूरी टीम को बधाई दी। इतना ही नहीं उन्होंने पाकिस्तानी हस्तियों के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। रणबीर का मानना है कि कलाकार की कोई सीमा नहीं होती है, इसलिए वो पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करना चाहेंगे। अब इंडिया में उनके इस बयान पर विवाद शुरू हो गया है। रणबीर ने रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के GQ मीट एंड ग्रीट सेग्मेंट में हिस्सा लिया था। इस दौरान एक शख्स ने उनसे पूछा कि क्या वो किसी पाकिस्तानी फिल्म में काम करना चाहेंगे। इस पर रणबीर ने कहा- कला की कोई सीमा नहीं होती और मैं बिल्कुल काम करना चाहूंगा। इन्फैक्ट मैं मौला जट्ट की सफलता पर पाकिस्तानी सिनेमा को बधाइयां देना चाहता हूं।

रणबीर कपूर का बयान सुनकर लोग भड़क गए। एक यूजर ने लिखा- अगर आपको पाकिस्तान से इतनी हमदर्दी है तो आप वहां क्यों नहीं चले जाते हैं। हमें अपने देश में ऐसे लोग नहीं चाहिए।' बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोग रणबीर के खिलाफ गुस्सा निकाल रहे हैं।

बता दें कि रणबीर इससे पहले फवाद के साथ फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में काम कर चुके हैं। इसके अलावा आतिफ असलम उनके फेवरेट गायकों में से एक हैं। रणबीर के इस बयान पर यूजर्स भड़क गए हैं। रणबीर से पहले करण जौहर ने भी द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट की तारीफ की थी। करण ने पहले दुबई के मॉल में जाकर फिल्म देखी और फिल्म में काम करने वाले एक्टर गौहर रशीद को बधाई दी। गौहर ने एक इंटरव्यू में बताया कि करण जौहर ने द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट को पाकिस्तानी सिनेमा की लैंडमार्क फिल्म करार दिया है।

'काला रंग आज कल काफी डिमांड है', नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इस एक्ट्रेस के लुक पर कह दी बड़ी बात

बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकार और सबके चहेते एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी फिल्में के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं. कथित रूप से नवाज की पत्नी और बच्चे दुबई में रहते हैं, अक्सर एक्टर का वहां आना-जाना लगा लगता है. हाल ही में सोशल मीडिया पर नवाज का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उनके साथ एक यंग लड़की नजर आ रही है. ये लड़की नवाज की फैन नहीं बल्कि उन्हीं की बेटी शोरा सिद्दीकी हैं. इस बीच नवाजुद्दीन का स्क्रीन पर ब्यूटि स्टैंटर्ड को लेकर एक बयान सामने आया है, जिसने उन्हें सुर्खियों में ला दिया.

ऑनस्क्रीन ब्यूटी पर दिया बयान

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर्स में से एक हैं, उन्होंने हमेशा लुक से ज्यादा अपने टैलेंट से फैंस का दिल जीता. नवाज उन एक्टर्स में से एक हैं जो अपने रंग और हाइट की वजह से बॉलीवुड के मेनस्ट्रीम एक्टर के मानदंड में फिट नहीं हुए लेकिन उन्होंने इसके बावजूद बॉलीवुड में अपना नाम बनाया. अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने अपने रंग और लुक पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा, 'अगर उन्हें फेयर लोगों की जरूरत है तो उन्हें मेरी भी जरूरत होगी. काला रंग आज कल काफी डिमांड है.'

डिमांड में है काला रंग

उन्होंने आगे कहा, 'एक कैमरा जिस खूबसूरती को कैद कर सकता है, वह बहुत अलग है. ये ब्यूटी लॉयल है, अगर मैं कैमरे के सामने ईमानदार हूं, तो दर्शकों को एहसास नहीं होगा, लेकिन मैं भी सुंदर दिखने लगूंगा. सैराट में एक्ट्रेस रिंकू राजगुरु को देखिए. लुक सामान्य होने के बावजूद कुछ मिनट बाद फिल्म में उनकी मौजूदगी आपका दिल जीत लेती है फिल्म देखते समय एक समय मैंने वास्तव में कहा था,'ये लड़की कितनी खूबसूरत है!' मैं ईमानदारी से मानता हूं कि कैमरे ने स्मिता पाटिल की खूबसूरती को किसी अन्य भारतीय अभिनेत्री की तरह कैद नहीं किया. मेरे हिसाब से वह कैमरे के सामने सबसे खूबसूरत अभिनेत्री थीं. मुझे लगता है कि ऑन-स्क्रीन सुंदरता वास्तविक दुनिया की सुंदरता से बहुत अलग है.'

ठंड के मौसम में बढ़ सकता हैं हड्डियों में दर्द

ठंड का सीजन शुरू हो चुका है, मौसम बदलने के साथ-साथ कई बीमारियां भी साथ आती है. ठंड के दिनों में हड्डियों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है, खासकर अधिक उम्र के लोगों के लिए ठंड में काफी दिक्कत होने लगती है.

हड्डियों का खास ख्याल रखें

ठंड का सीजन शुरू हो चुका है, मौसम बदलने के साथसाथ

कई बीमारियां भी साथ आती है. ठंड के दिनों में हड्डियों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है, खासकर अधिक उम्र के लोगों के लिए ठंड में काफी दिक्कत होने लगती है. तापमान में कमी से नसें सिकुड़ जाती हैं. विटामिन डी की कमी से हड्डियों का दर्द बढ़ जाता है. लोगों को अपने हड्डियों का खास ख्याल रखना चाहिए. इसके लिए एक्सपर्ट की क्या सलाह है हम आपको बताने जा रहे हैं.

ठंडियों के हिसाब से अपना खाना पीना सही करें

डाइट में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और विटामिन शामिल करें. भोजन में दूध दही शामिल कर सकते हैं. दूध में काफी अच्छी मात्रा में कैल्शियम होता है. इसलिए ये जरूरी है कि भोजन में उन चीजों को जरूर शामिल करें जिसमें कैल्शियम हो.

गर्म तेल से मालिश करें

गर्म तेल से मालिश करने से हड्डियों को काफी फायदा मिलता है. इससे हड्डियों को गर्मी मिलती है और जोड़ों में दर्द की परेशानी में भी राहत मिलती है. रात को सोने से पहले मालिश करना फायदेमंद होता है.

मॉर्निंग वॉक करना है फायदेमंद

ठंडियों में शरीर को ज्यादा आराम से देने से आपको नुकसान हो सकता है. इसलिए वर्कआउट या मॉर्निंग वॉक करना चाहिए. कम से कम 1 घंटे चलने से आपके शरीर में हड्डियों की समस्या नहीं होगी.

कैल्शियम और विटामिन डी लें

हड्डियों के लिए कैल्शियम,

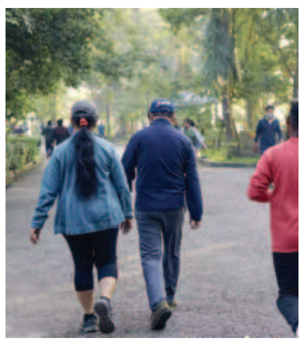

विटमिन डी कितना जरूरी होता है, कोशिश करें कि सर्दियों के मौसम में धूप जरूर लें. इससे आपके शरीर में विटामिन डी की कमी नहीं होगी और हड्डियां मजबूत रहेंगी.

गर्मियों से ज्यादा सर्दियों में होता है हार्ट अटैक का खतरा

ऐसा कहा जाता है कि गर्मी के मौसम के मुकाबले सर्दी के मौसम में दिल के दौरे का ख़तरा बढ़ जाता है. इसकी वजह ये है कि सर्दी के मौसम में तापमान कम हो जाने की वजह से दिल की सेहत पर काफी असर पड़ता है. ठंड के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को काफी मेहनत करनी पड़ती है. लगातार खून को पम्प करने की वजह से रक्तवाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे हार्ट को ज्यादा काम करना पड़ता है.

क्यों पड़ता है दिल का दौरा

दिल का दौरा तब पड़ता है, जब हृदय को रक्त की आपूर्ति नहीं मिलती या आपूर्ति अचानक बाधित हो जाती है. मुख्य रूप से हृदय की धमनियों में से एक में रुकावट के कारण या धमनियों में फैट्स या प्लाक के जमा होने के कारण रक्त वाहिकाएं ब्लॉक हो जाती हैं. जब यह प्लाक फटता है, तो ब्लड क्लॉट बनता है, जो धमनियों के ब्लॉकेज का कारण बनता है, जिससे दिल का दौरा पड़ता है.

ठंड में दिल का दौरा पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है

ऐसा माना जाता है कि सर्दी के मौसम में दिल के दौरे के मामले बढ़ जाते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि

ठंड की वजह से इस मौसम में लोग कम काम करते हैं. इस दौरान स्ट्रोक, हार्ट फेलियर, कार्डियोवेस्कुलर दिक्कतें, एरिथमिया जैसे विकार ठंडे मौसम में बढ़ जाते हैं.

इसके अलावा, सर्दियों में शरीर की तंत्रिका तंत्र की सक्रियता बढ़ जाती है, जिससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिसे 'vasoconstriction' के रूप में जाना जाता है. इसमें ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ने लगता है और दिल को खून को पम्प करने के लिए ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जो रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है.

सर्दियों में दिल को बचाने के लिए इन बातों का ख्याल रखें:

* ठंड के महीनों में शरीर को गर्म रखें, जो दिल को बचाए रखने की बेस्ट तरकीब है।

* अगर आपकी शारीरिक एक्टिवी काफी ज़्यादा है, तो बीच-बीच में ब्रेक ज़रूर लें।

* खूब पानी पिएं, जिससे शरीर हाइड्रेट रहे। डिहाइड्रेशन दिल की धड़कनों को बढ़ाने का काम करता है.

* दिल के दौरे के संकेतों पर नज़र रखें और समय से दिल की सेहत की जांच कराते रहें.

कॉफी पीना हेल्थ के लिए है फायदेमंद गंभीर बीमारियों से करता है बचाव

कॉफी का सेवन आपको कई तरह की बीमारियों से भी बचाने का काम करता है. काफी आपको डायबिटीज कंट्रोल करने तथा दिल को स्वस्थ रखने में काफी मदद करता है. दुनियाभर में मशहूर पेय पदार्थ कॉफी अपनी खुशबू और शरीर में ताजगी देने के लिए जानी जाती है. कॉफी को दुनियाभर में करोड़ों लोग हर रोज पीते हैं.

कई जगहों पर इसकी कीमत थोड़ी कम तो कई जगहों पर इसकी कीमत ज्यादा होती है. लेकिन क्या आपको पता है कि कॉफी का सेवन आपको कई तरह की बीमारियों से भी बचाने का काम करता है. काफी आपको डायबिटीज कंट्रोल करने तथा दिल को स्वस्थ रखने में काफी मदद करता है.

लिवर के लिए फायदेमंद

कॉफी के सेवन लिवर के लिए बेहद फायदेमंद है. यह लिवर को

क्षति होने से बचाने का काम करता है. एक रिसर्च में पाया गया कि रोजाना 4 कप कॉफी पीने वाले लोगों में एसप्रेटेट एमीनोट्रास्प्रेस और एलानइन एमीनोट्रास्प्रेस नामक एंजाइम का लेवल कम पाया गया. बता दें कि अगर ये दोनों एंजाइम्स शरीर में बढ़ते हैं तो यह लिवर डैमेज का संकेत है.

कॉफी से दूर करें कब्ज की समस्या

कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कॉफी का सेवन भी कर सकते हैं. कॉफी के सेवन से मलत्याग की प्रवृत्ति जागृत हो सकती है.

हृदय रोग से करता है बचाव

जर्मनी में आयोजित एक रिसर्च के मुताबिक रोजाना 3 से 4 कप कॉफी पीने वाले लोगों के दिल संबंधित बीमारियां कम होती हैं. यह हृदय रोग से बचाव में कारगर है.

पार्किंसंस का खतरा होता है कम

प्रतिदिन कॉफी पीना आपको पार्किंसंस रोग से भी बचाने का काम करता है. कॉफी में मौजूद कैफीन तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करने का काम करता है. साथ ही यह तंत्रिका तंत्र को सुरक्षा देने वाला न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट भी प्रदर्शित करता है जो कि पार्किंसंस के जोखिम को कम करने में मददगार है.

ब्लॉक कॉफी

वजन कम करने के लिए यह बहुत अच्छा उपाय। इसमें क्लोरोजेनिक एसिड होता हैजो वजन कम करने के काम आता है।

सर्दियों में एक बार भी खराब नहीं होगा स्किन का ग्लो हफ्ते में सिर्फ एक बार लगाएं इस फल से बना मास्क

सर्दियों में स्किन की नेचुरल टोन को बनाए रखना बहुत मुश्किल हो जाता है। इन दिनों चलने वाली ठंडी व शुष्क हवाएं स्किन को गहराई तक सुखा देती हैं, जिससे न सिर्फ त्वचा में रूखापन आता है, साथ ही साथ स्किन की नेचुरल टोन भी खराब हो जाती है। वैसे तो सर्दियों के लिए खास तौर पर मार्केट में कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स मिल जाते हैं। लेकिन यह भी देखा गया है कि ये सभी प्रोडक्ट्स हर स्किन टाइप्स पर काम नहीं कर पाते हैं और साथ ही कई बार इनमें मौजूद केमिकल कुछ लोगों की स्किन को नुकसान भी पहुंचाता है। सर्दियों में स्किन टोन प्रभावित होने के पीछे एक कारण यह भी है कि लोग इन दिनों में त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करते हैं, जिसके रेगुलर यूज से स्किन टोन प्रभावित होने लगती है। ऐसे में आपके मन में भी खयाल आ रहा होगा कि सर्दियों के दिनों में स्किन के लिए क्या इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आप चिंता मत कीजिए इस लेख में हम आपको एक ऐसे ही एक फल के बारे में

बताने वाले हैं।

स्किन के लिए अनानास है बेहद फायदेमंद

अगर आपको पाइनेपल खाना पसंद है, तो यह भी आपके लिए एक अच्छी खबर है। अनानास खाने से सेहत को जितना फायदा मिलता है, उतना ही फायदा त्वचा को भी मिलता है। इससे मिलने वाले फायदे कुछ इस प्रकार है -

स्किन टोन सुधारे - अनानास को विटामिन सी और अन्य कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन टोन में सुधार करने का काम करते हैं। सर्दियों में बार-बार खराब होने वाली स्किन टोन की समस्या के लिए पाइनेपल का इस्तेमाल करना काफी फायदेमंद हो सकता है।

मॉइस्चराइज करे - सर्दियों के दिनों में स्किन में ड्राइनेस होने लगती है, जिसके लिए अनानास का इस्तेमाल काफी फायदेमंद हो सकता है। पाइनेपल में मौजूद खास तत्व लंबे समय तक त्वचा की नमी बनाए रखते हैं, जिससे ड्राइनेस की समस्या नहीं होती है।

लचीला बनाए रखे - ठंड के दिनों में स्किन का लचीलापन बनाए रखना भी बहुत जरूरी माना जाता है। इसमें मौजूद तत्व कोलेजन का निर्माण करते हैं और साथ ही त्वचा में लचीलापन बनाए रखने में मदद करते हैं। स्किन में पर्याप्त लचीलापन एजिंग के लक्षणों को दूर रखता है।

कैसे लगाएं स्किन पर

स्किन के लिए अनानास का इस्तेमाल करना उतना ही आसान है, जितना कि इसका सेवन करना। अनानास की एक या दो स्लाइस लें और उन्हें ब्लेंडर में अच्छे से मैश कर लें। कम से कम 4 चम्मच मैश किए हुए अनानास में 2 चम्मच कोकोनट मिल्क की मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे कम से कम 10 मिनट के लिए रख दें और उसके बाद यह इस्तेमाल के लिए पूरी तरह से तैयार है।

लगाने का सही तरीका

लगाने के लिए आपको किसी खास बात का ध्यान रखने की जरूरत नहीं है, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि इसे त्वचा पर लगाने से पहले एक बार चेहरे को अच्छे से धो लें। चेहरा धोने के लिए किसी प्रकार के फेस वॉश का इस्तेमाल न करें और सूखने के बाद पाइनेपल का मिक्सचर लगाएं। इसे कम से कम 15 मिनट स्किन पर लगाकर रखें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।

रक्त के थक्के बनना हार्ट अटैक-स्ट्रोक का बढ़ा देता है खतरा

चोट या कटने की स्थिति में रक्तस्राव के जोखिम से बचाने में ब्लड क्लॉटिंग की विशेष भूमिका होती है। समय पर रक्त के थक्के बनकर शरीर से अधिक रक्त निकलने से रोकने में मदद करते हैं। पर अगर यही थक्के धमनियों में बनने लग जाएं तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकती है। धमनियों में रक्त का थक्का बनने के कारण हृदय रोग (हार्ट अटैक) और स्ट्रोक का खतरा हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कुछ प्रकार की बीमारियों, आहार-लाइफस्टाइल में गड़बड़ी की स्थिति धमनियों में रक्त के थक्के बनने का कारण बन सकती है। सभी लोगों को इसके जोखिम कारकों के बारे में जरूर जानना चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कुछ स्थितियां रक्त को तरल से जेल की संरचना में बदलने लग जाती हैं जो धमनियों में इकट्ठा होकर हृदय में रक्त के संचार को कम कर देती है, इस तरह की स्थिति हार्ट अटैक का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, रक्त के थक्के बनने के अगर शुरुआती लक्षणों पर समय रहते ध्यान दे दिया जाए तो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया जा सकता है। आइए इसके कुछ लक्षणों के बारे में जानते हैं जिनपर सभी को ध्यान देते रहना जरूरी है।

रक्त का थक्का बनने की समस्या

डॉक्टर कहते हैं, रक्त का थक्का बनना शरीर में होने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है, रक्त का

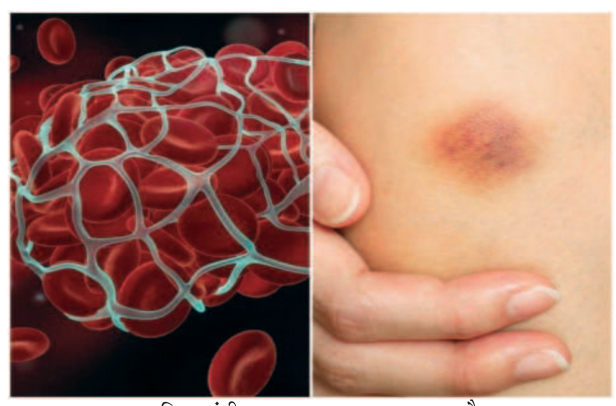

थक्का न बनना अधिक गंभीर माना जाता है, ऐसे में अधिक रक्तस्राव का खतरा हो सकता है। हालांकि अगर यह रक्त में पहुंचकर धमनियों में जमा होने लगे तो स्थिति जरूर गंभीर हो सकती है। यदि कोई थक्का आपकी नसों के माध्यम से हृदय या फेफड़ों में पहुंच जाए तो इससे रक्त प्रवाह बाधित हो सकती है, जिससे हार्ट अटैक-स्ट्रोक या अन्य गंभीर समस्या का जोखिम होता है। आइए जानते हैं कि किन लक्षणों के आधार पर इस तरह की समस्याओं की शुरुआत के बारे में जाना जा सकता है।

पैरों-हाथों में दिखते हैं ऐसे लक्षण

मेडिकल रिपोर्ट्स बताते हैं, रक्त के थक्के बनने की स्थिति में हर बार लक्षणों को नजर आना जरूरी नहीं है। जिन धमनियों में थक्के बनते हैं, उससे संबंधित कुछ परेशानियां जरूर हो सकती है। इसमें डॉक्टरी मदद और जांच की आवश्यकता हो सकती है। कुछ लोगों में थक्के बनने की स्थिति में त्वचा पर इसके संकेत नजर आ सकते हैं, जिनपर गंभीरता से ध्यान देकर स्थिति की पहचान की जा सकती है।

हाथों-पैरों में इसके लक्षण अधिक दिखाई देते हैं। हाथों-पैरों में बनने वाले थक्के की स्थिति में त्वचा के रंग में बदलाव, अंगों में सूजन और दर्द के साथ झनझनाहट हो सकती है।

हृदय की गंभीर समस्याओं के बारे में जानिए

हृदय की धमनियों में रक्त के थक्के बनने की स्थिति को गंभीर माना जाता है, इसे कोरोनरी आर्टरी थ्रंबोसिस के नाम से जाना जाता है। इस स्थिति में हृदय में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है जिसके कारण दिल का दौरा पड़ सकता है। हृदय में रक्त का थक्का बनने की स्थिति में सीने में तेज दर्द, चक्कर आने, सांस फूलने, पीठ-गर्दन और जबड़े में दर्द, बहुत ज़्यादा पसीना आने और हृदय गति बढ़ने की समस्या हो सकती है।

रक्त के थक्केबनने को कैसे रोकें?

डॉक्टर्स बताते हैं, कुछ बातों को ध्यान में रखकर ब्लड क्लॉटिंग को रोका जा सकता है। अध्ययनों में पाया गया है कि वजन बढ़ने, अधिक धूम्रपान के कारण रक्त के थक्के बनने की समस्या हो सकती है। अगर आप लंबी यात्रा कर रहे हैं तो हर दो से तीन घंटे में खड़े होकर थोड़ी दूर टहलें और अपने पैरों को स्ट्रेच करें। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करके और स्वस्थ आहार का सेवन करना रक्त के थक्के बनने की समस्या को रोकने में सहायक है।

स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम जितना ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी है उसके साथ खान-पान का ध्यान रखना

वज़न घटाना और सही वज़न बनाए रखना थोड़े समय की क़वायद नहीं है। इसके लिए लगातार प्रयास करने होते हैं।

अंकुरित आहार

प्रोटीन वज़न घटाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपनी डाइट में ज़्यादा प्रोटीन लेंगे तो आपका वज़न जल्दी कम होगा और एक्सरसाइज़ भी अच्छे से होगी। प्रोटीन को शामिल करने के लिए अंकुरित मूंग-चने, स्प्राउट्स का चीला या इडली खा सकते हैं। इसे सुबह नाश्ते में या शाम को 4-5 बजे मिड स्नैक्स के रूप में ले सकते हैं।

कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट

कार्बोहाइड्रेट से हमें एनर्जी मिलती है इसलिए हम इसे अनदेखा नहीं कर सकते। वज़न कम करने के लिए हमें कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट जैसे दलिया, ओट्स, सूजी जैसे अनाज का इस्तेमाल करना चाहिए। रात के समय हमें कार्बोहाइड्रेट नहीं लेना चाहिए

सिर्फ़ सब्ज़ी या सूप लेना चाहिए। अगर चार रोटी खाते हैं तो उसकी जगह तीन रोटी खाएं। एक बोल सलाद खाने की शुरुआत में लें। इससे पेट भी भरा-भरा रहेगा और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा भी कम होगी। एक फल खाने में अवश्य लें।

तेल का कम इस्तेमाल

तेल की मात्रा का भी वज़न पर असर पड़ता है। वज़न घटाने की इस प्रक्रिया में हम 1 चम्मच तेल या घी का दिनभर में इस्तेमाल कर सकते हैं।

व्यायाम से पहले

किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज़ करने से पहले हमें अपने आहार पर ध्यान देना चाहिए। हम जिम या कोई भारी एक्सरसाइज़ करने वाले हैं तो हमें अपना भोजन 2 घंटे पहले करना होगा। एक्सरसाइजस. शुरू करने से पहले ब्लैक कॉफी, ग्रीन टी या ऑरेंज जैसे फ्रूट लेना चाहिए। ताकि बॉडी हाइड्रेट रहे।

दालचीनी/जीरे का पानी

अगर आप वर्कआउट सुबह कर रहे हैं तो एक गिलास पानी में आधा चम्मच जीरा डालकर उबालकर छानकर पीना चाहिए। या एक गिलास गर्म पानी में एक चुटकी दालचीनी पाउडर डालकर पी सकते हैं। दिनभर में 3-4 लीटर द्रव्य ज़रूर लेना चाहिए।

व्यायाम के बाद

एक्सरसाइज़ करने के बाद प्रोटीन से भरपूर भोजन ही लेना चाहिए जैसे अंडे, नट्स, मशरूम, पैनर, ब्रोकली, चिकन सूप वगैरह। एक्सरसाइज़ सुबह के वक़्त कर रहे हैं तो नाश्ते में प्रोटीन के साथ कुछ कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट जैसे दलिया या ओट्स ज़रूर लें।

सिंगापुर और न्यूयॉर्क दुनिया के सबसे महंगे शहर, जानें कितने फीसदी बढ़ीं कीमतें?

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। इस महीने की शुरुआत में जारी नवीनतम इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग (डब्ल्यूसीओएल) इंडेक्स ने सिंगापुर और न्यूयॉर्क शहर (यूएस) को संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे महंगा शहर घोषित किया। तेल अवीव (इज़राइल) जो 2021 में रैंकिंग में सबसे ऊपर था, तीसरे स्थान पर आ गया। तेल अवीव ने पिछले साल सबसे महंगे शहर का टैग प्राप्त किया था इसका मुख्य कारण शेकेल का मजबूत होना था। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसमें लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि आई है, संपत्ति की कीमतों में दो वर्षों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ईआईयू की रिपोर्ट के अनुसार, इसके सर्वेक्षण में शामिल 172 प्रमुख शहरों में 2022 में रहने की औसत लागत 8.1 प्रतिशत बढ़ गई है। यह 20 वर्षों में डिजिटल कॉस्ट-ऑफ-लिविंग डेटा के अनुसार सबसे तेज दर है। इस वृद्धि का मुख्य कारण रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध है, जिसने अन्य चीजों के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि की है। उच्च वैश्विक तेल की कीमतों के बीच पिछले एक साल में स्थानीय मुद्रा में एक लीटर पेट्रोल की कीमत में औसतन 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, महामारी के कारण भी आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं। COVID-19 और युद्ध दोनों ने दुनिया भर में उत्पादन और व्यापार को बड़े पैमाने पर बाधित किया है। हैरानी की बात यह है कि रैंकिंग में पहली बार न्यूयॉर्क भी नंबर एक पर है, जबकि सिंगापुर दस साल में आठवीं बार इस सूची में नंबर एक पर है।

लोकसभा में बोलीं वित्त मंत्री- देश के विकास को कुछ लोग मजाक समझ रहे, विपक्ष को इससे दिक्कत

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा है कि दूसरी सभी मुद्राओं की तुलना में भारतीय मुद्रा में मजबूती है। लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी एक्सचेंज रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि डॉलर की तुलना में रुपया बहुत ज्यादा कमजोर ना हो। वित्त मंत्री ने कहा कि हालांकि यह दुखद है कि संसद में मौजूद कुछ लोग भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि से नाखुश हैं। भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है पर विपक्ष को इससे दिक्कत है। लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि देश के हर व्यक्ति को भारत के विकास पर गर्व होना चाहिए पर कुछ लोग इसे मजाक समझ रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में कहा कि संबंधित महालेखाकारों से प्रमाण पत्र के साथ संबंधित कागजात मिलने के बाद राज्य सरकारों के जीएसटी दावों का भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने लोकसभा में यह भी कहा कि केंद्र सरकार राज्यों को सभी वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) मुआवजे का भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है और पिछले पांच वर्षों से लगातार ऐसा कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि संबंधित महालेखाकार (एजी) का प्रमाण पत्र मिलते ही राज्यों को जीएसटी के तहत दिया जाने वाला मुआवजा जारी कर दिया जाएगा। राज्यों से एजी प्रमाणित दावे आने में देरी होती है, तो जाहिर है कि इस कारण जीएसटी मुआवजा के भुगतान में देरी होती है। जब राज्य के दावे के साथ एजी प्रमाण पत्र आएगा, उस समय पैसा भी जारी हो जाएगा। प्रश्नकाल के दौरान सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से यह अप टू डेट है और उपकर के रूप में जो भी पैसा मिलता है, उसे राज्यों के बीच वितरित किया जाता है।उन्होंने कहा, हम राज्यों से आए सभी दावों से अवगत हैं, जिन्हें संबंधित एजी की ओर से अनुमोदित किया गया था। हमने सभी का भुगतान कर दिया है। सीतारमण ने कहा कि अगर एजी ने राज्यों के दावों को मंजूरी नहीं दी है, तो राज्य सरकारों को इसमें तेजी लानी चाहिए। कई राज्य सरकारों का मानना है कि उनका जीएसटी मुआवजा लंबित है, ये लंबित इसलिए हैं क्योंकि केंद्र सरकार को आवश्यक कागजातों की आवश्यकता है, चुंकि यह पैसा करदाताओं का है, इसलिए इसके वितरण में सावधानी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सदन में बोलते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर कई दावे करते हैं जो तथ्यों के अनुसार पुख्ता नहीं होते। उनके अनुसार, एक वरिष्ठ सांसद ने दावा किया कि अब तक 3000 राजनीतिक लोगों के यहां छापेमारी की गई है।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	सील्वर (1केजी)
दिल्ली	50,050 रुपये	54,590 रुपये	68,100 रुपये
चेन्नई	50,550 रुपये	55,150 रुपये	73,000 रुपये
कोलकाता	49,900 रुपये	54,440 रुपये	68,100 रुपये
मुंबई	49,900 रुपये	54,440 रुपये	68,100 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए 50 बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदे जाएंगे

बोईंग और एयरबस से चल रही बात

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया अपेक्षाकृत छोटे आकार के 50 बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदने के लिये अमेरिकी कंपनी बोइंग के साथ सौदे को अंतिम रूप देने के करीब है। कंपनी ये विमान सस्ती अंतरराष्ट्रीय सेवाएं देने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिये खरीद रही है। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि यह सौदा बड़े विमान के ऑर्डर का हिस्सा होगा। इसको लेकर कंपनी बोइंग और एयरबस एसई के साथ चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही बात कर रही है। घाटे में चल रही एयर इंडिया की अगले तीन साल में अपने विमानों के बड़े को तीन गुना करने की योजना है। टाटा समूह ने इस साल जनवरी में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। एयरलाइन कारोबार को सुदृढ़ बनाने के लिये टाटा समूह ने अपनी घरेलू इकाई एयर एशिया इंडिया के एयर इंडिया में विलय की भी घोषणा की है। कंपनी एयरबस ए320 विमानों के बेड़े का परिचालन करती है। फिलहाल एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 24 बोइंग 737 विमानों का बेड़ा है। सूत्रों ने कहा कि सौदे पर आगे की चर्चा के लिये एयर इंडिया और बोइंग के अधिकारियों की सोमवार को बैठक होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''एयर इंडिया ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिये 50 बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदने को लेकर बोइंग के साथ सौदे को लगभग अंतिम रूप दे दिया है।'' हालांकि, इस बारे में एयर इंडिया ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

टाटा ग्रुप खोलने जा रहा है एपल के 100 एक्सक्लूसिव स्टोर, क्या है खास

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में 150 साल से कारोबार कर रही टाटा ग्रुप कंपनी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है।क्रोमा ब्रांड नाम से खुदरा कामकाज करने वाली इंफिनिटी रिटेल ने एपल का फ्रेंचाइजी पार्टनर बनने का फैसला कर लिया है।जिसके बाद कंपनी की भारत में योजना है कि 500-600 स्क्वायर फीट की जगह में एपल के 100 एक्सक्लूसिव स्टोर खोले जाएं । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ग्रुप भारत में जल्द ही एक्सक्लूसिव एपल स्टोर खोलने जा रहा है।इसके लिए आईफोन मेकर टाटा की इनफिनिटी रिटेल के साथ गठजोड़ कर रही है।ये कंपनी अभी देश में क्रोमा स्टोर चला रही है।इनफिनिटी रिटेल एपल का फ्रैंचाइजी पार्टनर बनने जा रहा है।जिसका काम मॉल के साथ-साथ हाई-स्ट्रीट और आसपास के इलाके में 500-600 वर्ग फुट के 100 आउटलेट खोलने की प्लानिंग तैयार करना है। भारत में एपल के 3 प्रमुख वेंडर- फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन काम कर रहे है।भारत में अब आईफोन-14 की भी मुनैफैक्चरिंग शुरू हो गई है।फॉक्सकॉन के पास ही आईफोन की सबसे बड़ी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी यूनिट है।जो चीन के झेंगझाउ में स्थित है। टाटा-एपल की साझेदारी हो रही है।वही कंपनी का पहला फ्लैगशिप स्टोर मार्च तिमाही में मुंबई में खुलने वाला है।टाटा ग्रुप से स्पेस के लिए देशभर के प्रीमियम मॉल्स और हाई स्ट्रीट्स के साथ बातचीत चल रही है।लीज़ की शर्तों में उन ब्रांड और स्टोर को शामिल किया गया है, जिन आउटलेट के पास नहीं खोला जाएगा।ये शर्त एपल कंपनी की है।

दैनिक पंचांग

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - **21 -20** तक उपरान्त षष्ठी
मास - पौष कृष्ण पक्ष, मंगलवार **Dec 13**
नक्षत्र - आश्लेषा **-02 - 32** - तक उपरान्त मघा
योग - वैधृति - **06 - 53** - अहोरात्र तक
करण- कौलव - **08 - 06** - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग **07-21** से

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	04-40	बजे
चंद्र-	कर्क	में	धनु---	06-54	बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	08-58	बजे
बुध-	धनु	में	कुंभ -	10-59	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	12-27	बजे
शुक्र-	धनु	में	मेष--	14-02	बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	15-48	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	17-49	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-00	बजे
			सिंह...	22-13	बजे
			कन्या..	23-23	बजे
			तुला	02-29	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:56 से 16:19 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र **Hyd,Sec**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:40 - 08:01	अशुभ	काल.	17:39 - 19:19	अशुभ
उत्पात	08:01 - 09:24	अशुभ	लाभ	19:19 - 20:56	शुभ
चंचल	09:24 - 10:47	शुभ	उत्पात	20:56 - 22:33	अशुभ
लाभ	10:47 - 12:10	शुभ	शुभ	22:33 - 00:11	शुभ
अमृत	12:10 - 13:33	शुभ	अमृत	00:11 - 01:48	शुभ
काल	13:33 - 14:56	अशुभ	चंचल	01:48 - 03:25	शुभ
शुभ	14:56 - 16:19	शुभ	रोग	03:25 - 05:02	अशुभ
रोग	16:19 - 17:39	अशुभ	काल	05:02 - 06:40	अशुभ

आंध्र प्रदेश में 53 कुओं की खुदाई पर 2,150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी ओएनजीसी

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की आंध्र प्रदेश में 53 संभावना वाले कुओं की खुदाई में 2,150 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। इनमें से 50 कुएं कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन के गोदावरी में जमीनी पीएमएल (पेट्रोलियम खनन पट्टा) ब्लॉक में हैं। शेष तीन कुएं सीडी-ओएनएचपी-2020/1 (ओएएलपी-Vi) ब्लॉक में होंगे। आंध्र प्रदेश राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए) ने पिछले महीने हुई एक बैठक में पर्यावरण मंजूरी के लिए ओएनजीसी की ओर से रखे गए दो अलग-अलग प्रस्तावों को अपनी सहमति दे दी थी। ओएनजीसी के अनुसार, उसका भूगर्भीय और भूभौतिकीय अध्ययन के आधार पर राज्य के पूर्व और पश्चिम गोदावरी जिलों में केजी बेसिन पीएमएल ब्लॉक में 2021-28 के दौरान 50 कुओं में संभावना का पता लगाने का प्रस्ताव है। इन कुओं को विकास कुओं में बदला जाएगा। यदि ये वाणिज्यिक रूप से व्यावहारिक पाए जाते हैं, तो इन्हें शीघ्र उत्पादन प्रणाली (ईपीएस)/गैस संग्रह स्टेशन (जीसीएस) से जोड़ा जाएगा। ओएनजीसी ने केजी बेसिन के कुओं के मामले में कहा, इनपर कुल 2,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। प्रत्येक कुएं पर 40 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

ओएनजीसी ने कहा कि तीन कुओं के लिए अनुमानित परियोजना लागत 150 करोड़ रुपये होगी और इनकी खुदाई में तीन से पांच महीने लगेंगे।

आ गया एसबीआई का सबसे धांसू फंड

मिल रहा फिक्स्ड डिपॉजिट से भी ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। फिक्स्ड इनकम चाहने वाले निवेशकों के लिए निवेश का एक बेहतरीन मौका मिल रहा है। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने एसबीआई लॉन्ग ड्यूरेशन फंड को लॉन्च किया है। कहा जा रहा है यह किसी भी फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा बेनिफिट देगा। साथ ही यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जो निवेशकों को लंबी अवधि में एक नियमित आय उपलब्ध कराएगी। गौरतलब है कि एसबीआई लॉन्ग ड्यूरेशन फंड का न्यू फंड ऑफर 12 दिसंबर, 2022 को खुल रहा है और 20 दिसंबर, 2022 को बंद होगा। निवेशक हर सात साल में इसके फ्लोर को रीसेट कर सकते हैं। एसबीआई लॉन्ग ड्यूरेशन फंड की खासियत है कि यह फंड मुख्य रूप से लंबी अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में निवेश करेगा और रोल डाउन रणनीति के तहत मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा। इसके अलावा, बाद के समय में इससे कम अवधि के जी-सेक में निवेश किया जा सकता है। मेच्योरिटी वाले बाकी निवेश विकल्पों की तुलना में यह फंड इंडेक्सेशन लाभ के कारण पुनर्निवेश के जोखिम को कम करने और टैक्स में छूट हासिल करने में भी मदद करता है। इसके अलावा, ओपन-एंडेड फंड होने के नाते यह निवेशकों को किसी भी समय अपने निवेश को वापस लेने की सुविधा देता है। हालांकि, निवेश वापस लेने पर यह मौजूदा पुनर्खरीद मूल्य पर वापस होगा। एसबीआई लॉन्ग ड्यूरेशन फंड के लिए आवश्यक न्यूनतम आवेदन राशि 5,000 रुपये रखी गई है और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में है। स्कीम का बेंचमार्क क्रिसिल लॉन्ग है और यह उच्च ब्याज दर के साथ मध्यम क्रेडिट जोखिम देता है। कहा जा रहा है कि एसबीआई लॉन्ग ड्यूरेशन फंड किसी फिक्स्ड डिपॉजिट से बेहतर फंड है, क्योंकि इससे मिलने वाला रिटर्न मार्केट-लिंक्ड होगा, यानी कि मार्केट के हिसाब से इसका स्कोर बेहतर है। इस हिसाब से एसबीआई टैक्स-फ्री बॉन्ड्स से लगभग 5.29% रिटर्न मिलने का अनुमान है। वहीं, यह तीन साल के बाद 20% पोस्ट-इंडेक्सेशन बेनिफिट के साथ आता है। दूसरी तरफ, पांच साल की अवधि के लिए एफडी की दरें 6.40 प्रतिशत और 7.10 प्रतिशत तय की गई हैं। साथ ही एसबीआई एफडी ब्याज पर स्लैब रेट से टैक्स लगता है। इस तरह एसबीआई लॉन्ग ड्यूरेशन फंड कई मामलों में बेहतर है।

नई इनकम टैक्स व्यवस्था को आकर्षक बनाने की तैयारी!

टैक्स छूट की सीमा को 5 लाख रुपये करने का हो सकता है एलान

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आने वाले बजट में सरकार टैक्सपेयर्स को बड़ी सौगात दे सकती है।इनकम टैक्स की नई व्यवस्था को आकर्षक बनाने के लिए एक फरवरी 2023 को पेश होने वाले आम बजट में इसके प्रावधानों में बड़े बदलाव का एलान किया जा सकता है।इनकम टैक्स की नई व्यवस्था में टैक्स छूट की मौजूदा सीमा को 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जा सकता है.मौजूदा समय में 2.50 लाख रुपये के सलाना टैक्सेबल इनकम पर टैक्सपेयर्स को कोई टैक्स नहीं चुकाना पड़ता है।तो 2.50 से 5 लाख रुपये के स्लैब पर टैक्सपेयर्स को 5 फीसदी टैक्स देना होता है।एक फरवरी 2023 को पेश होने वाले बजट में इनकम टैक्स की नई व्यवस्था के तहत टैक्स छूट की सीमा को 5 लाख रुपये करने पर विचार किया जा रहा है।जिससे नई टैक्स व्यवस्था को टैक्सपेयर्स के बीच लोकप्रिय बनाया जा सके।अगर टैक्स छूट की सीमा को 5 लाख रुपये किया जाता है तो इससे टैक्सपेयर्स पर टैक्स के बोझ को घटाने में मदद मिलेगी जिससे वे ज्यादा पैसे निवेश कर सकेंगे। फरवरी 2020 में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स की नई व्यवस्था को लागू करने का एलान किया था। लेकिन नई टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्सपेयर्स को सेक्शन 80सी और 80डी के तहत टैक्स छूट का लाभ नहीं मिलता है।इन टैक्स व्यवस्था में कई प्रकार के डिडक्शन को खत्म कर दिया गया है।जिसके चलते टैक्सपेयर्स नई टैक्स व्यवस्था को अपनाने से कतरा रहे हैं। कुल टैक्सपेयर्स में केवल 10 से 12 फीसदी टैक्सपेयर्स ने ही नई व्यवस्था के विकल्प को चुना है।

क्योंकि इसमें ज्यादा टैक्स चुकाना पड़ता है और टैक्स छूट का लाभ भी नहीं मिलता है। टैक्स एक्सपर्ट का मानना है कि अगर पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था में टैक्स भार बराबर हो जाता है तो टैक्सपेयर्स नए विकल्प को अपना सकते हैं क्योंकि इससे रिटर्न भरने में आसानी होगी और अनुपालन का बोझ भी कम होगा। राजस्व सचिव के पद से हाल में रिटायर होने वाले तरुण बजाज ने इस बात के संकेत दिए थे।तरुण बजाज ने कहा कि नए इनकम टैक्स रिजिम में 2.5 लाख रुपये तक के सलाना आय वालों को कोई टैक्स नहीं देना पड़ता है लेकिन पुराने टैक्स रिजिम में 7.5 लाख रुपये तक कमाई करने वाले टैक्स देने से बच जाते हैं। ज्यादातर लोग इसी कैटगरी में आते हैं और इसलिए नए इनकम टैक्स रिजिम का चुनाव करने के लिए इंसेटिव नहीं है।

इनकम टैक्स की नई व्यवस्था में भले ही टैक्स दरें कम हो लेकिन होम लोन के मूलधन या ब्याज या बचत पर टैक्स छूट के अलावा स्टैंडर्ड डिडक्शन का लाभ नहीं मिलने के चलते टैक्सपेयर्स को नई व्यवस्था लुभा नहीं पा रही है।यही वजह है कि सरकार नई व्यवस्था को आकर्षक बनाने पर सरकार विचार कर रही है। इनकम टैक्स स्लैब की पुराने रिजिम में टैक्सपेयर्स को कई प्रकार के टैक्स छूट का लाभ ले लकता है। इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत बीमा, ईएलएसएस, प्राविडेंट फंड, पीपीएफ और बच्चों के ट्यूशन फीस के साथ होमलोन के मूलधन पर टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं।2 लाख रुपये तक होमलोन के ब्याज पर भी टैक्स छूट का प्रावधान है।50,000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन का भी लाभ मिलता है जो नए टैक्स रिजिम में नहीं है।

लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ सेंसेक्स, निफ्टी भी सपाट

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार बीते शुक्रवार के बाद सोमवार को भी गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स में 51 अंकों की गिरावट आई और यह 62130 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी महज 0.55 अंकों की बढ़त के साथ सपाट ढंग से 18497 के लेवल पर बंद हुआ। सोमवार को बाजार में एलआईसी के शेयरों में 4% की बढ़ोतरी दिखी जबकि इंफोसिस और टाइटन के शेयरों में 1% की गिरावट देखने को मिली।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे।स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं। आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं, लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा।इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा।योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें।अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें।दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं।अपने शरीर के स्थान पर मन को पुष्ट बनाने के बारे में सोचें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे।पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है। यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है, तो पूर्वाद्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार, फल या उपहार भी मिलेगा।आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आपका अपना आत्मविश्वास और ग्रहों का संयोग आज आपकी कैरियर सम्भंधी सभी बाधाओं को आसानी से दूर करेगा।आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है।आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे। ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है, जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा। आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है, पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है।आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है।यह आप के लिए जीत का युग है!आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे।आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा।आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

नासा का मून मिशन हुआ पूरा

14 लाख मील की यात्रा कर लौटा स्पेसक्राफ्ट, पैराशूट के सहारे प्रशांत महासागर में गिरा

कैलिफोर्निया, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का आर्टेमिस-1 मून मिशन आज पूरा हो गया। रविवार रात 11 बजकर 10 मिनट पर ओरियन स्पेसक्राफ्ट 14 लाख मील की यात्रा कर पृथ्वी पर वापस लौट आया। इसकी लैंडिंग मेक्सिको के ग्वाडालूप द्वीप के पास प्रशांत महासागर में हुई। नासा ने 25 दिन पहले 15 नवंबर को यह मिशन तीसरी कोशिश में लॉन्च किया था।

पृथ्वी में स्पेसक्राफ्ट की एंट्री खास हुई

नासा के मुताबिक पृथ्वी में ओरियन की एंट्री खास है। पहली बार 'स्किप एंट्री' तकनीक अपनाकर धरती पर लैंडिंग हुई। इस प्रोसेस में तीन स्टेप्स थे। सबसे पहले ओरियन ने पृथ्वी के वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में एंट्री की। इसके बाद यह अपने अंदर मौजूद कैप्सूल की मदद से वायुमंडल के बाहर आया। आखिर में पैराशूट के जरिए दोबारा वायुमंडल के अंदर आ गया। स्किप एंट्री के दौरान स्पेसक्राफ्ट के क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल एक दूसरे से अलग हो गए। सर्विस मॉड्यूल आग में झुलस गया, तो वहीं क्रू मॉड्यूल अपनी तय जगह पर पैराशूट के सहारे

गिरा। वायुमंडल में दोबारा एंट्री से उसकी गति काफी धीमी हुई।

ओरियन की लैंडिंग अगले मिशन के लिए जरूरी

बता दें कि आर्टेमिस-1 मिशन एक टेस्ट फ्लाइट है। नासा आर्टेमिस-2 मिशन में एस्ट्रोनॉट्स को भेजने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में धरती पर ओरियन की लैंडिंग पर वैज्ञानिकों की पैनी नजर रही। इसके अलावा स्किप एंट्री नासा की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी है और ओरियन इसका पहला अटेम्प्ट था। अब टेस्ट फ्लाइट के रिजल्ट पर ही अगली फ्लाइट की तैयारी निर्भर करती है। इसे 2024 में लॉन्च करने की प्लानिंग है।

आर्टेमिस मिशन इंसान को चांद पर भेजेगा

अमेरिका 53 साल बाद एक बार फिर आर्टेमिस मिशन के जरिए इंसानों को चांद पर भेजने की तैयारी कर रहा है। इसे तीन भागों में बांटा गया है। आर्टेमिस-1, 2 और 3। आर्टेमिस-1 ने चंद्रमा का चक्कर लगाया, कुछ छोटे सैटेलाइट्स छोड़े और चांद के कई जरूरी फोटोज-वीडियोज उपलब्ध कराए। 2024 के आसपास आर्टेमिस-2 को लॉन्च किया जाएगा। इसमें कुछ एस्ट्रोनॉट्स भी जाएंगे, लेकिन वे चांद पर कदम नहीं रखेंगे। वे सिर्फ चांद के ऑर्बिट में घूमकर वापस आ जाएंगे। इस मिशन की अवधि ज्यादा होगी। इसके बाद फाइनल मिशन आर्टेमिस-3 को रवाना किया जाएगा। इसमें जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स चांद पर उतरेंगे। यह मिशन 2025 या 2026 में लॉन्च किया जा सकता है। पहली बार महिलाएं भी ह्यूमन मून मिशन का हिस्सा बनेंगी। इसमें पर्सन ऑफ कलर (श्वेत से अलग नस्ल का व्यक्ति) भी क्रू मेम्बर होगा। एस्ट्रोनॉट्स चांद के साउथ पोल में मौजूद पानी और बर्फ पर रिसर्च करेंगे।

50 साल पुराने अपोलो मिशन से अलग है आर्टेमिस

अपोलो मिशन की आखिरी और 17वीं फ्लाइट ने 1972 में उड़ान भरी थी। इस मिशन की परिकल्पना अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जे एफ केनेडी ने सोवियत संघ को मात देने के लिए की थी। उनका लक्ष्य अमेरिका को साइंस एंड टेक्नोलॉजी की फील्ड में दुनिया में पहले स्थान पर स्थापित करना था। हालांकि करीब 50 साल बाद माहौल अलग है। अब अमेरिका आर्टेमिस मिशन के जरिए रूस या चीन को मात नहीं देना चाहता। नासा का मकसद पृथ्वी के बाहर स्थित चीजों को अच्छी तरह एक्सप्लोर करना है। चांद पर जाकर वैज्ञानिक वहां की बर्फ और मिट्टी से ईंधन, खाना और इमारतें बनाने की कोशिश करना चाहते हैं।

आर्टेमिस मिशन की लागत 7,434 अरब रुपए

नासा ऑफिस ऑफ द इंस्पेक्टर जनरल के एक ऑडिट के अनुसार, 2012 से 2025 तक इस प्रोजेक्ट पर 93 बिलियन डॉलर, यानी 7,434 अरब रुपए का खर्चा आएगा। वहीं, हर फ्लाइट 4.1 बिलियन डॉलर, यानी 327 अरब रुपए की पड़ेगी। इस प्रोजेक्ट पर अब तक 37 बिलियन डॉलर, यानी 2,949 अरब रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

मेरी मौत की जिम्मेदार पत्नी है

शादी की सालगिरह के दिन युवक ने दी जान, सुसाइड नोट में लिखी यह बात

ग्रेटर नोएडा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली इलाके के दलेलगढ़ गांव में एक युवक ने शादी की सालगिरह के दिन फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। मृतक के भाई ने पत्नी व सास समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने सास व पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। दलेलगढ़ गांव के रहने वाले सचिन भाटी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि 11 दिसंबर, 2020 को उसकी और छोटे भाई प्रवीन उर्फ पन्नू (35) की शादी हरियाणा के लकड़पुर गांव निवासी दो बहन काजल और आंचल के साथ हुई थी।

आरोप है कि शादी के बाद से उसकी और भाई की पत्नी परेशान करने लगी थी। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद चल रहा था। उसके भाई को पत्नी आंचल और ससुराल पक्ष के लोग दहेज उत्पीड़न के फर्जी केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे। इससे प्रवीन मानसिक रूप से परेशान था। मृतक के शव के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने अपनी मौत के लिए पत्नी आंचल, भाभी (भाई की पत्नी) काजल, सास अनिता, साला वंश, पत्नी मौसेरे भाई सुमित को जिम्मेदार ठहराया है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया मामले में कार्रवाई चल रही है।

पाक में 54 बच्चों के पिता की मौत

75 साल थी उम्र; 6 शादियां कीं, ट्रक चलाकर भरा परिवार का पेट

क्वेटा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। 54 बच्चे और 6 पत्नियों वाले पाकिस्तान के अब्दुल मजीद की बुधवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। नोशकी जिले में रहने वाले 75 साल के अब्दुल ट्रक ड्राइवर थे। उनके बेटे शाह वली ने बताया कि अब्दुल मौत से 5 दिन पहले तक ट्रक चला रहे थे। वली ने कहा- हम में से कई पढ़े-लिखे हैं, लेकिन रोजगार नहीं मिला। इसलिए, हम पिता का ठीक से इलाज भी नहीं करा सके। बाढ़ में घर भी तबाह हो गया था। जिंदगी भर ट्रक चलाने वाले अब्दुल हर महीने 15 हजार से 25 हजार पाकिस्तानी रुपए ही कमा पाते थे। उनके सबसे बड़े बेटे अब्दुल वली 37 साल के हैं और पिता की तरह ट्रक चलाते हैं।

2 पत्नियों और 12 बच्चों की हो गई मौत

अब्दुल 2017 में हुई जनगणना के दौरान चर्चा में आए थे। तब पाकिस्तान में 19 साल बाद जनसंख्या गणना हुई थी। जनगणना करने गई टीम ने देखा था कि अब्दुल अपनी 4 पत्नियों और 42 बच्चों

के साथ रह रहे थे। वहीं उनकी 2 पत्नियों और 12 बच्चों की पहले ही मौत हो गई थी। उनकी पहली शादी 18 साल में हुई थी। उनके 22 बेटे और 20 बेटियां उनके साथ कमरों के घर में एक साथ रहते थे। वे बारी-बारी से बच्चों से मिलते थे और पारिवारिक कार्यक्रमों में भाग लेते थे। उनके ज्यादातर बच्चों की उम्र 15 साल से कम है। उनकी सबसे छोटी बेटी 7 साल की है।

दूध ना होने की वजह से हुई बच्चों की मौत

2017 में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था- मेरे पास पैसे नहीं थे। इसलिए कई बच्चों को दूध नहीं मिल पाया। इस वजह से उनकी मौत हो गई। पहले बहुत मेहनत करता था और अपने बड़े बेटों को अच्छी शिक्षा दी। लेकिन अब बूढ़ा हो गया हूं, तो उतना काम नहीं कर पा रहा हूं। अब्दुल की एक पत्नी और बच्चे की मौत साथ हुई थी। उन्होंने बताया- पत्नी बीमार थी और पैसे की तंगी के चलते उसका इलाज नहीं करा पाया। दस बच्चे स्कूल नहीं जा पाए, क्योंकि फीस के लिए, पैसे नहीं थे। अब्दुल के बारे में पता चलने से पहले क्वेटा के जन मुहम्मद खिलजी को सबसे ज्यादा बच्चों का पिता माना जाता था। उनके 36 बच्चे थे।

अफगान सीमा बलों ने की अंधाधुन गोलीबारी, 6 की मौत, 17 घायल

इस्लामाबाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है. आरोप है कि सीमा को लेकर चल रहे विवाद के बीच शाम को अफगानिस्तान की फौज ने अंधाधुन फायरिंग कर दी, जिसमें 6 पाकिस्तानी आम नागरिकों की मौत हो गई. जबकि हमले में एक अफगान सेना के जवान की मौत और 17 अन्य घायल हो गए. वहीं, दो सप्ताह पहले भी फायरिंग हुई थी, जिसमें 6 पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई थी. हमला स्पिन - बोल्डाक इलाके में हुआ. इस हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके कहा कि अफगान बॉर्डर फोर्स ने चमन बॉर्डर पर बिना किसी वजह से हमारे नागरिकों पर फायरिंग कर दी. अफगान फौज ने आर्टिलरी और मोर्टार के साथ भारी हथियारों से अंधाधुन आबादी वाले इलाके में फायरिंग की. पाकिस्तानी सेना के बयान में आगे कहा गया है कि अफगानिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी में छह नागरिक मारे गए और 17 अन्य घायल हो गए, जिसके बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की.

अमेरिका में पुलिस की टोपी पहन की डकैती

पुलिस ने पकड़ा तो बोला, बोर हो रहा था तो मन बहलाने के लिए की लूट

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा शहर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने पुलिस को यह कहकर चौंका दिया कि उसने दो डकैतियों की वारदात को इसलिए अंजाम दिया क्योंकि वो उस समय बोर हो रहा था। फ्लोरिडा की पुलिस ने हाल ही में इस व्यक्ति को गैस स्टेशन और बैंक में डकैती के मामले में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद पूछताछ के दौरान उसने इस बात का खुलासा किया।

पुलिस की कैप पहनकर की थी लूट

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक 45 साल के आरोपी डकैत निकोलस जापटेर ने डकैती की घटना को अंजाम देते हुए पुलिस की काली टोपी और चश्मा पहना हुआ था। उसने पहली डकैती 5 दिसंबर को सुबह साढ़े 9 बजे के करीब एक बैंक में की थी। डकैती को अंजाम देते हुए निकोलस ने एक नोट पर एसॉल्ट और मनी लिखा और उसे वहां मौजूद कर्मचारी को पकड़ा दिया। बैंक से पैसा मिलने के बाद वो वहां से भाग गया।

नोट पर लिखा सारे रुपए मुझे दे दो

अपनी पहली डकैती के दो दिन बाद उसने अपनी दूसरी डकैती को अंजाम दिया। 7 दिसंबर को करीब शाम के सात बजे वो एक गैस स्टेशन पर पहुंचा। वहां मौजूद क्लर्क को उसने एक नोट दिया जिस पर लिखा था कि सारे रुपए और दो सिगरेट मुझे दे दो। लूट की जानकारी के बाद पुलिस जब वहां पहुंची तो जैपाटर-लैमाड़िड चोरी के पैसे और सिगरेट के साथ स्टोर के बाहर ही खड़ा था।

डकैती कर गलती मान ली

अपनी गिरफ्तारी के बाद, उसने ऑरलैंडो पुलिस के सामने अपनी गलती को स्वीकार किया और बताया कि उसने डकैती इसलिए की थी क्योंकि वह ऊब गया था। आरोपी का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी पुलिसकर्मी दंग रह गए।

ईरान में ट्रेन में हिजाब पहनने के लिए एक महिला ने दूसरी को धमकाया, तीसरी आई

तेहरान, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान में हिजाब का मुद्दा अभी भी जारी है. सड़कों, स्कूलों और यहां तक की मेट्रो में भी जबरन हिजाब पहनाने को लेकर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं. अब ईरान की मेट्रो में हिजाब पहनने को लेकर दो महिलाओं के बीच मारपीट की एक घटना का वीडियो सामने आया है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे दो महिलाएं हिजाब के मुद्दे पर आपस में भिड़ती दिख रही हैं. इस वीडियो में एक महिला को दूसरी महिला हिजाब नहीं पहनने को लेकर धमकाती दिख रही है. आप देख सकते हैं कि दोनों के बीच विवाद जारी है कि तभी एक और महिला आ जाती है और जो महिला हिजाब पहनने के लिए जबरदस्ती कर रही है उसे ट्रेन से बाहर धक्का दे देती है. ईरान में महिलाओं ने हिजाब न पहनने और मोरल पुलिस के खिलाफ बगावत करने के लिए प्रदर्शन को तेज कर दिया है. मसीह अलीनेजाद जो ईरानी पत्रकार और एक्टिविस्ट हैं. उन्होंने इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया है. उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा,"इस महिला ने मुझ पर हिजाब पहनने को लेकर जबरदस्ती करने की कोशिश की, लेकिन एक अन्य महिला ने हस्तक्षेप किया और उसे ट्रेन से बाहर धकेल दिया." अलीनेजाद ने आगे कहा," ये दिखाता है कि कैसे ईरान की महिलाएं हिजाब को जबरन लादने से तंग आ चुकी हैं और एकजुट हैं." इस्लामिक मुल्क ईरान में हिजाब के खिलाफ उठे जनआंदोलन के सामने आखिरकार कट्टरपंथी सरकार को झुकना ही पड़ा. तकरीबन पिछले 3 महीनों से जारी प्रदर्शनों को देखते हुए सरकार ने 'मोरैलिटी पुलिस' की सभी इकाइयों को भंग कर दिया है. मोरैलिटी पुलिस ने ही महसा अमीनी को सही से हिजाब नहीं पहनने के आरोप में गिरफ्तार किया था, पुलिस हिरासत में ही 22 वर्षीय महसा की मौत हो गई थी.

18-25 साल के युवाओं को मिलेगा मुफ्त कंडोम

राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया गर्भनिरोधक के लिए छोटी क्रांति

पेरिस, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। फ्रांस की सरकार 25 साल से कम उम्र के युवाओं को मुफ्त कंडोम उपलब्ध कराएगी। इसका उद्देश्य अनचाहे गर्भधारण को कम करना है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसकी घोषणा की और कहा कि यह गर्भनिरोधक की दिशा में एक छोटी सी क्रांति है। स्वास्थ्य से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि उनकी सरकार 18-25 साल के युवाओं के लिए, मेडिकल शॉप पर मुफ्त कंडोम मुहैया कराएगी। बता दें, मैक्रों की सरकार ने इसी साल 25 साल से कम उम्र की महिलाओं के लिए मुफ्त कंडोम देने की योजना शुरू की थी।

अब सरकार ने सभी युवाओं के लिए मुफ्त कंडोम उपलब्ध कराने का कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य अधिकारियों का अनुमान है कि फ्रांस में साल 2020 और 2021 में यौन संबंधित रोगों (एसटीडी) की दर में करीब 30% की वृद्धि दर्ज की गई है। फ्रांस में एड्स और यौन से होने वाले अन्य संक्रमणों के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से कंडोम की सप्लाई पहले से ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली द्वारा की जाती है।

ईरान ने ऐसी कौन सी खतरनाक चीज बनाई

जिससे खत्म हो सकती है दुनिया? सऊदी अरब बोला- चुप नहीं बैठेंगे खाड़ी देश

रियाद, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान ने ईरान की परमाणु बम बनाने की अफवाहों के बीच उसे खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान परमाणु बम हासिल कर लेता है तो खाड़ी देश भी अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कदम उठाएंगे। परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष रूप से बातचीत जारी थी, जो अब रुक गई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2018 में अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर दिया था। ठीक उसी समय संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख ने ईरान के परमाणु संवर्धन क्षमता में इजाफे को लेकर चिंता व्यक्त की थी। प्रिंस फैसल बिन फरहान ने

रविवार को अबू धाबी में आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में कहा, अगर ईरान पूरी तरह से विकसित परमाणु बम हासिल कर लेता है, तो सभी रास्ते बंद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इस इलाके में काफी खतरनाक वातावरण में हैं। आप ये उम्मीद कर सकते हैं कि क्षेत्रीय राष्ट्र देखेंगे कि वह कैसे अपनी रक्षा कर सकते हैं। पश्चिमी देशों की ईरान से बातचीत बंद हो गई है। उनका आरोप है कि ईरान बेकार की मांगे कर रहा है। पश्चिमी देशों का ये भी कहना है कि ईरान देश में हिजाब के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों से ध्यान भटकाना चाहता है।

परमाणु कार्यक्रम पर संदेह जताता है सऊदी अरब

सऊदी अरब हमेशा से ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर संदेह जताता रहा है। प्रिंस फैसल ने कहा कि वह एक शर्त पर परमाणु वार्ता के बहाल होने का समर्थन करते हैं कि वह शुरुआती पॉइंट से शुरू हो न कि आखिरी पॉइंट से, ताकि तेहरान के साथ एक मजबूत समझौता किया जा सके। खाड़ी देशों ने ईरान के मिसाइल, ड्रोन कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रॉक्सी चरमपंथी समूहों के नेटवर्क की चुनौती से निपटने के लिए एक मजबूत समझौते पर जोर दिया है। वह हूती विद्रोहियों का जिक्र कर रहे हैं, जिन्हें ईरान का समर्थन प्राप्त है।

सऊदी अरब ने कही अधिक आश्वासन दिए जाने की बात

प्रिंस ने कहा, 'दुर्भाग्य से संकेत बहुत सकारात्मक नहीं हैं। हम सुन रहे हैं कि ईरान की परमाणु हथियार कार्यक्रम में कोई दिलचस्पी नहीं है लेकिन हमें और अधिक आश्वासन की आवश्यकता है। वहीं ईरान ने हमेशा दावा किया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम असैन्य उद्देश्यों के लिए है। साथ ही यूएई की ओर से भी यह मांग की गई है कि ईरान और रूस के बीच हथियारों के सौदे को देखते हुए पूरे परमाणु समझौते पर पुनर्विचार किया जाए।

राजनीतिक उथल-पुथल के बीच में पेरू में प्रदर्शन जारी

हिंसक झड़पों में दो की मौत, कई घायल

लीमा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पेरू में राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो को पद से हटाए जाने के बाद राजनीतिक संकट की स्थिति पैदा हो गई। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच देश में आम चुनाव कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस दौरान हुई हिंसक झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। गुरुवार को खबर आई थी कि एक बार फिर नाटकीय घटनाक्रम के तहत राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो को पद से हटा दिया गया था। उन्हें महाभियोग परीक्षण के बाद पद से हटाने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके बाद, दक्षिणी पेरू के अंदाहुयालस शहर में उनके समर्थकों ने इसे लेकर विरोध किया था। शुक्रवार से शुरू हुआ ये विवाद शनिवार को हिंसक हो उठा। शनिवार को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में कई लोग घायल हो गए। इतना ही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने कुछ पुलिस अधिकारियों को बंधक भी बना रखा है। हिंसक विरोध प्रदर्शनों को लेकर लोकपाल कार्यालय ने बताया कि कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। हालांकि लोकपाल कार्यालय ने हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। साथ ही लोकपाल कार्यालय ने लोगों से विरोध के दौरान हिंसक साधनों का सहारा नहीं लेने की अपील भी की है। इसके साथ ही लोकपाल कार्यालय ने पुलिस से भी कहा कि कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए कोई भी कार्रवाई कानून के ढांचे के भीतर की जानी चाहिए। वहीं, पेरू की पुलिस ने जानकारी दी कि प्रदर्शनकारियों ने बंदी बनाए गए दो पुलिस अधिकारियों को रिहा कर दिया है। वर्तमान में उनकी मेडिकल जांच की जा रही है। वहीं, पेरू के गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, शनिवार को लोगों द्वारा किए गए प्रोटेस्ट का कोई भी कारण स्पष्ट नहीं किया गया है।

आपातकाल की घोषणा पर खड़ा हुआ विवाद

पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब पेड्रो ने बुधवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि वह देश में आपातकाल लगाने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह विपक्षी दलों के वर्चस्व वाली कांग्रेस को भंग कर देंगे। इस घोषणा से हर कोई हैरान था और कई मंत्रियों ने इस्तीफे भी दे दिए। इस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही विपक्ष ने आपात बैठक बुलाई और उनके खिलाफ महाभियोग लाने का फैसला किया।

जांच में बाधा डालने का आरोप

पेरू कई वर्षों तक राजनीतिक उथल-पुथल से गुजरा है, जिसमें कई नेताओं पर भ्रष्टाचार, बार-बार महाभियोग के प्रयास और राष्ट्रपति पद के कार्यकाल में कटौती देखी गई है। यह नई कानूनी लड़ाई अक्टूबर में शुरू हुई, जब अभियोजक के कार्यालय ने कैस्टिलो के खिलाफ एक सांविधानिक शिकायत दायर की। उन पर आरोप था कि वह एक आपराधिक संगठन से पाए लाभ के लिए जांच में बाधा डाल रहे हैं। बुधवार को पेरू की संसद ने राष्ट्रपति बोलुआर्टे को सत्ता से बेदखल करने के लिए महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान किया था। 130 सदस्यीय संसद में प्रस्ताव के पक्ष में 101 वोट पड़े, जबकि राष्ट्रपति के समर्थन में मात्र छह। 10 सांसदों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। सीएनएन के अनुसार पेरू की संवैधानिक अदालत के प्रमुख फ्रांसिस्को मोरालेस ने संसद में महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान से पहले एक भाषण में उपराष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे को राष्ट्रपति पद ग्रहण करने का आदेश दिया। इसके बाद बोलुआर्टे ने कैस्टिलो की संसद भंग करने की योजना को खारिज कर दिया।

संसद भंग करने के पेड्रो के फैसले की आलोचना

सीएनएन की खबर के अनुसार राष्ट्रपति बोलुआर्टे ने अपने पहले ही भाषण में संसद भंग करने के पेड्रो के फैसले की आलोचना की। बोलुआर्टे ने सांसदों से देश में एक 'यूनिटी गवर्नमेंट (एकता सरकार) बनाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति डीना ने सभी दलों से राजनीतिक संघर्ष विराम का आह्वान करते हुए कि वह एकता सरकार के लिए व्यापक बातचीत करेंगी।

अमेरिका संसद भंग करने के खिलाफ था

अमेरिका ने भी पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो के संसद भंग करने के फैसले का विरोध किया था। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा था कि हम पेरू में संविधान के खिलाफ किसी भी कार्रवाई का विरोध करते हैं। ऐसा कोई भी कार्य जो पेरू में लोकतंत्र को कमजोर करेगा, हम उसके खिलाफ हैं।

ग्वाटेमाला में ज्वालामुखी विस्फोट

दो किलोमीटर तक फैला गर्द-गुबार, एयरपोर्ट बंद

ग्वाटेमाला, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सिटीमध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में एक सक्रिय ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है और यह लावा और राख उगल रहा है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद ग्वाटेमाला सिटी में देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट और एक प्रमुख हाईवे को अस्थाई रूप से बंद करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फुएगो नाम के ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ, जो शनिवार से रविवार तक सक्रिय रहा। इसके कारण आसमान में दो किलोमीटर तक राख उड़ती हुई दिखाई दी। हवा के कारण राख 35 किलोमीटर दूर ग्वाटेमाला सिटी तक पहुंच गई।

राख से ढका एयरपोर्ट का रनवे

सिविल एरोनॉटिक्स के महानिदेशालय ने एक बयान में कहा कि ज्वालामुखी विस्फोट के बाद रनवे पर राख आने के कारण ग्वाटेमाला सिटी से छह किलोमीटर दक्षिण में स्थित ला ऑरोरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सुबह के समय अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, विपरीत परिस्थिति के चलते कम से कम दो आने वाली उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। हालांकि, गर्द-गुबार के हटने के बाद स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास फिर से एयरपोर्ट को खोल दिया गया। यातायात पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिणी और मध्य ग्वाटेमाला को जोड़ने वाले हाईवे को एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया था। ज्वालामुखी विस्फोट रुकने के बाद इसे दोपहर फिर से खोल दिया गया।

विकाराबाद में उतरा यूएफओ जैसा गुब्बारा

हैदराबाद, 12 दिसंबर(रिसर्च डेस्क)। सात दिसंबर को सुबह के 6-7 बज रहे थे। हैदराबाद के आसमान में एक राउंड ऑब्जेक्ट या कहें बड़े गुब्बारे जैसा कुछ उड़ता नजर आया। यहां के लोगों को लगा शायद ऐड के लिए किसी ने बड़ा गुब्बारा आसमान में छोड़ा है। ऑब्जेक्ट जैसे-जैसे नीचे आया, ये किसी यूएफओ (Unidentified flying object) या अनजान एलियन शिप जैसा नजर आने लगा। इलाके में हंगामा मच गया। टॉलीवुड के डायरेक्टर जगरलामुदी कृष ने इसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। बाद में पता चला कि हैदराबाद से 100 किलोमीटर दूर विकराबाद के मोगलीगुंडला गांव के खेत में ये चीज लैंड हुई है।

राउंड स्पेसशिप की तरह नजर आ रहे इस ऑब्जेक्ट को देखने के लिए सैकड़ों लोग जमा हो गए। पुलिस भी पहुंच गई। ब्लैक-ग्रे कलर में हार्ड प्लास्टिक मटेरियल से बने इस ऑब्जेक्ट के चारों तरफ कैमरे लगे थे। सभी इंतजार करने लगे कि कब इसका गेट खुलेगा और शायद इसमें से कोई एलियन निकलेगा। भीड़ बढ़ती जा रही थी और पुलिस को लोगों को कंट्रोल करना पड़ा। इस बीच मोगलीगुंडला गांव में एक कार में सवार 6-7 लोग पहुंचे और उन्होंने जाकर पहले उस ऑब्जेक्ट का मुआयना किया और फिर एलियन वाली अफवाह पर से परदा उठाया। राउंड ऑब्जेक्ट स्पेसशिप नहीं, एक्सपेरिमेंटल बैलून था टीम में हैदराबाद के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के बैलून डिपार्टमेंट के वैज्ञानिक थे। उनमें से एक वैज्ञानिक ने लोगों को बताया कि ये कोई स्पेसशिप नहीं, बल्कि स्पेस टूरिज्म से जुड़े एक प्रोजेक्ट का एक्सपेरिमेंट है। इसमें मौजूद हीलियम गैस निकाली गई और फिर इसे डिसमेंटल कर वापस ले जाया गया।

यह फ्लाइंग ऑब्जेक्ट एक एक्सपेरिमेंटल बैलून था। इसे 800 किलोग्राम पेलोड के साथ सिकंदराबाद के बाहरी इलाके में मौजूद TIFR के बैलून डिपार्टमेंट ने लॉन्च किया था। इसमें बैलून का वजन ही तकरीबन 620 किलोग्राम था।

जादू देखने पहुंचे लोग, स्पेस टूरिज्म का टेस्टिंग ग्राउंड बना हैदराबाद, अंतरिक्ष में होगा शादी–पार्टी का इंतजाम

TIFR के बैलून डिपार्टमेंट के चेयरमैन देवेंद्र कुमार ओझा के मुताबिक यह बैलून एक तरह का स्पेस कैप्सूल है। इसमें 2.8 लाख क्यूबिक मीटर हीलियम गैस भरी जा सकती है। इसमें बैठाकर लोगों को धरती से 40 किलोमीटर दूर स्पेस में ले जाया जाएगा। स्पेन की कंपनी हेलो स्पेस के लिए ये एक्सपेरिमेंट किया गया था। ऐसे गुब्बारों से जल्द ही लोग स्पेस तक जा सकेंगे।

बैलून में बैठकर धरती का नजारा देख सकेंगे

दुनिया के कई देशों में स्पेस टूरिज्म की शुरुआत हो चुकी है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स इसी साल आम लोगों को रॉकेट के जरिए स्पेस तक पहुंचा चुकी है। हालांकि, यह काफी महंगा है, इसलिए अब हैलो ने इसके सस्ते विकल्प के रूप में 'स्पेस कैप्सूल' तैयार किया है। इस 'स्पेस कैप्सूल' में बैठाकर यात्रियों को धरती से 40 किलोमीटर ऊंचाई तक ऐसे एटमॉस्फियर में ले जाते हैं, जहां जीरो प्रेशर है। इसे स्ट्रेटोस्फियर कहते हैं। वहां पहुंचकर यात्री को धरती का किनारा नजर आता है। ओझा ने बताया कि स्पेस में किसी इंसान को भेजने से पहले हम यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि वह आसानी से वहां पहुंच सके और उसकी लैंडिंग और रिकवरी बिल्कुल सेफ हो। हलो के साथ मिलकर यही एक्सपेरिमेंट किया जा रहा है।

प्लेन या रॉकेट में स्ट्रेटोस्फियर तक जाने से यात्रियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन हमने कंपनी के बनाए स्पेस कैप्सूल के साथ यह चेक किया कि क्या वह धरती से 40 किलोमीटर की ऊंचाई पर वहां का तापमान और प्रेशर झेल सकता है या नहीं? क्या कैप्सूल में जाकर हम सेफ लौट सकते हैं?

स्पेस कैप्सूल की टेस्टिंग कामयाब

इस स्पेस कैप्सूल का लॉन्च और टेस्टिंग 100% कामयाब रही है। उन्हें बहुत अच्छा डेटा मिला है। जिस हाइट पर वे कैप्सूल को ले जाना चाहते थे, उससे भी ज्यादा हाइट पर ले गए। एक्सपेरिमेंट का आखिरी चरण पेलोड की रिकवरी (गुब्बारे से अलग होने के बाद) था, लैंडिंग भी कामयाब रही। अब इसी कैप्सूल में इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। भारत में भी स्पेस टूरिज्म पर काम शुरू हो गया है और उनके इस एक्सपेरिमेंट से आने वाले दिनों में कई कंपनियों और सरकार को बहुत मदद मिलेगी।यह बैलून एक स्पेशल पॉलिथीन मटेरियल का बना हुआ है और हीलियम गैस की वजह से यह हवा में आसानी से उड़ सकता है। एक्सपेरिमेंट के दौरान इसके किसी रिहायशी इलाके में गिरने के सवाल पर डॉ. ओझा ने कहा- 'हम ऐसे एटमॉस्फियर में बिल्कुल भी टेस्ट नहीं करते, जिससे आम लोगों को नुकसान हो।

साइंटिस्ट सुरेश श्रीनिवास बताते हैं कि बैलून में कई तरह के रिमोट सेंसर लगे हैं, जिनकी मदद से हम इसे ऑपरेट करते हैं और सिर्फ सेफ जगह पर ही लैंड करवाते हैं। बैलून जब उड़ता है तो हमारे पास उसकी सारी रीडिंग और लाइव जीपीएस लोकेशन होती है। इसके अलावा हमारे पास हाई रेजोल्यूशन वाले गगन और गूगल मैप हैं। रेडियो फ्रीक्वेंसी की मदद से हम इस पर पूरी तरह कंट्रोल रखते हैं।

हैदराबाद बन रहा बैलून टेस्टिंग का सबसे बड़ा हब

इस तरह के प्रोजेक्ट से भारत को होने वाले फायदे के सवाल पर ओझा ने बताया कि दुनिया में कुछ ही देश ऐसे हैं, जिनके पास जीरो प्रेशर बैलून टेस्टिंग की टेक्नोलॉजी है। भारत इनमें से एक है। इस तरह के प्रोजेक्ट से हमें न सिर्फ रेवेन्यू मिलता है, बल्कि पूरी दुनिया में हमारा नाम होता है। स्पेस बैलून हमारे देश में पहले से बन रहे हैं। लॉन्चिंग फैसिलिटी हमारे पास है। इस तरह के एक्सपेरिमेंट से आने वाले वक्त में हमारी डिपेंडेंसी खत्म हो जाएगी और हम स्पेस टूरिज्म के लिए तैयार हो जाएंगे।

हाल के दिनों में हमारी फैकल्टी को देश-विदेश की कई कंपनियों से इस तरह की टेस्टिंग और ट्रायल की रिक्वेस्ट मिली है। हालांकि अब तक अवेलेबल स्लॉट के हिसाब से हमने कुछ प्राइवेट कंपनियों की रिक्वेस्ट को ही स्वीकार किया है। आने वाले वक्त में हम कुछ और एक्सपेरिमेंट हैदराबाद में करेंगे।

HALO स्पेस कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक वह साल 2025 में एक नए तरीके के जीरो एमिशन बैलून से स्पेस में टूरिज्म करवाने की तैयारी कर रही है। टेस्ट के रिजल्ट पॉजिटिव आने के बाद कंपनी अपनी कॉमर्शियल उड़ानें शुरू कर देगी। कंपनी बाद में चार महाद्वीपों में फ्लाइंग बेस बनाने की योजना बना रही है।

यह 6 घंटे में जमीन से तकरीबन 40 किलोमीटर दूर स्पेस में यात्रियों को लेकर जाएगी। इसके लिए हर यात्री से 2 लाख डॉलर (1.6 करोड़ रुपए) लिए जाएंगे। खास बात यह है कि इसमें बैठकर अंतरिक्ष तक जाने वालों को कोई स्पेशल ट्रेनिंग नहीं लेनी पड़ेगी। हेलो के इस कैप्सूल में एक बार में 8 लोग यात्रा कर सकेंगे। इनमें पायलट भी शामिल रहेगा।

अगले चार महीने में 9 और एक्सपेरिमेंट होंगे

वैज्ञानिक बी सुनील कुमार ने बताया कि परमाणु ऊर्जा विभाग और इसरो की देखरेख में 30 अप्रैल 2023 तक हम 9 और बैलून लॉन्च करने वाले हैं। यह देखने में किसी हॉलीवुड फिल्म जैसा है, लेकिन आने वाले समय में यह बहुत कॉमन होने वाला है। कंपनी के मुताबिक 2029 से वह हर साल 3 हजार यात्रियों के साथ कुल 400 कॉमर्शियल यात्राएं करेगी। इसकी कीमत 1 लाख और 2 लाख यूरो प्रति टिकट ($98,000 से $196,000) के बीच होगी। कंपनी भारत के अलावा 2023 में स्पेन में भी इसी तरह की एक टेस्टिंग करने वाली है।

धरती से अंतरिक्ष तक सफर यानी स्पेस टूरिज्म

धरती से स्पेस तक की यात्रा को स्पेस टूरिज्म नाम दिया गया है। इसमें स्पेस क्राफ्ट या कैप्सूल में बैठे यात्रियों को जमीन से 40 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में ले जाया जाता है। टूरिस्ट पूरी तरह अंतरिक्ष में नहीं पहुंचेंगे, लेकिन उस ऊंचाई तक जरूर चले जाएंगे, जहां अंतरिक्ष में पृथ्वी का नजारा दिखाई देगा। कैप्सूल को नीचे लाने के लिए पैराशूट का सहारा लिया जाएगा। टूर से पहले यात्रियों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी। कंपनी के ट्रेंड क्रू मेंबर्स मदद के लिए साथ होंगे।

फ्लोरिडा की एक कंपनी 'स्पेस पेरसपेक्टिव' यह प्लानिंग कर रही है कि साल 2024 तक वह कपल को 6 घंटे में धरती की सतह से 1 लाख फीट (करीब 30 किमी) ऊपर भेजकर वहां उनकी शादी करवाएगी। इसके लिए कंपनी एक यात्री के लिए 1,25,000 अमेरिकी डॉलर के हिसाब से चार्ज करेगी।

उसके कैप्सूल में एक बार में ज्यादा से ज्यादा 8 लोग यात्रा कर सकते हैं। इसके अलावा वे इस कैप्सूल का इस्तेमाल किसी भी कॉर्पोरेट इवेंट या बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए कर सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें बाथरूम, बार और वाई-फाई भी होगा। अंतरिक्ष में लोगों को घुमाने के लिए दुनिया की 3 स्पेस कंपनियों ने अहम भूमिका निभाई है। इनमें सबसे पहली रिचर्ड ब्रैनसन की कंपनी वर्जिन गैलेक्टिक है। इसकी पहली फ्लाइट ने 11 जुलाई 2021 को उड़ान भरी थी। दूसरी जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन है, जिसकी पहली फ्लाइट 20 जुलाई 2021 को स्पेस में गई थी।

तीसरी एलन मस्क की स्पेस एक्स है। इसके जरिए यात्री 15 सितंबर 2021 को अंतरिक्ष में गए थे। इन कंपनियों के बाद चीन सहित कई दूसरे देश भी स्पेस टूरिज्म से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। हालांकि ये सभी रॉकेट के जरिए यह यात्रा करवा रहे हैं।

एक्टर देव जोशी चांद पर जाएंगे, डियर मून मिशन के लिए चुने गए

टीवी शो 'बालवीर' के एक्टर देव जोशी डियर मून मिशन के लिए चुने गए हैं। देव जोशी ने अपने सोशल मीडिया ये बात बताई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जापान के कारोबारी यासुका मीजावा ने इस मिशन की शुरुआत की थी। इसके लिए लाखों लोगों ने अप्लाई किया था, लेकिन सिर्फ 10 लोगों को चुना गया। ये सभी 2023 में चांद के लिए रवाना होंगे। ये ट्रिप एक हफ्ते की होगी।

नासा ने अपने इंसानी मून मिशन के लिए 25 दिन पहले कैनेडी स्पेस सेंटर से ओरियन स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया था। यह 11 दिसंबर की रात लौट आया। किसी स्पेसक्राफ्ट की लॉन्चिंग के बाद सबसे अहम पड़ाव उसके वापस आने का होता है। इसी वक्त सबसे ज्यादा रिस्क होता है। हालांकि, ओरियन में कोई अंतरिक्ष यात्री नहीं, बल्कि तीन मानव पुतले हैं। 2024 में इंसान इसी ओरियन स्पेसक्राफ्ट से लौटेंगे।

जंगल में मिले दो चीतों के शव

महीने भर पहले मौत की आशंका वन विभाग के अफसरों ने बताया

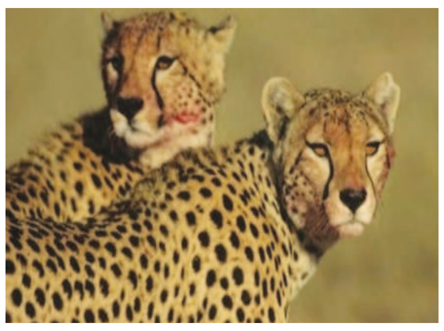

बलौदाबाजार, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में दो चीतों के शव मिले हैं। दोनों के शव पूरी तरह से डीकंपोज हो चुके थे। ऐसे में आशंका है कि दोनों की मौत महीने भर पहले हो चुकी होगी। हालांकि वन विभाग के अफसरों ने दोनों का शिकार किए जाने की बात से इनकार किया है। फिलहाल मौके पर ही पोस्टमार्टम कराकर वन विभाग की टीम ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया है।

जानकरी के मुताबिक, लवन वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक-114 अल्दा बीट में दोनों चीतों के शव मिले हैं। रविवार को जब ग्रामीण वहां पर जानवर चराने के लिए गए तो उन्होंने शवों को देखा। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। दो चीतों का शव मिलने की जानकारी पर हड़कंप मच गया। वन विभाग की टीम के साथ ही डीएफओ मयंक अग्रवाल भी मौके पर पहुंच गए। अफसरों ने वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट डॉक्टरों को भी बुला लिया। वहीं मौके पर ही दोनों चीतों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।

डीएफओ मयंक अग्रवाल ने बताया कि दोनों ही चीतों के सभी शारीरिक अंग मौजूद थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिकारियों ने उन्हें नहीं मारा है। चीतों के शव भी पूरी तरह डीकंपोज हो गए थे। ऐसे में उनकी मौत काफी समय पहले होन का अनुमान है।

हाईवे से लापता कार कुएं में मिली

तहसीलदार, उनकी पत्नी, साले सहित चार की मौत

कांकेर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में हुए सड़क हादसे में ओडिशा के नायब तहसीलदार, उनकी पत्नी और साले सहित चार लोगों की मौत हो गई है। यह सभी लोग शनिवार रात एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। इसके बाद से इनका पता नहीं था। इसके बाद सोमवार सुबह नेशनल हाईवे (NH-30) से लापता हुई उनकी कार सड़क किनारे कुएं में गिरी मिली। पुलिस ने कार बाहर निकलवाई तो उसमें चारों के शव मिले हैं। फिलहाल उनके शवों को अस्पताल भिजवाया जा रहा है।

पुलिस लापता हुई कार को हाईवे पर तलाश कर रही थी। वहीं पर जंगलवार कॉलेज के पास एक कुआं है। काफी पुराना होने के कारण इस्तेमाल में नहीं आता है और ऊपर से झाड़ियां उग आई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए जब कुएं के पास पहुंची तो संदेह हुआ। इसके बाद झाड़ियां हटाकर देखा गया तो अंदर कार गिरी हुई थी। पुलिस ने जेसीबी और क्रेन को बुलाया है। उसकी मदद से कुएं के आसपास के इलाके को साफ कराया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, ओडिशा के उमरकोट निवासी नायब तहसीलदार सपन सरकार (65) अपनी पत्नी रीता सरकार (50) की बड़ी बहन रीना दत्ता के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए 6 दिसंबर को कांकेर के गोविंदपुर आए थे। इसके बाद 10 दिसंबर को गोविंदपुर में हुए रिसेप्शन में भी शामिल हुए। शादी में सपन के साले कोंडगांव निवासी विश्वजीत अधिकारी (42) और एक परिचित हजारी लाल ढाली (67) भी आए थे।

रात को शादी से निकले, फिर घर नहीं पहुंचे

पार्टी के बाद नायब तहसीलदार सहित चारों शनिवार रात करीब 10.30 बजे कार से कोंडगांव के लिए रवाना हुए। उनके जाने से पहले और बाद में भी कुछ वाहन कोंडागांव के लिए निकले थे। जब रात करीब 12 बजे तक भी वे घर नहीं पहुंचे तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने रीना दत्ता के मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन शादी में व्यस्त होने के कारण वे कॉल रिसीव नहीं कर पाईं। इस पर परिजनों को लगा कि वे कांकेर में ही रुक गए होंगे।

अगले दिन सुबह लापता होने का पता चला

अगले दिन सुबह जब रीना दत्ता ने मिस कॉल देखा तो उन्होंने बात की। इस पर चारों के लापता होने का पता चला। इसकी जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार सपन सरकार के बेटे नवजीत उनकी तलाश में निकले। रास्ते भर कार और लापता लोगों की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज करा दी। चारों का मोबाइल रात 11 बजे से बंद है। मोबाइल जंगलवार कालेज के निकट टावर से बंद बता रहा था। पुलिस ने बताया कि जहां पर हादसा हुआ है, वह एक सरकारी कुआं हैं। सड़क से करीब पांच मीटर की दूरी पर है। ऐसे में संभावना है कि चालक नींद या फिर सामने से कोई लाइट पड़ने के कारण अनियंत्रित हुआ होगा। हालांकि शवों का पोस्टमार्टम डॉक्टरों की दो सदस्यीय टीम से कराया जा रहा है।

हाथियों के बाद अब गांव में घुसे भालू

ग्रामीणों में दहशत, वन कर्मियों ने सुरक्षित किया रेस्क्यू

रायपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अभी तक हाथियों के झुंड के गांव में घुस आने से परेशान थे, अब भालू भी गांव में घुस गए। वन विभाग ने भालूओं को पकड़ कर पिंजरे में बंद कर लिया है। छत्तीसगढ़ के कटघोरा वनमण्डल में केंदई रेंज के सिरमिना सर्किल के गांव कुर्था कुल्हरिया में दो भालू रात में विचरण करते हुए घुस गए। घर में घुसे भालुओं को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। जैसे ही कमरे में भालू घुसा, उस कमरे दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। ग्रामीणों ने भालू के गांव में घुसने की सूचना फारेस्ट विभाग को दी। फारेस्ट अधिकारी व कर्मचारी की रेस्क्यू टीम गांव में पहुंची। भालुओं को सुरक्षित रेस्क्यू कर पिंजड़े में बंद कर दिया। भालूओं ने किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचाया है। वन कर्मियों ने भालुओं को जंगल की ओर छोड़ने की तैयारी पूरी की।

हांथियों के साथ सताने लगा भालुओं का डर

सीतापुर वन परिक्षेत्र के सरगा जंगल की ओर से 42 हाथियों का दल बीती रात रजौटी गांव में पहुंच गया और पांच ग्रामीणों के मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों ने खेत और खलिहान में रखे अनाज को भी काफी नुकसान पहुंचाया। हाथियों के गांव में पहुंचने की खबर पर देर रात वन विभाग गांव में पहुंचा और हाथियों को नावापारा जंगल की ओर खदेड़ा। हाथियों का दल जंगल में ही डटा हुआ है। हाथियों के साथ-साथ अब भालूओं के गांव में घुसने से ग्रामीण दशहत में हैं।

अपहरण के छह महीने बाद मिले कंकाल

चाईबासा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले से एक बेहद हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक परिवार के तीन सदस्यों के कंकाल मिले हैं। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अपहरण के छह महीने बाद उनके कंकाल बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान जगदीश रजक (60), शारदा देवी (55) और उनके पोते राज रजक (17) के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि मृतकों को तांतनगर इलाके के सिदमा गांव से अगवा कर लिया गया था और कथित तौर पर उनके पड़ोसी विकास बेहरा और उनके साथियों ने मई में भूमि विवाद को लेकर उनकी हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि अपहृत व्यक्तियों का पता लगाने और आरोपियों को पकड़ने के लिए सदर अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी दिलीप खल्को के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था।

एसपी ने कहा कि मुख्य आरोपी और उसके परिवार के सदस्य गांव छोड़कर भाग गए थे और पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बार-बार ठिकाना बदल रहे थे। हालांकि, विकास बेहरा की दो पत्नियों सुष्मिता (36) और पार्वती (23) और साथी रसई सीकू (51) और शुशील जामुदा (32) को गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले में गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने कहा कि जमुदा और सीकू द्वारा मुहैया कराए गए इनपुट के आधार पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मुफस्सिल इलाके के छोटा लगिया गांव से तीन कंकाल खोद कर निकाले गए। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने तीनों को मार डाला और उन्हें गांव में दफना दिया। कुल मिलाकर सात लोग अपराध में शामिल थे, और मुख्य आरोपी अभी भी फरार है, उन्होंने कहा, उसे और शेष आरोपियों को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है।

सऊदी अरब में फंसा सीवान का युवक

तीन साल काम लेने वाली कंपनी ने रख लिया पासपोर्ट

सीवान,12 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन साल तक जिस कंपनी को अपना समझ अपने घर-परिवार को छोड़े सऊदी अरब में काम करता रहा, अब उसी कंपनी ने रंजीत का जीवन संकट में डाल दिया है। सीवान के बलेथा पक्वलिया निवासी चंद्रमा सिंह के बेटे रंजीत ने तीन साल का वीजा खत्म होने से पहले भारत लौटने के लिए कंपनी से बात की तो नौकरी से हटाकर भगा दिया गया। अब वह सड़क पर सोने को मजबूर है। खोने को लाले पड़े हैं। परिवार वालों ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

पासपोर्ट नहीं मिलने के कारण लौटना असंभव

रंजीत कुमार सिंह तीन वर्ष पहले सऊदी स्मार्ट कंस्ट्रक्शन कंपनी में वीजा लगाकर गया था, जिसका डेट लैप्स हो जाने के कारण वह घर आना चाहता था। ऐसी कंपनियां अपने यहां दूसरे देशों से काम करने के लिए आने वालों का पासपोर्ट अपने पास रख लेती हैं और सर्विस का समय पूरा होने पर देती हैं। जिन कंपनियों की नीयत सही नहीं होती या जो कर्मचारी कंपनियों से रिश्ता ठीक नहीं रख पाते, उन्हें यह परेशान करती हैं। रंजीत के साथ यही हुआ। अंतिम समय में जब उसने जाने की बात की तो काम से निकाल दिया गया और पासपोर्ट भी नहीं लौटाया गया।

सावधान! रंजीत के साथ कुछ नया नहीं हुआ

रंजीत की पत्नी ने बताया कि सऊदी अरब में वीजा खत्म होने पर रंजीत फंस गया है। इंडियन एम्बेसी जाने पर पता चला कि रंजीत को ब्लॉक कर दिया गया है। अब परिवार वालों ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से मदद के लिए गुहार लगाई है। वैसे यह पहला मामला नहीं है। सीवान से भारी संख्या में लोग सऊदी अरब जाकर कमाते हैं। इनमें से कई लोग वहां जाकर ऐसे ही किसी कारण से फंस जाते हैं। ज्यादातर एजेंट भारत से भेजते समय बहलाकर मोटी रकम ले तो लेते हैं, लेकिन लौटने में सुविधा को लेकर कोई गारंटी नहीं देते हैं।

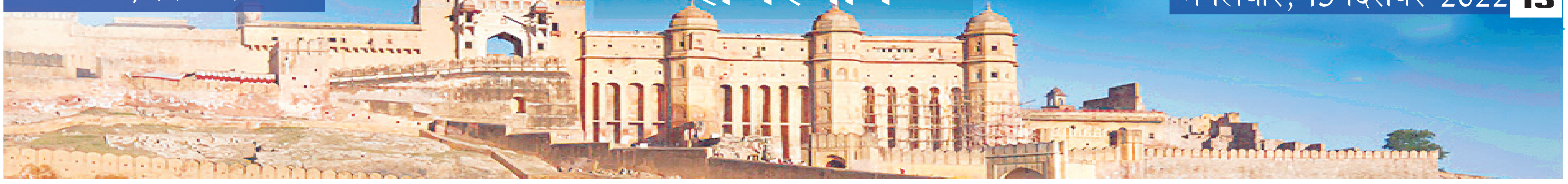

हाईकोर्ट का सवाल, जिसके जवाब से गिर सकती है सरकार

विधायकों के इस्तीफों को लेकर 3 ऑप्शन, लेकिन चौथा रास्ता चुन सकते हैं स्पीकर

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के चलते कांग्रेस में तमाम उठापटक फिलहाल एकदम शांत है। कुछ दिन पहले तक जहां आए दिन गुटबाजी और एक-दूसरे पर बयानों और आरोपों की बौछारें हो रही थीं, वहां से अब एकजुटता की तस्वीरें आ रही हैं। मगर कांग्रेस और राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह शांति सिर्फ राहुल की यात्रा के राजस्थान में रहने तक है। यात्रा के राजस्थान से गुजरने के ठीक बाद कई मसलों पर राजस्थान कांग्रेस में सब्र और गुस्से का गुब्बार फूट सकता है।

25 सितंबर को कांग्रेस हाईकमान की ओर से राजस्थान में CM बदलने की कवायद के बीच विधायकों ने इस्तीफे दे दिए थे। अब यह मामला हाईकोर्ट में पेंडिंग है। भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ की याचिका पर 6 दिसंबर को हाईकोर्ट ने तीन सप्ताह में जवाब देने का विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस दे रखा है। तीन सप्ताह 28 दिसंबर को पूरे हो जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष के जवाब के साथ ही तीन माह से चल रहे इस्तीफों के सस्पेंस का खुलासा तो होगा ही, साथ ही राजस्थान के सियासी ड्रामे में भी नया मोड़ आने की स्थितियां बनेंगी।

एक्सपर्ट्स के अनुसार इस्तीफों को लेकर 3 संभावनाएं

राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता शोभित तिवाड़ी के अनुसार इस्तीफों को लेकर तीन संभावनाएं हो सकती हैं। पहली- विधानसभा अध्यक्ष सभी विधायकों के इस्तीफे स्वीकार कर लें। दूसरी- स्पीकर सभी विधायकों को इस्तीफे लौटा दें। तीसरी- इस्तीफा देने वाले विधायकों को स्पीकर पुनर्विचार के लिए भी कह सकते हैं।

और चौथा रास्ता ये भी...

वहीं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह का कहना है कि इस्तीफे स्वीकार करने, वापस लौटाने और विधायकों को पुनर्विचार करने के लिए कहने की संभावनाएं तो हैं ही, स्पीकर हाईकोर्ट को यह जवाब भी दे सकते हैं कि रात के समय इतनी बड़ी संख्या में विधायकों ने आकर इस्तीफे सौंपे थे। ऐसे में वे एक-एक विधायक को बुलाकर इस्तीफा देने के कारणों की जांच कर रहे हैं और यह समझ रहे हैं कि आखिर ऐसी क्या परिस्थितियां थीं कि उन्होंने इस्तीफा दिया।

तस्वीर जितनी खुशहाल नजर आती है उतनी है या नहीं, इसका भी आने वाले दिनों में पता चलेगा। राहुल की यात्रा गुजरने के बाद राजस्थान में क्या होगा यह समय बताएगा। (फाइल फोटो)

तस्वीर जितनी खुशहाल नजर आती है उतनी है या नहीं, इसका भी आने वाले दिनों में पता चलेगा। राहुल की यात्रा गुजरने के बाद राजस्थान में क्या होगा यह समय बताएगा। (फाइल फोटो)

यात्रा के बाद राजस्थान में फिर शुरू होगा पॉलिटिकल ड्रामा...

धारीवाल, जोशी, राठौड़ पर नए प्रभारी रंधावा लेंगे फैसला

इधर, शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ पर अनुशासनहीनता के नोटिस पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज अजय माकन के इस्तीफे के बाद राजस्थान कांग्रेस के नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा काम संभाल चुके हैं। वे लगातार बयान दे रहे हैं कि राजस्थान में किसी भी नेता की ज्यादा परवाह करने के बजाय उनका फोकस संगठन में मजबूती लाने पर रहेगा। ऐसे में धारीवाल, जोशी, राठौड़ पर रंधावा को कोई न कोई फैसला लेना होगा।

इस बीच 21 दिसंबर को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में खत्म होकर हरियाणा में प्रवेश कर जाएगी। यात्रा के बाद अगले साल विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के बीच 10 महीने से भी कम समय बचेगा और इस बीच सीएम की कुर्सी, संगठन विस्तार, राजनीतिक नियुक्तियां और खेमेबाजी से जुड़े कई मुद्दे सिर उठाएंगे।

क्या बदलेगा सीएम?

यात्रा के ठीक बाद वो मसला जिस पर सबसे ज्यादा बवाल देखने को मिलेगा वो सीएम की कुर्सी का होगा। राजस्थान में सीएमकी कुर्सी की लड़ाई सरकार बनने के बाद से ही चल रही है। 25 सितंबर को इसे बदले जाने की कवायद होनी थी, मगर विधायकों के इस्तीफे के चलते यह टल गया। इसके बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव, गुजरात-हिमाचल चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा आ गई।

अब नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की वर्किंग भी सामने आएगी और सीएम की कुर्सी को लेकर निर्णय के बाद राजस्थान में क्या होगा, इस पर सबकी नजरें होंगी।

क्या जाएगी विधायकों की विधायकी?

हाईकोर्ट में भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने 91 विधायकों के इस्तीफों पर फैसला नहीं होने पर स्पीकर पर सवाल उठाया था। 6 दिसंबर को हाईकोर्ट ने स्पीकर को नोटिस जारी करके पूछा था कि उन्होंने इस्तीफों पर अभी तक फैसला क्यों नहीं किया? इस बारे में स्पीकर को तीन सप्ताह में हाईकोर्ट में जवाब देना है।

अब बड़ा सवाल यह है कि स्पीकर तीन माह में इस्तीफों पर फैसला नहीं होने को लेकर क्या जवाब देते हैं वहीं यह भी सवाल खड़ा है कि क्या कांग्रेस के 91 विधायकों की विधायकी जाएगी?

संगठन विस्तार से फिर होगी उठापटक

राजस्थान में जुलाई 2020 के बाद से पूरे प्रदेश की कार्यकारिणी को निरस्त कर दिया गया था। कुछ समय बद प्रदेश स्तर पर पदाधिकारी नियुक्त हुए, लेकिन कुछ जिलों को छोड़ बाकी जिलों में अब भी निवर्तमान पदाधिकारी ही काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत जोड़ो यात्रा के बाद जिलों में पदाधिकारियों की नियुक्ति भी चुनौतीपूर्ण काम होगा। इन नियुक्तियों के बाद एक बार फिर कांग्रेस में खेमेबाजी और नाराजगी से उठापटक देखने को मिल सकती है।

यूआईटी सहित कई नियुक्तियां बाकी

राजस्थान में तमाम यूआईटी, विकास प्राधिकरण सहित कई राजनीतिक नियुक्तियां अब तक नहीं हुईं हैं। सरकार को 4 साल लगभग हो चुके हैं। राजनीतिक नियुक्तियां नहीं होने से कई क्षेत्रों में कांग्रेस के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। इन पदों को नहीं भरने की सूरत में भी यह गुस्सा बरकरार रह सकता है। वहीं नियुक्तियां होने पर जिन नेताओं की अनदेखी होगी वो भी कांग्रेस संगठन के लिए चुनौतियां पैदा कर सकते हैं।

बजट सत्र से पहले लेने होंगे सख्त निर्णय

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि राजस्थान कांग्रेस में स्थितियां अब उस स्तर पर आ चुकी हैं, जहां हाईकमान और प्रदेश संगठन को कड़े फैसले लेने होंगे। अगले साल वर्तमान कांग्रेस सरकार का अंतिम बजट जारी होना है। ऐसे में बजट सत्र से पहले ही कांग्रेस को सख्त निर्णय करने होंगे। संगठन और राजस्थान के विधानसभा चुनाव को देखते हुए ऐसा होने की संभावना है। ऐसे में यात्रा के बाद राजस्थान में फिर नया पॉलिटिकल ड्रामा शुरू हो सकता है।

राजू ठेहट की मौत के बाद हनुमान बेनीवाल को मिली थी जान से मारने की धमकी, आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार

नागौर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सारकुख्यात गैंगस्टर राजू ठेहट की मौत के बाद सांसद बेनीवाल को जान से मारने की धमकी मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे चार दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है।

सांसद हनुमान बेनीवाल को सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक ने जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने धमकी देने के आरोपी को तेलगांना से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की मोबाइल भी पुलिस ने जब्त कर ली है।

एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया

हनुमान बेनीवाल

कि सात दिसंबर को डीडवाना थाने के कांस्टेबल रिछपाल ने थानाधिकारी राजेश कुमार को सूचना दी कि रामदेव रामू नाम की फेसबुक आईडी से कुख्यात गैंगस्टर राजू ठेहट की मौत के बाद सांसद हनुमान बेनीवाल की हत्या करने की धमकी दी गई है। इस पर थाना डीडवाना पर मुकदमा दर्ज कर जांच थानाधिकारी खूनखुना बनवारी लाल को सौंपी दी।

पुलिस ने जांच की तो आरोपी की पहचान के बाद अभियुक्त रामदेव जाट को सांसद को सोशल मीडिया पर धमकी देने के आरोप में हैदराबाद (तेलंगाना) से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर चार दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।

राहुल गांधी की यात्रा से पूर्वी राजस्थान पर कांग्रेस की नजर

मीणा-गुर्जर वोटबैंक साधने की कवायद

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में है जहां कई मीणा और गुर्जर बाहुल्य इलाके हैं. ऐसे में राहुल ने यात्रा के दौरान मीणा जनजाति की पारंपरिक वेशभूषा पहने दो महिलाओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है. राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से गुजर रही है जहां राहुल संगठन को नई ऊर्जा देने के साथ ही खुद की जमीन फिर से तैयार कर रहे हैं. वहीं जिन राज्यों से होकर राहुल कदमताल कर रहे हैं वहां के चुनावी समीकरणों को भी बखूबी साध रहे हैं.

फिलहाल हिमाचल प्रदेश की जीत को संजीवनी समझ कांग्रेस की नजर अब राजस्थान में रिवाज बदलना है. राजस्थान में 2023 के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं ऐसे में राहुल यात्रा के दौरान सूबे के हर जिले में अलग संदेश दे रहे हैं. फिलहाल राहुल यात्रा के आठवें दिन टोंक-सवाईमाधोपुर में चल रही है जहां मीणा और गुर्जर बाहुल्य इलाके हैं. ऐसे में राहुल ने यात्रा के दौरान मीणा जनजाति की पारंपरिक वेशभूषा पहने दो महिलाओं के साथ फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है. माना जा रहा है कि राहुल यात्रा से हाड़ौती अंचल में मीणा-गुर्जर वोटर्स तक संदेश देना चाहते हैं और कांग्रेस राहुल गांधी के जरिए पूर्वी राजस्थान के वोटर्स को साधना चाहती है. इसके अलावा राहुल यात्रा के दौरान रास्ते में स्थानीय लोगों की समस्याओं का भी समाधान करवा रहे हैं जिससे लोगों के बीच एक सकारात्मक संदेश पहुंच रहा है.

दरअसल, पूर्वी राजस्थान के 7 जिलों की 39 विधानसभा सीटों पर मीणा-गुर्जर मतदाताओं की संख्या काफी ज्यादा है और यही वोटर्स चुनावी पासा बदलने का दम रखते हैं. वहीं मीणा कांग्रेस का परंपरागत वोटबैंक माना जाता है जहां विधानसभा चुनाव 2018 के आंकड़े गवाह है कि कांग्रेस ने 39 में से 35 सीटें जीतकर इस इलाके में बीजेपी का सफाया कर दिया था.

वहीं दौसा और सवाईमाधोपुर बेल्ट में जहां बीजेपी नेता किरोड़ी लाल मीणा के वर्चस्व वाला इलाका है वहां भी कांग्रेस ने सेंध लगाई थी. किरोड़ी लाल मीणा का गढ़ होते हुए भी 2018 के चुनावों में उनकी पत्नी गोलमा देवी को हार का सामना करना पड़ा था. इसके अलावा जानकारों का कहना है कि पूर्वी राजस्थान में गुर्जर वोटर्स को साधने के लिए कांग्रेस सचिन पायलट के भरोसे है. हाल में पायलट ने बयाना में एक जनसभा को संबोधित किया था जहां कहा था कि इस बार दोनों हाथों से कांग्रेस का साथ देना है.

राहुल की यात्रा में दिखा प्रियंका का क्रेज

लोक कलाकारों संग थिरकीं; सेल्फी लेने की मची होड़

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बूंदी में भारत जोड़ो यात्रा के आठवें दिन प्रियंका गांधी अपनी बेटी मिराया और पति रॉबर्ट वाड्रा के साथ शामिल हुई. यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी का अलग अंदाज देखने को मिला है जहां उन्होंने कई स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की.

राहुल की यात्रा में दिखा प्रियंका का क्रेज, लोक कलाकारों संग थिरकीं; सेल्फी लेने की मची होड़स्थानीय लोगों से मुलाकात करते राहुल और प्रियंका गांधी

राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का आठवां दिन महिला शक्ति को समर्पित किया गया है जहां बूंदी के तेजाजी महामंदिर से शुरू हुई यात्रा में करीब 5 हजार से अधिक महिलाओं ने राहुल के साथ कदमताल किया. वहीं प्रियंका गांधी अपनी बेटी मिराया और पति रॉबर्ट वाड्रा के साथ राहुल गांधी के साथ यात्रा में शामिल हुई है. वहीं यात्रा सवाई माधोपुर जिले में पहुंच गई है जहां खंडार क्षेत्र के पीपलवाड़ा में लंच के बाद दूसरे चरण की यात्रा शुरू होगी. मालूम हो कि आज की यात्रा को 'महिला शक्ति पदयात्रा' नाम दिया गया है. यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी का अलग अंदाज देखने को मिला है. प्रियंका सवाई माधोपुर पहुंचने पर लोक कलाकारों के साथ थिरकी और स्थानीय महिलाओं से भी मुलाकात की.

वहीं राजस्थान में यात्रा में पहली बार शामिल होने पर प्रियंका के लिए महिलाओं, लड़कियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखा गया. बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए आसपास के जिलों की महिलाएं लगातार पहुंच रही हैं और कांग्रेस नेताओं को क्षेत्रवार महिलाओं को पदयात्रा में लाने की जिम्मेदारी दी गई है.

भारत जोड़ो यात्रा का आज 95वां दिन है जहां लंच ब्रेक के बाद दूसरे चरण की यात्रा शाम 6:30 बजे खंडार के कुस्तला पहुंचेगी जहां राहुल गांधी की एक सभा होनी है. वहीं खंडार के बोरिफ में यात्रा का रात्रि विश्राम दिया गया है.

कलाकारों संग थिरके प्रियंका-रॉबर्ट वाड्रा

प्रियंका गांधी के राहुल के साथ चलने के दौरान सेल्फी लेने वालों में होड़ सी मची रही और युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला. इसके साथ ही यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी का भी अलग अंदाज देखने को मिला जहां प्रियंका ने पहले बच्चों संग दौड़ लगाई और इसके बाद वह लोक कलाकारों के साथ थिरकी.

बता दें कि यात्रा में मशहूर कलाकार गुलाबो सपेरा ने प्रस्तुति दी जिस पर प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा थिरकते हुए दिखाई दिए. वहीं यात्रा में प्रियंका के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई है. इसके अलावा राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों की भी महिला सांसद, विधायक और मंत्री भी शामिल हुई हैं.

प्रदेश की महिला मंत्रियों में ममता भूपेश, शकुंतला रावत और जाहिदा खान शामिल रहीं. वहीं राजस्थान महिला कांग्रेस की अध्यक्ष और राजस्थान राज्य महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, समाज कल्याण आयोग राजस्थान की अध्यक्ष अर्चना शर्मा समेत प्रदेश की कई महिला विधायक भी राहुल गांधी के साथ चल रही हैं.

'सोने का अंडा' देने वाली पेटी : बॉक्स से रोज 10 हजार रुपये निकलने का तांत्रिकों ने दिया झांसा, 41 लाख ठगे

अजमेर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। अभी तक आपने सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की कहानी सुनी होगी लेकिन अजमेर में एक शिक्षक को लकड़ी की पेटी देकर तांत्रिक ने ठग लिया। तांत्रिकों ने कहा कि पेटी से हर रोज 10 हजार रुपये निकलेंगे। पैसे के लालच में शिक्षक तांत्रिक की जाल में फंसता चला गया। अजमेर में दो तांत्रिकों ने जादू टोना का झांसा देकर एक सरकारी शिक्षक से लाखों रुपये लूट लिए। शिक्षक ने 41 लाख 45 हजार रुपये की ठगी की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस दोनों आरोपी तांत्रिक की तलाश में जुट गई है। अजमेर रोड केकड़ी निवासी तृतीय श्रेणी के अध्यापक अशोक पुत्र रामप्रसाद मीणा ने न्यायालय के जरिए केकड़ी सिटी थाने में केस दर्ज करवाया है। शिक्षक ने बताया कि वह धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। वह

मार्च 2019 में देवगांव गेट बाहर स्थित दीदारनाथ आश्रम में माता काली के मंदिर में जाया करता था। वहीं उसकी मुलाकात सब्जी मंडी केकड़ी निवासी जयप्रकाश शर्मा उर्फ सिद्धांत अघोरी से मुलाकात हुई। जिसने अपने आप को सिद्ध तांत्रिक बताया और उसे विश्वास में ले लिया। सरकारी स्कूल टीचर का आरोप है कि 14 जनवरी 2020 को आरोपी जयप्रकाश ने उसे अमीर बनाने का विश्वास दिलाया। उसने कहा कि शाहपुर जिला महाराष्ट्र निवासी शिवनाथ बहुत बड़ा तांत्रिक है और वह तुम्हें एक लकड़ी की पेटी देगा। जिसमें से हर रोज 10 हजार रुपये निकलेंगे, जो तीन साल तक की अवधि तक प्रतिदिन निकलते रहेंगे। शिक्षक अशोक मीणा तांत्रिक जयप्रकाश के झांसे में आ गया। उसने तीन लाख रुपये तांत्रिक के खाते में डाल दिए। उसके बाद शिक्षक महाराष्ट्र गया, जहां तांत्रिक ने उसे लकड़ी की पेटी दी। शिक्षक का कहना है कि छह दिन तक पेटी से 10 हजार रुपये निकले लेकिन बाद में पैसे निकलने बंद हो गए। शिक्षक ने इसकी जानकारी तांत्रिक जयप्रकाश को दी। जिस पर उसने कहा कि वो तांत्रिक शिवनाथ से बात करेंगे। दोनों तांत्रिकों ने शिक्षक को पेटी लेकर वापस बुलाया।

तांत्रिक शिवनाथ ने कहा कि अभी कोरोना के कारण मंदिर-मस्जिद सब बंद है। मस्जिद खुलने के बाद पीर बाबा के स्थान पर ले जाकर पेटी को दुरूस्त कर दूंगा। ऐसा कहकर शिवनाथ ने पेटी अपने पास रख ली।

पति ने पत्नी को मारी गोली

चाकू से भी किए ताबड़तोड़ वार, प्रेमी के साथ भाग गई थी महिला

भरतपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पत्नी डेढ़ महीने पहले अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी। दो दिन पहले ही पुलिस ने उसे दस्तयाब किया था। तब पत्नी ने पति के साथ जाने की बात कही थी।

भरतपुर के एक गांव में पति ने पत्नी को गोली मार दी और चाकू से गोद दिया। गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पति अपनी पत्नी के प्रेम प्रसंग से नाराज था। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार बयाना के गांव नगला मेदसिंह निवासी बबली (30) पत्नी राम किशोर सैन का गांव के ही एक दूसरी जाति के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। डेढ़ महीने पहले बबली पति को छोड़कर उसी युवक के साथ भाग गई। पति की शिकायत पर पुलिस ने दो दिन पहले महिला और युवक को नागौर से दस्तयाब किया। इसके बाद बबली ने अपने पति के साथ जाने की इच्छा जाहिर की थी। जिसके बाद वो अपने पति के साथ घर चली गई।

लोगों का कहना है कि पति पत्नी के प्रेम प्रसंग से नाराज था। रविवार रात करीब 9 बजे पति रामकिशोर सैन ने बबली के पीठ में गोली मार दी और चाकूओ से गोद दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल बबली को पीएचसी ले जाया गया, लेकिन वहां से उसे तुरंत ही जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है।

जयपुर में जज के खिलाफ हत्या का केस दर्ज

परिवार का आरोप- कर्मचारी से नौकर की तरह काम करवाते थे, घर नहीं जाने देते थे

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में जिला जज एस छालाना के घर मिली न्यायिक कर्मचारी सुभाष मेहरा की लाश के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना भाकरोटा क्षेत्र के कमला नेहरू नगर में एस छालाना का निजी आवास की थी। मृतक की बहन मुन्नी देवी की रिपोर्ट पर पुलिस ने की हत्या का मामला दर्ज किया हैं। मृतक के परिवार ने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

मृतक के बहन ने रिपोर्ट में बताया- भाई छह माह से एनडीपीएस कोर्ट के जज के घर पर

रह रहा था। जज और उनकी पत्नी सुभाष मेहरा से घर के नौकर की तरह काम करवाते थे। उसे इस काम के लिए डराया और धमकाया जाता था। जज मृतक को अपने घर में ही बंद कर रखता था। मृतक सुभाष मेहरा जज और उनकी पत्नी से काफी परेशान था। मृतक को जज और उनकी पत्नी न तो घर जाने देते। न ही परिवार से सम्पर्क करने देते थे। मृतक की बहन ने आरोप लगाया- घटना से 6-7 दिन पहले सुभाष परेशान होकर घर लौट आया था। दो-तीन दिन बाद ही सुभाष नगर थाने से पुलिसकर्मी घर आए। जबरन उसे जज के घर ले जाने लगे। परिवार के सदस्यों ने कहा- वह बीमार है। उसके बाद भी पुलिसकर्मी उनके घर से जबरन लेकर गए। कुछ ही देर बाद एक पुलिसकर्मी उनके घर दोबारा आया। सुभाष के कपड़े लेकर गया। मुन्नी देवी ने आरोप लगाया कि 10 नंबबर की सुबह 10 बजे एक पुलिस वाला मेरी बहन संगीता के घर मेहरो के बाग में पहुंचा। उससे कहा- सुभाष मेहरा की तबीयत ज्यादा खराब है। हमारे साथ चलो। जिस पर जीजा अनिल, मम्मी मुन्नी देवी और बड़ा भाई सुनील पुलिस वालों के साथ जज के घर चले गए। पुलिस वाले अपनी गाड़ी में लेकर गए। जज के घर जीजाजी और घरवालों से पूछताछ की। फिर परिवार को घर की छत पर लेकर गए।

आज से सर्दी दिखाएगी अपने तेवर

चूरू-फतेहपुर सबसे ठंडे

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से राजस्थान में सर्दी बढ़ने वाली है। उत्तरी हवाएं मौसम में ठंडक बढ़ा देगी। दक्षिणी राजस्थान में बादल छाए रहने की संभावना है। राजस्थान में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनसुार 48 घंटे में पारा में गिरावट हो सकती है। सोमवार रात से मौसम में ठंडक घुलने के साथ ही कुछ जिलों में तापमान जमाव बिंदू तक पहुंच सकता है। मंगलवार से फिर से उत्तरी हवाएं मौसम में ठंडक घोलेगी। फतेहपुर, जोबनेर, माउंट आबू, चूरू सहित एक से दो जगहों पर पारा जमाव बिंदू तक पहुंचने के आसार रहेंगे। वहीं बीते 48 घंटे में राजधानी जयपुर सहित कई जिलों के तापमान में उतार-चढाव देखने को मिला। माउंट आबू, अजमेर, धौलपुर, सीकर, चूरू, पिलानी समेत कई शहरों में सोमवार की रात न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा। दूसरी ओर जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर में रात के साथ दिन में भी तापमान बढ़ा है। 24 घंटे में बीती रात को माउंट आबू का पारा छह डिग्री सेल्सियस, फतेहपुर का पारा 4.5 डिग्री, करौली में 7.1 और बारां के अंता में 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विनोद कुमार ने केंद्र से की रेलवे के 3.15 लाख पद भरने की मांग

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार ने केंद्र सरकार से रेल मंत्रालय में खाली पड़े सभी 3,15,823 पदों को तुरंत भरने की मांग की है। विनोद कुमार ने सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में जानकारी दी है कि रेलवे विभाग में कुल 3,15,823 पद रिक्त हैं, जिनमें 17,134 पद दक्षिण मध्य रेलवे में हैं।

बीआरएस नेता ने रिक्त पदों पर चुप्पी बनाए रखने के लिए तेलंगाना के चार भाजपा सांसदों की भी गलती पाई और पूछा कि भाजपा नेता केंद्र सरकार से एससीआर संभाग में भर्ती अभियान चलाने की मांग क्यों नहीं कर रहे हैं। विनोद कुमार ने कहा कि जैसा कि तेलंगाना के हजारों युवा रेलवे की नौकरियों के इच्छुक हैं और कुछ वर्षों से नौकरी की अधिसूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तेलंगाना के भाजपा सांसदों को विशेष रूप से साउथ सेंट्रल रेलवे जोन में नौकरी की अधिसूचना जारी करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की पहल करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में खाली पड़े सभी पदों को तुरंत भरे।

भीलवाड़ा से सिखवाल युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष घनश्याम तिवाड़ी एवं श्री सिखवाल सेवा संस्थान के अध्यक्ष लादुलाल व्यास, सचिव गोविन्द तिवाड़ी, प्रभारी डॉ.शिवनारायण ओझा व पधारे अतिथियों का सम्मान करते हुए सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना के मार्गदर्शक रामदेव नागला, अध्यक्ष नरेश पांडिया, सचिव मुरलीधर तिवाड़ी, दिनेश पांडिया, पवन पुरोहित एवं भागीरथ पांडिया।

मैत्री मूवी मेकर्स के ऑफिस पर आईटी का छापा

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग ने सोमवार को हैदराबाद की एक प्रमुख फिल्म निर्माण कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स के यहां छापेमारी की। आईटी अधिकारियों ने कथित तौर पर तीन निर्माताओं येलमंचिली रविशंकर, नवीन अर्नेनी और चेरुकुरी मोहन के कार्यालयों और परिसरों सहित 15 स्थानों पर तलाशी ली। प्रोडक्शन कंपनी ने कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों जैसे पुष्पा, रंगस्थलम, श्रीमंथुडु और जनता गैरेज का निर्माण किया। इसके अलावा, मैथरी ने हाल के दिनों में चिरंजीवी, बालकृष्ण, पवन कल्याण और विजय डी जैसे अभिनेताओं को भारी रकम देकर कई बड़े प्रोजेक्ट भी लिए हैं। कई प्रोजेक्ट लाइन में भी हैं। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण की नवीनतम फिल्म उस्ताद भगत सिंह कंपनी द्वारा निर्मित की जा रही है और 2023 में रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्में बनाने के अलावा, उन्होंने फिल्म वितरण में भी कदम रखा। चर्चा है कि एनआरआई का निवेश इसी बैनर के साथ है।

मंत्री सत्यवती ने अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा

महबूबाबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने संबंधित अधिकारियों को जिले में सड़कों के निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने सोमवार को समाहरणालय में स्थानीय विधायक बी शंकर नाईक के साथ सड़क निर्माण की प्रगति, डबल बेडरूम निर्माण सहित अन्य मुद्दों की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को नवगठित ग्राम पंचायतों में नालों और सड़कों के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा है क्योंकि राज्य सरकार द्वारा कई आदिवासी बस्तियों (थंडा) को जीपी बनाया गया है। उन्होंने अधिकारियों से महबूबाबाद शहर में मूडू कोटला केंद्र, ज्योतिराव फुले और वाईएसआर जंक्शनों को विकसित करने के लिए कहा। यह कहते हुए कि सरकार ने दोरनाकल सड़कों के निर्माण के लिए 42.60 करोड़ रुपये मंजूर किए, उन्होंने अधिकारियों से तुरंत काम शुरू करने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नई सड़कों के निर्माण के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करें, जिसमें कहा गया है कि वह धन की स्वीकृति सुनिश्चित करेगी। येल्लंदु से पाखल तक सड़क पर पुलों का निर्माण जल्द ही शुरू किया जाना चाहिए। इसी तरह कुरावी से जंगीलीगोंडा सड़क, गरला-रामपुर पुल और भूपतिपेट से कोठागुड़ा पुल के स्वीकृत पुल निर्माण कार्य को तेजी से किया जाए। उन्होंने 2बीएचके मकानों के निर्माण का जिक्र करते हुए अधिकारियों से कहा कि महबूबाबाद शहरी क्षेत्र और पेनुगोंडा में डबल बेडरूम वाले मकानों का काम इस महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाए। विधायक शंकर नाइक ने कहा कि चिन्नानगरम से एर्राबिलीगुडेम सड़क का निर्माण तुरंत किया जाना चाहिए। भारी बारिश के कारण पोकला थंडा पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसे देखते हुए नेलवांचा-मटेवाड़ा मार्ग पर डामर की परत बिछाई जाए।

जिला कलेक्टर शशांक ने विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि महबूबाबाद में मिशन भागीरथ योजना के तहत 25 करोड़ रुपये से कार्य किये गये हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमृत के तहत 25 करोड़ रुपये मंजूर किए जाते हैं, तो हम पर्याप्त पानी उपलब्ध करा सकते हैं।

शशांक ने स्वास्थ्य विभाग की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 173 उपकेन्द्र हैं, जहां 64 उपकेंद्रों में सरकारी भवन हैं, वहीं 74 उपकेंद्रों का निर्माण हाल ही में किया गया है। आईटीडीए सीमा के तहत उप-केंद्रों के पांच भवन विकास के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अतिरिक्त 30 उपकेन्द्रों का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। उनमें से 26 नए और चार पुराने हैं।

पिता के सपने को पूरा करने के लिए शख्स ने बनाया श्मशान घाट

मचेरियल, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने पिता के लंबे समय से पोषित सपने को साकार करने और समाज को वापस देने के लिए, एक सरकारी अधिकारी ने लक्सेटिपेट में स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत दो एकड़ भूमि पर एक श्मशान का निर्माण किया है। पी. रंगा राव, जो पेद्दापल्ली जिले में सड़क परिवहन अधिकारी के रूप में काम करते हैं, लक्सेटिपेट शहर के रहने वाले हैं, ने करीब 60 लाख रुपये खर्च करके उक्त कार्य को पूरा किया। पी. रंगा राव ने न केवल अपने पिता सत्यनारायण के लंबे समय से लंबित सपने को पूरा किया, बल्कि गोदावरी नदी के तट पर श्मशान का निर्माण करके शहर के लोगों को भी राहत दी। उन्होंने बताया कि मेरे पिता सत्यनारायण, शहर के एक प्रमुख वकील, हमेशा स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए एक श्मशान बनाने का सपना देखते थे। उन्होंने 2012 में सरकार से जमीन देने का अनुरोध करके सुविधा के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन 2015 में उनका निधन हो गया। हालांकि, मैंने 2020 के दिसंबर में संरचना को पूरा करके उनके सपने को पूरा किया।

श्री राव ने कहा कि उन्होंने अपनी बचत और दान की मदद से श्मशान का निर्माण किया और अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों द्वारा इस नेक काम के लिए उदारतापूर्वक योगदान दिया।

उन्होंने शुरू में यह सुविधा लक्सेटिपेट नगर पालिका को सौंप दी थी, लेकिन बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए अपने पिता की स्मृति में एक ट्रस्ट की स्थापना करके इसे संचालित करने का फैसला किया। श्मशान में शवों को जल्दी से जलाने और पैसे बचाने के लिए तीन एयर-ब्लोअर-आधारित प्लेटफॉर्म हैं। बाथरूम, शावर, राख रखने के लिए विशेष कमरे, लगभग 100 छाया, फल देने वाले पेड़, और बेघरों को अस्थायी आश्रय प्रदान करने के लिए अतिरिक्त कमरे जब उनके परिवार के सदस्यों की मृत्यु हो जाती है, ये सभी प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में से हैं। अंतिम संस्कार करने के वित्तीय बोझ को कम करके राव की पहल निवासियों के काम आई है। सुविधा का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं को कोई शुल्क नहीं देना होगा। हालांकि, उन्हें शव के अंतिम संस्कार के लिए स्थानीय विक्रेता से लकड़ी खरीदनी चाहिए। ट्रस्ट के मुताबिक, अब तक करीब 100 शवों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है।

शी टीम के सदस्यों ने जागरूकता का कार्यक्रम किया

आसिफाबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एडिशनल एसपी एडमिन अचलेश्वर राव के आदेश पर कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस शी टीम, पुलिस टीम और चाइल्ड केयर टीम ने लिंग मुक्त समाज बनाने के लिए केरीमेरी मंडल आश्रम स्कूल और कस्तूरबा गांधी स्कूल के छात्रों के लिए लैंगिक भेदभाव और साइबर अपराध और 100 डायल पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।केरामेरी मंडल एसएसआई वेंकटेश मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में भाग लिया। एसआई वेंकटेश ने सुझाव दिया कि यदि कोई छात्रों, महिलाओं, छेड़खानी और साइबर अपराध के खिलाफ हिंसा का शिकार है, तो उसे तुरंत शि टीम से संपर्क करना चाहिए। किसी भी आपात स्थिति में 100 डायल करें या शी टीम आसिफाबाद 8333986783 पर संपर्क करें। इस कार्यक्रम में आसिफाबाद शि टीम प्रभारी सुनीता सदस्य स्वप्ना, श्रीलता कलाबंदम प्रभारी राजलिंगम चाइल्ड केयर झांसी रानी व स्कूल प्रधानाध्यापिका प्रेम सिंह मीना कुमारी ने भाग लिया।

समितियों के गठन से कांग्रेस विधायक दल के नेता निराश

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज तेलंगाना में पार्टी की विभिन्न समितियों के गठन पर निराशा व्यक्त की। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भट्टी ने कहा कि समितियों के गठन से पहले पार्टी आलाकमान ने भी उनसे सलाह नहीं ली थी। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि टीपीसीसी प्रमुख और सीएलपी नेता दोनों ही पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान द्वारा उनसे परामर्श करने के फैसले के पीछे के कारणों के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं ने उनसे मुलाकात की और समितियों में उनके नाम शामिल नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि उन्होंने असंतुष्ट नेताओं को आश्वासन दिया था कि वह उनकी शिकायतों को पार्टी आलाकमान के संज्ञान में लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी आलाकमान ने पार्टी के किसी भी वरिष्ठ नेता से परामर्श किए बिना समितियों का गठन किया था। सीएलपी नेता ने अपने आवास पर एम. कोडंडा रेड्डी, वी हनुमंत राव, महेश्वर रेड्डी और ओयू नेताओं जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

टीएसआरटीओ ने पवन कल्याण के 'वराही' वाहन को हरी झंडी दी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में प्रत्याशित बस यात्रा के लिए, जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने वराही नामक एक वाहन तैयार किया है। आंध्र प्रदेश में सत्ताधारी दल के नेताओं को हालांकि वाहन के रंग से समस्या है। वाईएसआरसीपी के नेता इस बात पर बहस कर रहे हैं कि सैन्य वाहनों पर इस्तेमाल होने वाले जैतून के हरे रंग का इस्तेमाल निजी कारों या वाहनों पर भी किया जा सकता है या नहीं। हालाँकि, वाईएसआरसीपी नेताओं को पवन कल्याण से भी उपयुक्त प्रतिक्रिया मिली। इसके आलोक में वाराही के वाहन को अनुमति मिल गई। तेलंगाना के आरटीओ के बयान के अनुसार, वाराही वाहन के पास परिवहन विभाग की सभी आवश्यक अनुमतियां हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वाराही का रजिस्ट्रेशन हाल ही में पूरा हुआ है। यह भी ज्ञात है कि वराही को तेलंगाना परिवहन विभाग द्वारा पंजीकरण नंबर टीएस-13 ईएक्स 8384 सौंपा गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शनिवार को जिले के टेकुलापल्ली मंडल में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर, धारावत अशोक कुमार की हत्या के आरोपी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

तेकुलापल्ली पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि आरोपी गुगुलोथ प्रेम कुमार मंडल में मुत्यालमपडु चरण के हैं और उन्हें सोमवार को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। कहा जाता है कि प्रेम कुमार की बहन और अशोक कुमार के बीच प्रेम संबंध थे, जिसने कथित तौर पर उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन उसे धोखा दिया और दूसरी महिला से शादी कर ली।

गोवा ड्रग पेडलर और अपराधी के खिलाफ डी एक्ट लागू

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन, ईस्ट जोन, हैदराबाद के ड्रग अपराधी तथा गोवा के ड्रग पेडलर स्वर्गीय नारायण बोरकर के पुत्र प्रीतेश नारायण बोरकर उर्फ बाबू उर्फ खली के खिलाफ डिटेंशन एक्ट लागू किया गया। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने 1986 के अधिनियम संख्या 1 (पी.डी. अधिनियम) के तहत प्रीतेश नारायण बोरकर उर्फ बाबू (36) और एच.एन.ओ. के निवासी के खिलाफ निवारक हिरासत आदेश जारी किया। हिरासत में लिए गए प्रीतेश नारायण बोरकर आदतन गोवा राज्य और अन्य शहरों में हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की सीमा में "मादक दवाओं" की तस्करी कर रहे थे। वह गाओ राज्य का एक अंतर्राज्यीय ड्रग पेडलर है, उसके तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और गोवा राज्यों में 600 से अधिक उपभोक्ता हैं।

साहित्य सेवा समिति की 94वीं गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था साहित्य सेवा समिति की 94वीं गोष्ठी आनलाइन सम्पन्न की गई। आनलाइन आयोजनकर्ता गीता अग्रवाल रहीं। इस बार चर्चा का विषय था, हैदराबाद के सुप्रतिष्ठित कवि श्रृंखलाः 2 के अंतर्गत शशि नारायण 'स्वाधीन'। अंतरंग परिचय दिया नीरज कुमार ने और हमारे प्रमुख वक्ता थे प्रो. ऋषभदेव शर्मा। कार्यक्रम का आरम्भ सुश्री मोहिनी गुप्ता जी के सरस्वती वंदना से किया गया। सभी उपस्थिति कवि वृंद का स्वागत भाषण और कार्यक्रम का संचालन समिति की महामंत्री सुनीता लुल्ला ने किया। नीरज कुमार ने शशि नारायण स्वाधीन के साथ उनका अंतरंग परिचय दिया। अंतरंग परिचय के बाद आज के प्रमुख वक्ता प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि स्वाधीन जी के साहित्य में विद्रोह का स्वर और समय की पुकार बड़ी प्रखर होती थी। वैसे स्वाधीन जी की ऋषभ देव जी से पहली मुलाकात चैन्नई में हिन्दी प्रचार सभा में हुई। और बाद में तो हैदराबाद में भी गाहे-बगाहे होती रही। वह लगातार लेखन में गतिशील थे। कार्यक्रम का समापन हुआ चंद्र प्रकाश दायमा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

महिला बीड़ी मजदूरों ने डबल बेडरूम निर्माण के लिये विधायक को घेरा

मदनूर, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे सोमवार के दिन मंडल केंद्र में नूतन ग्रंथालय भवन का शुभारंभ करने के बाद स्थानीय महिला बीड़ी मजदूरों ने डबल बेडरूम निर्माण की मांग को लेकर जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे को घेरा। महिलाओं ने बताए कि आप दो साल से डबल बेडरूम के नाम पर हमे गुमराह कर रहे हैं। हम ने दो साल से मंडल केंद्र से लेकर जिला केंद्र तक चक्कर लगाये, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। इस पर विधायक ने महिलाओं को बताया कि आप का कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर से अनुमति आते ही आपको प्रमाण पत्र दिये जाएंगे।

अपने स्वार्थ के लिए यज्ञ कर रहे हैं सीएम केसीआर : बंडी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव अपने स्वार्थ के लिए राजा श्यामला यज्ञ कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री यज्ञ को गवाह बनाकर यह शपथ लें कि उनकी पुत्री के. कविता इस सनसनीखेज शराब घोटाले में शामिल नहीं है। उन्होंने यह भी मांग की कि सीएम तेलंगाना में केंद्र सरकार की योजनाओं को कमजोर करने के पीछे के कारणों को बताएं।

बीजेपी नेता ने सीएम से पूछा कि उन्होंने शराब घोटाले में अपनी बेटी की संलिप्तता के बारे में खबरों की निंदा क्यों नहीं की।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अलग तेलंगाना राज्य की भावना को भड़का कर अगले विधानसभा चुनाव में फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। जगितियाल जिले के चेलगल गांव के निवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने ग्रामीणों से बीड़ी श्रमिकों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली. उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि सत्ता में आने के बाद उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

स्थानीय सरपंच संघ के अध्यक्ष दरासवार सुरेश की अध्यक्षता में आयोजित कर्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिये जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे ने सोमवार के दिन विविध विकासात्मक कार्य का शुभारंभ किया। इस समय मंडल विकास अध्यक्ष वागमारे लक्ष्मीबाई, एमपीटीसी संगीता खुशाल, ग्रंथालय चेयरमैन राजेश्वर, तेलंगाना राष्ट्र समिति मंडल अध्यक्ष संगमेश्वर आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान जयपुर से नगर पधारे पुलिस एसपी सरद चौधरी (जाट) से मिलकर राजस्थान में जाट बंधुओं की कई समस्याओं के बारे में चर्चा करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका।

बोया (वाल्मीकि) सोसायटी के अध्यक्ष चुने जाने पर नैनी रत्नकुमार को सम्मानित करते हुए सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद।

मानवता के प्रतीक थे केवी रंगारेड्डी : लक्ष्मीकांत

कोंडा वेंकट रंगारेड्डी की 132वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एवी कालेज, दोमलगुड़ा में आंध्र प्रदेश के प्रथम उपमुख्यमंत्री कोंडा वेंकट रंगारेड्डी की 132वीं जयंती मनाई गयी। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में रेड्डी हास्टल अध्यक्ष कोंडा लक्ष्मीकांत रेड्डी ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के. लक्ष्मीकांत रेड्डी ने कहा कि स्व. कोंडा वेंकटरं गारेड्डी जो मानवता के प्रतीक थे तथा उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन सहित तेलंगाना आंदोलन में भाग लेकर बडी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यही नहीं, उन्होंने महिला शिक्षा को प्रधानता देने में भी महत्वपूर्ण निभायी थी। साथ ही उन्होंने रेड्डी हास्टल की स्थापना व निर्माण के चलते माल कारकुजी एवं रेड्डी महिला वसति गृह के प्रति सहायता निधि की भी व्यवस्था की। कार्यक्रम में केवी रंगारेड्डी के पुत्र तथा एवी एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. के. रामचंद्र रेड्उी ने अपने पिता के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा गरीब परिवार के विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए उनका विशेष सहयोग को रेखांकित किया। इस अवसर पर केवीआर लॉ कालेज कारेसपांडेंट के. विनोद रेड्डी, एवी कालेज कारेस्पांडेंट डॉ. के. गौतमी, लॉ कालेज प्राचार्य जयपाल रेड्डी, एवी कालेज प्राचार्य डॉ. सीएच राजलिंगम, पीजी डाइरेक्टर डॉ. एम. भगवंत रेड्डी सहित कोंडा वेंकट रेड्डी के परिवार सदस्यों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

भारत-चीन सैनिकों ...

दरअसल, चीन दक्षिणी तिब्बत को अपना क्षेत्र बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया। इसके पहले 2017 में चीन ने 6 जगहों के नाम बदले थे। चीन के इस कदम का भारत ने भी करारा जवाब दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। नाम बदलने से सच्चाई नहीं बदलती। चीन ने 2017 में भी ऐसा ही कदम उठाया था। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था और हमेशा रहेगा।

अरुणाचल और अक्साई चीन पर भी विवाद :

दोनों देशों में 3488 किलोमीटर लंबी एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) को लेकर विवाद है। हालांकि, चीन अरुणाचल प्रदेश वाले हिस्से को भी विवादित मानता है। अरुणाचल प्रदेश की 1126 किलोमीटर लंबी सीमा चीन के साथ और 520 किलोमीटर लंबी सीमा के साथ मिलती है। चीन का दावा है कि अरुणाचल पारंपरिक तौर पर दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है, वहीं भारत अक्साई चिन इलाके को अपना बताता है। 1962 के युद्ध में चीन ने अक्साई चिन वाले हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

ढाई साल पहले गलवान घाटी में हुई थी झड़प :

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर ढाई साल पहले भी हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि चीन 38 सैनिक मारे गए थे, हालांकि चीन इसे लगातार छिपाता रहा। जवानों की नदी में बहने से मौत हुई थी।

सदन में जाति और धर्म...

पूछे गए सवाल का जवाब वे भी 'कमजोर हिंदी' में देंगी। इसके बाद सांसद रेड्डी ने आरोप लगाया कि वित्त मंत्री ने निचली जाति को लेकर टिप्पणी की जो कि गलत है। इसके बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने चेतावनी देते हुए कहा कि यहां किसी को भी सदन में इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अन्यथा मुझे ऐसे सदस्य के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी। इससे पहले रेड्डी रुपये के मूल्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली टिप्पणी का हवाला देते हुए सवाल पूछना शुरू किया तो ओम बिरला ने उनको टोका इसके बाद सासंद रेड्डी ने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि आप मुझे ऐसे नहीं रोक सकते। अध्यक्ष ने उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई और उन्हें सिर्फ सवाल पूछने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी से पार्टी के सदस्यों को यह समझाने के लिए कहा।

पहले टेस्ट में कप्तानी करेंगे राहुल

चोट के चलते बाहर हुए रोहित की जगह ईश्वरन टीम में

खेल डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। रोहित शर्मा चोटिल होने की वजह से पहले टेस्ट में टीम का का हिस्सा नहीं होंगे। इसके चलते टीम इंडिया की कमान केएल राहुल को सौपी गई है। रोहित शर्मा की जगह इंडिया A के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में शामिल किया गया है।

रोहित बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में हुए थे चोटिल

रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाड़ी दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे। उन्हें बाएं अंगूठे में चोट आई थी। रोहित ने तीसरा वनडे मैच नहीं खेला था। अब उन्हें पहले टेस्ट मैच में भी रेस्ट दिया गया है।

राहुल की कप्तानी में भारत दूसरी बार खेलेगा टेस्ट

केएल राहुल की कप्तानी में भारत ने अब तक एक ही टेस्ट मैच खेला है। इसमें भारत को हार मिली थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी साल जनवरी में राहुल को कप्तानी सौपी गई थी। इसमें साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से भारत को हराया था।

शमी और जडेजा स्क्वॉड में शामिल नहीं

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के स्क्वॉड में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और ऑल राउंडर रवींद्र जडेजा टीम में शामिल नहीं किए गए हैं।

दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ समय से चोटिल है और अभी तक वे इंजरी से उभर नहीं पाए। इस कारण दोनों को आराम दिया गया है। उनकी जगह नवदीप सैनी और सौरभ कुमार को टीम में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश ए के खिलाफ अभिमन्यु ईश्वरन के 2 शतक

बांग्लादेश टूर में इंडिया A ने बांग्लादेश A के खिलाफ 2 टेस्ट मैच खेले। भारत A ने 1-0 से टेस्ट सीरीज जीती। अभिमन्यु ईश्वरन ने इंडिया A की कप्तानी की थी। उन्होंने दोनों ही मैचों में शतक जड़े थे। पहले मैच में ईश्वरन ने 141 और दूसरे टेस्ट में उन्होंने 157 रन बनाए थे।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत का स्क्वॉड

केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), के एस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव,अभिमन्यु ईश्वरन, नवदीप सैनी, सौरभ कुमार, जयदेव उनादकट।

22 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज जीता इंग्लैंड

पाक अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से भी बाहर

मुल्तान, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। 17 साल बाद पाकिस्तान दौरा कर रही इंग्लैंड की टीम ने 3 टेस्ट मैचों की सीरीज जीत ली है। उसने दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान को 26 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

इंग्लैंड ने 22 साल बाद पाकिस्तान को उसके घर में टेस्ट सीरीज में हराया है। इससे पहले उसने 2001 में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीती थी।

यह सीरीज गंवाने के साथ ही पाकिस्तान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में फाइनल की रेस से बाहर हो गया है। वह पॉइंट टेबल में छठे पायदान पर है। उसके 42.42 % पॉइंट हैं। जबकि इंग्लैंड जीत के साथ 5वें नंबर पर आ गया है। अंग्रेजों के 44.44% अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले, साउथ अफ्रीका दूसरे, श्रीलंका तीसरे और इंडिया चौथे नंबर पर है।

सोमवार को मुल्तान में अंग्रेजों ने आखिरी पारी में पाकिस्तान को 102.1 ओवर में 328 रन पर

ऑलआउट कर दिया। पाक की ओर से सउद सकील ने सबसे ज्यादा 94 रन बनाए। जबकि इमाम उल हक ने 60 रनों का योगदान दिया। ओपनर अब्दुल्लाह शकील और मोहम्मद नवाज ने एक समान ने 45-45 रन की पारियां खेलीं। वहीं, मोहम्मद रिजवान ने 30 रन जोड़े।

इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने आखिरी पारी में 4 विकेट चटकाए। ओली रोबिन्सन और जिमी एंडरसन को 2-2 विकेट मिले।

पाक टीम ने 198/4 के स्कोर से चौथे दिन की शुरुआत की। उसे आखरी पारी में जीत के लिए 355 रनों का टारगेट मिला।

मैकुलम-स्टोक्स जोड़ी ने 8वीं सीरीज जीती है

ब्रैंडन मैकुलम के कोच और बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद इंग्लैंड ने 8वीं सीरीज जीती है। इस जोड़ी की लीडरशिप में टीम ने 9 सीरीज खेली हैं।

हैरी ब्रूक ने जमाया शतक

इंग्लिश टीम की ओर से दूसरी पारी में हैरी ब्रूक ने शतक जमाया। उन्होंने 108 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स 41 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ऑली रॉबिंसन 3, मार्क वुड 6 और जेम्स एंडरसन 4 रन बनाकर आउट हो गए। जैक लीच (0) के साथ नाबाद थे। पाकिस्तान की तरफ जाहिद महमूद ने 3 विकेट लिए थे।

नहीं चले बाबर

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम ने दूसरी पारी में अब तक 198 रन जोड़े। अब्दुल्ला शफीक और मोहम्मद रिजवान ओपनिंग करने उतरे। शफीक (45) और रिजवान (30) रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान बाबर आजम नहीं चले। वे 1 रन बनाकर आउट हो गए। ऑली रॉबिंसन ने उन्हें बोल्ड किया। इमाम उल हक ने 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। सऊद शकील (54) और फहीम अशरफ (3) नाबाद है। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, ऑली रॉबिंसन ,जैक लीच और मार्क वुड को 1-1 विकेट मिला।

स्टोक्स बने टेस्ट क्रिकेट के सिक्सर किंग

ब्रैंडन मैकुलम की बराबरी की ; वनडे और टी 20 में किनके नाम सबसे ज्यादा छक्के

मुल्तान, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान टेस्ट की दूसरी पारी में छक्का लगाते ही इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ने इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के जमाने के मामले में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रैंडन मैकुलम की बराबरी कर ली। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स के 88 टेस्मैट चों में 107 छक्के हो गए हैं। उन्हीं की टीम के कोच मैक्कुलम ने भी टेस्ट करियर में 107 छक्के लगाए थे।

31 साल के बेन स्टोक्स ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की दूसरी पारी में 41 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने एक चौका और एक छक्का जड़ा। इसी छक्के से वह टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बैटर्स में टॉप पर पहुंचे। उन्होंने पहली पारी में 30 रन बनाए थे। इस पारी में भी उन्होंने 3 चौके और एक छक्का लगाया था।

तीसरे टेस्ट में तोड़ सकते हैं रिकॉर्ड

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

प्लेयर	मैच	छक्के
बेन स्टोक्स, इंग्लैंड	88	107
ब्रेंडन मैक्कुलम, न्यूजीलैंड	101	107
एडम गिलक्रिस्ट, ऑस्ट्रेलिया	96	100
क्रिस गेल, वेस्टइंडीज	103	98
जैक कालिस, सा. अफ्रीका	166	97

स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे हैं। इस मैच में अब इंग्लैंड बैटिंग नहीं करेगा। ऐसे में स्टोक्स 17 दिसंबर से कराची में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के दौरान ही मैक्कुलम से आगे निकल पाएंगे। पहला टेस्ट जीतकर इंग्लैंड 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

भारत के लिए सहवाग टॉप पर

टीम इंडिया की बात करें तो पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं। उनके नाम 104 टेस्ट में 91 छक्के हैं। वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा के नाम सबसे ज्यादा छक्के हैं। वनडे के 235 मैचों में रोहित ने 256 और टी-20 के 148 मैचों में उन्होंने 182 छक्के लगाए हैं।

वनडे में अफरीदी की बादशाहत

वनडे क्रिकेट की बात करें तो पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी टॉप पर हैं। उनके नाम 398 मैचों में 351 छक्के हैं। उनके बाद वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने 331 और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने 270 छक्के लगाए हैं। भारत के रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी इस लिस्ट में चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। रोहित ने 256 और धोनी ने 229 छक्के जड़े हैं।

टी-20 में भी रोहित का राज

टी-20 इंटरनेशनल में भारत के रोहित शर्मा के नाम सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड है। रोहित ने 148 मैचों में 182 छक्के लगाए हैं। उनके बाद न्यूजीलैंड के गप्टिल ने 173 और ऑस्ट्रेलिया के ऐरन फिंच ने 125 छक्के जड़े हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 124 छक्कों के साथ चौथे और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ऑइन मॉर्गन 120 छक्कों के साथ लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं।

इंटरनेशनल में गेल हैं किंग

वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम तीनों फॉर्मेट मिलाकर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। 483 इंटरनेशनल मैचों में गेल ने 553 छक्के लगाए हैं। उनके बाद रोहित शर्मा और शाहिद अफरीदी का नाम हैं। रोहित ने 502 और अफरीदी ने 476 छक्के जड़े हैं। न्यूजीलैंड के मैक्कुलम और गप्टिल इस लिस्ट में चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। मैक्कुलम ने 398 और गप्टिल ने 383 छक्के जड़े हैं।

फुटबॉल की सबसे महान पीढ़ी का अंतिम पड़ाव

रोनाल्डो, नेमार, लेवानडोस्की जैसे दिग्गज अलविदा कहने के करीब

दोहा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।एक समय के बाद हर चीज का अंत होता है। मौजूदा फीफा वर्ल्ड कप में खेल रहे कई महान दिग्गजों के करियर की समाप्ति होने वाली है। क्वार्टर फाइनल में पिछले बार की रनरअप क्रोएशिया ने ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। इसके बाद ब्राजील के नेमार ने खेल से संन्यास लेने के संकेत दिए हैं। वे अभी अंतिम फैसले पर नहीं पहुंचे हैं। टूर्नामेंट में खेल रही अलग-अलग टीमों में कई खिलाड़ियों की उम्र 30+ है। इसमें हेडर किंग क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार, रॉबर्ट लेवानडोस्की सहित कई महान खिलाड़ी हैं। इनकी टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं।

अब अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी और डिफेंडिंग चैम्पियन फ्रांस के किलियन एमबापे की टीम पर सबकी नजर है। वर्ल्ड कप के पिछले दो हफ्तों में कई बार ऐसा महसूस हुआ कि यह वर्ल्ड कप अनिवार्य रूप से मेसी और रोनाल्डो के लिए एक समापन दौरा है। दोनों खिलाड़ियों का एक दशक से अधिक समय तक दबदबा रहा। इन्होंने शानदार प्रदर्शन कर न केवल कई रिकॉर्ड कायम किए, बल्कि अपनी टीम को बड़े-बड़े टूर्नामेंट में खिताब भी दिलाए हैं। इन दोनों के अलावा ले वा न डो स्की , सुआरेज, मोड्रिच, लुकाकू, बस्केट्स, मुलर, नेउर, जोर्डी अल्बा, सर्जियो रामोस, बेंजेमा, पॉल पोग्बा, एडेन हैजर्ड और केविन डि ब्रुएन जैसे कुछ दर्जन अन्य नाम भी हैं, जिनके लिए ये आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। हजार्ड को चेल्सी से जुड़े 10 साल हो चुके हैं। बेंजेमा 2009 में रियल मैड्रिड से जुड़े थे। उन्हें रियल में 13 साल हो गए हैं। इसी तरह अल्वेस के बार्सिलोना में 14 साल हो चुके हैं।

पिता ने ताने सुन बेटी को बनाया खिलाड़ी

अब जे&के की 'गोल्डन गर्ल' ने रचा इतिहास

खेल डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू एवं कश्मीर का नाम यूं तो आतंकी गतिविधियों से लिए लिया जाता है लेकिन अब यहां से खेल की दुनिया में भी कई खिलाड़ी नाम कमा रहे हैं.

जम्मू और कश्मीर का नाम अधिकतर आतंकी गतिविधियों के कारण चर्चा में रहता है. खेलों के लिए इस जगह का नाम बहुत कम लिया जाता है. उमरान मलिक, परवेज रसूल ने जरूर क्रिकेट की दुनिया में इस जगह को नई पहचान दिलाई है लेकिन लड़कियों का यहां से खेल में आना ऐसी खबर है जो सुनने को बहुत कम मिलती है. अब हालात बदल रहे हैं. जम्मू एवं कश्मीर की आयेरा चिश्ती ने इतिहास रचा है. आयेरा जम्मू और कश्मीर की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने वुशू में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पदक अपने नाम किया.

इस खिलाड़ी ने इंडोनेशिया में खेली गई चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया है और इसने जम्मू एवं कश्मीर की वुशू मार्शल आर्टस के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है. आयेरा ने मकाऊ की अपनी प्रतिद्वंदी को क्वार्टर फाइनल में हराया. सेमीफाइनल में वह हालांकि मिस्र की मलस ओसामा से हार गईं और इसी कारण वह कांस्य पदक तक ही सीमित रह गईं.

लगातार जीत रही हैं पदक

ये हालांकि पहली बार नहीं है जब आयेरा ने पदक अपने नाम किया है. इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया में इंटरनेशनल वुशू चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था. वह लगातार नेशनल लेवल से पदक जीतती आ रही हैं. मेरठ में भारतीय वुशू संघ द्वारा आयोजित कराई गई ट्रायल्स में उन्होंने हिस्सा लिया था और जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए चयनित हुई थीं.

अपनी बेटी की उपलब्धि पर उनके पिता ने कहा कि ये उनके पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है. ग्रेट कश्मीर की वेबसाइट ने आयेरा के पिता रइस चिश्ती के हवाले से लिखा है, "ये मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का पल है. मुझे अपनी बेटी पर गर्व है जो जम्मू और कश्मीर से विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली लड़की है.उन्होंने इससे पहले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं."

पिता को सुनने पड़े थे ताने

आयेरा अपने परिवार में अकेली नहीं है जो ये खेल खेलती हैं. उनकी बहन अनसा भी वुशू खेलती हैं. अपनी बेटियों को खेल में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उनके पिता को ताने सुनने पड़े थे. उनके पिता हालांकि चाहते थे कि वह बैडमिंटन खेलें. आवाज- द वॉइस नाम की वेबसाइट में 24 सितंबर 2022 को छपी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इन दोनों के पिता बैडमिंटन खिलाना चाहते थे, लेकिन बेटियों के कहने पर उन्होंने वुशू में रजिस्ट्रेशन कराया. वेबसाइट ने अनसा के हवाले से लिखा, "हमें नहीं पता था कि वुशू क्या होता है. लड़के-लड़कियों को पंच और किक करते देख हम उत्साहित हो गए. हमने इसके बारे में गूगल पर सर्च किया."

उनके पिता ने बताया कि अपनी बेटियों को खेल में भेजने के लिए उन्हें ताने सुनने पड़े थे. उन्होंने बताया, "वो हमें हत्तोसाहित करते थे. वह हमें ताने मारते थे. हमारा मजाक उड़ाते थे. मुझसे कहा गया था कि खेल लड़कियों के लिए नहीं है.उन्हें चोट लग जाएगी."

इंडियन विमेंस टीम की रोमांचक जीत

सुपर ओवर में ऑस्ट्रेलिया को हराया, सीरीज एक-एक से बराबर

खेल डेस्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। आखिरी बॉल पर विद्या के चौके और स्मृति मंधाना की आकर्षक पारी के दम पर इंडियन विमेंस टीम ने 5 बार की टी-20 वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर रोमांचक जीत दर्ज की है। उसने सांसे थाम देने वाले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 4 रन से हराया।

अहम बात यह कि वनडे वर्ल्ड कप के 7 खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम इस साल पहला टी-20 मुकाबला हारी है। सुपर ओवर में मिली इस जीत से भारतीय टीम ने 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है।

हजारों दर्शकों के बीच डीवाई पाटिल स्टेडियम में टीम इंडिया को जीत के लिए आखिरी बॉल में 5 रनों की जरूरत थी और विद्या ने चौका जमाकर मैच टाई कराया। ऐसे में मुकाबला सुपर ओवर में गया। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 16 रन ही बना सकी।

एक-एक ओवर के कॉन्टेस्ट में स्मृति मंधाना ने एक चौके और एक छक्के की मदद से 13 रन बनाए। जबकि रिचा घोष ने एक छक्का जड़ा। फिर रेणुका सिंह ने 20 रन का शानदार बचाव किया। हालांकि, उनके ओवर की आखिरी दो बॉल पर हीली ने चौका और छक्का जमाते हुए हार का अंतर कम कर दिया।

इससे पहले मेहमानों ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 187 रन बनाए। ऐसे में भारतीय टीम को जीत के लिए 188 रनों का लक्ष्य मिला। जवाब में भारतीय टीम ने भी तय 20 ओवर में 5 विकेट पर इतने ही रन बनाए। उसकी ओर से स्मृति

मंधाना ने 49 बॉलों पर 79 रनों की पारी खेली। शेफाली वर्मा ने भी स्मृति का अच्छा साथ दिया। उन्होंने 23 बॉल में 34 रन बनाए। इन दोनों के अलावा रिचा घोष ने नाबाद 26 और कप्तान हरमनप्रीत ने 21 रनों का योगदान दिया। कंगारू टीम की ओर से हीदर ग्राहम ने 3 विकेट लिए।

मूनी-मैग्रा ने की नाबाद 158 रनों की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से बेथ मूनी और तहलिया मैकग्रा के बीच दूसरे विकेट के लिए 158 रनों की पार्टनरशिप हुई। मूनी ने नाबाद 82 और मैकग्रा ने नाबाद 70 रन की पारी खेली। मेहमान टीम ने 29 रन पर पहला विकेट गंवाया था। तब एलीसा हेली 25 रन के निजी स्कोर पर आउट हुईं। उन्हें दीप्ति शर्मा ने विद्या के हाथों कैच कराया। भारतीय गेंदबाजों को यही एक विकेट मिला।

पहलाः भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में सबसे बड़ा टोटल दोनों टीमों ने सबसे बड़ा टोटल (187 रन) साझा किया है। इससे पहले यह रिकार्ड (156) ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के नाम था। जो उन्होंने 2020 में बनाया था।

दूसराः हारी टीम की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी मूनी-मैग्राथ के बीच नाबाद 158 रनों की साझेदारी हुई। यह हारी टीम की ओर से इस फॉर्मेट में महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। मेंस टी-20 में यह रिकॉर्ड 174* डिकॉक-मिलर के नाम दर्ज है। यह दोनों ही साझेदारियां भारत के खिलाफ ही बनी हैं।

तीसराः भारत ने सबसे बड़ा स्कोर चेज किया टीम इंडिया ने सबसे बड़ा स्कोर चेज किया है। इससे पहले टीम ने 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में 177 रन चेज किए थे।

9 विकेट से गंवाया था पहला मुकाबला

टीम इंडिया ने सीरीज का पहला मुकाबला 9 विकेट से गंवाया था। यह मुकाबला डीवाई पाटिल स्टेडियम में 9 दिसंबर को खेला गया था। उस मैच में भारत ने 173 रन का टारगेट दिया था। जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एक विकेट पर हासिल कर लिया था।

अर्जेंटीना-नीदरलैंड क्वार्टर फाइनल मैच को लेकर फीफा की अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू

दोहा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2022 में क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स के खिलाड़ी भिड़ गए थे। अंत में अर्जेंटीना ने यह मैच जीता और सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन अब दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। फीफा ने अर्जेंटीना और नीदरलैंड के खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फीफा ने लियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना की टीम के खिलाफ नियम

तोड़ने और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का चार्ज लगाया है। इस मैच के दौरान रिकॉर्ड 17 कार्ड दिए गए थे। विश्व कप के किसी मैच में यह किसी रेफरी द्वारा दिखाए गए कार्ड की सबसे बड़ी संख्या थी। इस मैच के दौरान स्पेन के रेफरी एंटोनियो मिगुएल लाहोज ने नीदरलैंड के खिलाड़ी डेनजल डमफ्राइज को रेड कार्ड भी दिया था। फीफा ने अपने बयान में कहा फीफा अनुशासनात्मक समिति ने नीदरलैंड और अर्जेंटीना के बीच फीफा विश्व कप के दौरान फीफा अनुशासनात्मक संहिता के अनुच्छेद 12 (खिलाड़ियों और अधिकारियों के कदाचार) और 16 (मैचों में आदेश और सुरक्षा) के संभावित उल्लंघनों के कारण अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है। यह मैच नौ दिसंबर को हुआ था। फीफा के बयान में कहा गया इसके अलावा, फीफा अनुशासनात्मक समिति ने उसी मैच के संबंध में फीफा अनुशासनात्मक संहिता के अनुच्छेद 12 के संभावित उल्लंघनों के कारण डच फुटबॉल एसोसिएशन के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है। नीदरलैंड के स्ट्राइकर वॉट वेघोरस्ट इस मैच में शुरुआत में बेंच पर थे, लेकिन बाद में उन्हें मैदान में भेजा गया और उन्होंने दो गोल कर अपनी टीम को बराबरी पर पहुंचा दिया।

पूरे तेलंगाना में दवा के लिए 12 केंद्रीय गोदाम स्थापित किए जाएंगे : हरीश राव

तेलंगाना में एमबीबीएस व पीजी सीटों का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक

सिद्दीपेट, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सोमवार को सरकारी अस्पताल सिद्दीपेट के परिसर में 50 बिस्तरों वाले आयुर्वेद अस्पताल की नींव रखी। अस्पताल का निर्माण 15 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मंत्री ने सिद्दीपेट में दवा के लिए एक केंद्रीय गोदाम की नींव भी रखी। बाद में सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि सरकार तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में दवाओं के लिए 12 केंद्रीय गोदामों का निर्माण कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दवाएं अस्पतालों में जल्दी पहुंचें। प्रत्येक गोदाम पर 3.86 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सिद्दीपेट अस्पताल हैदराबाद से दवाइयां मंगवाता था, लेकिन भविष्य में ऐसी कोई जरूरत नहीं होगी क्योंकि सिद्दीपेट में जल्द ही एक गोदाम होगा। राव ने कहा कि सरकार द्वारा मुफ्त में दी जा रही दवाओं की संख्या 720 से बढ़कर 843 हो गई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल तीन महीने तक पर्याप्त दवाएं रखेंगे।

इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने परिचय कार्यक्रम के दौरान सरकारी मेडिकल कॉलेज, सिद्दीपेट के पीजी छात्रों के पहले बैच को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात वर्षों में राज्य में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर सीटों में क्रमशः 127 प्रतिशत और 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि संबंधित अवधि के दौरान सीटों में राष्ट्रीय औसत वृद्धि क्रमशः 78 प्रतिशत और 68 प्रतिशत है। तेलंगाना मेडिकल कॉलेजों में केवल सात वर्षों में एमबीबीएस सीटें 2,950 से बढ़ाकर 6,715 कर दी गईं, जबकि पीजी सीटें 1,180 से बढ़ाकर 2,501 कर दी गईं। सिद्दीपेट कॉलेज सबसे कम उम्र के मेडिकल कॉलेजों में से एक होने के बावजूद, राव ने कहा कि वे पहले वर्ष (2022-23 शैक्षणिक वर्ष) में रिकॉर्ड 57 सीटों के लिए अनुमति प्राप्त करने में सफल रहे हैं। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में आने वाले दिनों में मल्टी स्पेशियलिटी कोर्सों को बढ़ाने का आश्वासन देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी जिला मुख्यालयों में मेडिकल कॉलेज खोलने के अपने वादे को पूरा करेगी. छात्रों को चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं के साथ मेडिकल कॉलेज के लिए एक अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित करने के लिए कहते हुए, हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार ने अच्छी तरह से योग्य संकाय नियुक्त करने के अलावा सभी सुविधाएं प्रदान की हैं। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकारी अस्पतालों में सेवा के लिए तैयार रहने की अपील करते हुए कहा कि सरकारी कॉलेजों में सेवा करने से उन्हें अपार संतुष्टि मिलेगी। सरकारी अस्पतालों में कर्मचारियों की स्वच्छता और प्रतिक्रिया में सुधार किया जाना चाहिए जो अंततः प्रदर्शन को बढ़ाएगा। बेहतर सुविधाओं के साथ, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सिद्दीपेट अस्पताल में हर दिन रिकॉर्ड 500 से 600 आउट पेशेंट आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सिद्दीपेट अस्पताल में एम्स(अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) बीबीनगर से अधिक सुविधाएं हैं। चूंकि एम्स में कोई ब्लड बैंक, लेबर रूम और अन्य सुविधाएं नहीं है, राव ने कहा कि उन्हें सरकारी अस्पताल भोंगिर में अपने प्रैक्टिकल करने की अनुमति है।

ईसाई समुदाय के लिए स्वाभिमानी भवन निर्माण करने वाला तेलंगाना एकमात्र राज्य : कोप्पुला

मंत्रियों ने किया ईसाई भवन का शिलान्यास

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समाज कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने सोमवार को यहां उप्पल भगत में एक ईसाई भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न समुदायों के लिए बन रहे स्वाभिमानी भवनों के तहत तेलंगाना में ईसाई समुदाय के लिए दो एकड़ भूमि में 10 करोड़ रुपये की लागत से ईसाई भवन का निर्माण किया जा रहा है। शिलान्यास समारोह में मंत्री मोहम्मद महमूद अली, तलसानी श्रीनिवास यादव और मल्ला रेड्डी ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को लगभग 70 करोड़ रुपये मूल्य की सबसे महंगी भूमि ईसाई समुदाय को आवंटित करने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि तेलंगाना एकमात्र राज्य है जो ईसाई समुदाय के लिए एक स्वाभिमानी भवन का निर्माण कर रहा है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से बीआरएस सरकार आधिकारिक रूप से क्रिसमस का त्योहार मनाती आ रही है।

कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि इस साल भी मुख्यमंत्री क्रिसमस उत्सव समारोह में हिस्सा लेंगे और गरीब ईसाइयों को कपड़े और उपहार बांटेंगे। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि वह 32 साल से अधिक समय से राजनीति में हैं लेकिन संयुक्त आंध्र प्रदेश में किसी भी सरकार ने ईसाई समुदाय के कल्याण के लिए ऐसा नहीं किया जैसा कि अब बीआरएस सरकार कर रही है।

मंत्री मल्ला रेड्डी ने कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री ईसाइयों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं, समुदाय के लोगों को केसीआर को अपना समर्थन देना चाहिए और देश भर में बीआरएस पार्टी के समर्थन में अभियान चलाना चाहिए। विधायक सुभाष रेड्डी, एमएलसी राजेश्वर राव और स्टीफेंसन और अन्य उपस्थित थे।

राज्य में हरियाली को बढाना सरकार की प्राथमिकता : जगदीश

ऊर्जा मंत्री ने किया मेगा पौधारोपण का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा नगर पालिका में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार नलगोंडा शहर में हरित आवरण को बढ़ाने के उद्देश्य से 116000 एनओएस पौधे लगाए गए। इस मेगा पौधारोपण कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने विशेष रूप से भाग लिया। इस अवसर पर टिकाऊ वानिकी प्रजातियों जैसे नीम, नेरेडु, मर्री, रावी, जुवी, नेमालिनारा, कोंडा वेपा, चिंता, अर्जुन, कुसुम, महागनी, बादाम, नरेपी आदि के साथ कुल ब्लॉक वृक्षारोपण, 6 स्थानों में कदंब, बादाम के साथ रवि, जुवी, स्पैथोडिया, बाउहिनिया, लैगरस्ट्रोमिया, नीम, सम्पंगी, देवा गनेरू आदि बहुस्तरीय वृक्षारोपण किया गया।

इस मिशन का मुख्य उद्देश्य नलगोंडा नगर पालिका के एक-एक इंच खाली क्षेत्र को हरियाली से आच्छादित करना है। रोपण कार्यक्रम की शुरुआत है और यह तब तक जारी है जब तक कि पूरा नलगोंडा शहर पूरी तरह हरा-भरा न हो जाए। इसे सफल बनाने के लिए तमाम तकनीकी मार्गदर्शन के लिए वन विभाग का अमला तैनात है। इस अवसर पर भोपाल रेड्डी, विधायक, विनय कृष्ण रेड्डी, जिला कलेक्टर, नलगोंडा, श्रीराम लिंगम, मुख्य वन संरक्षक, श्रीमती शिवानी डोगरा, वन संरक्षक, यदाद्री सर्कल, सिवाला रामबाबू, जिला वन अधिकारी, नलगोंडा, श्रीमती कुशभु गुप्ता, अतिरिक्त कलेक्टर, नलगोंडा, रमना चारी, नगर आयुक्त, नलगोंडा आदि उपस्थित रहे।

मूसी व ईसा नदियों पर अब बनेंगे यूरोप जैसे पुल

नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग बना रहा है योजना

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूरोप के कई देशों से होकर गुजरने वाली प्रमुख नदियों में से एक राइन से प्रेरित होकर तेलंगाना का नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास विभाग (एमए एंड यूडी) अब मूसी और ईसा नदियों पर लगभग 14 पुल बनाने की योजना बना रहा है।

नए पुल अनिवार्य रूप से उन स्थानों के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाएंगे जहां वे दो नदियों के किनारे बनाए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि तेलंगाना सरकार राइन पर स्थित पुलों की आधुनिकता और पेरिस से बहने वाली नदियों पर बने पुलों को शामिल करके 545 करोड़ रुपये की लागत से परियोजना का निर्माण करेगी। उन डिज़ाइनों को शामिल करने का निर्णय जो उस स्थान की स्थानीय संस्कृति और विरासत को दर्शाते हैं जहाँ पुलों का निर्माण किया जा रहा है, एमए एंड यूडी मंत्री केटी रामा राव द्वारा लिया गया था। यूरोप में पुलों का अध्ययन करने और फ्रांस में एक विशेषज्ञ के साथ बैठक करने के बाद, प्रतिष्ठित परियोजना में शामिल एमए एंड यूडी के अधिकारियों ने केटी रामाराव को एक प्रस्तुति दी।

अधिकारी ने कहा कि मंत्री ने हमें यूरोपीय पुलों के केवल आधुनिक और तकनीकी तत्वों को शामिल करने और उनके डिजाइन और थीम को दोहराने के लिए नहीं कहा क्योंकि यूरोपीय पुल केवल स्थानीय स्वादों को प्रतिबिंबित करेंगे, जो हैदराबाद, मूसी नदी और इसकी विरासत के लिए अप्रासंगिक होगा। विषय के बारे में विस्तार से बताते हुए अधिकारी ने कहा कि मुसरबाग पर बनने वाला पुल इस जगह के ऐतिहासिक महत्व को बढ़ाएगा। इसी तरह, अफजलगंज और चादरघाट में पैदल पुल आसपास के ऐतिहासिक स्थानों की प्रमुखता को प्रदर्शित करेगा।

मूसी और ईसा नदियों पर बने 15 ढांचों में से, तीन पुल हैदराबाद सड़क विकास निगम लिमिटेड द्वारा 116 करोड़ रुपये से बनाए जाएंगे, एक का निर्माण कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा 40 करोड़ रुपये से किया जाएगा, चार ग्रेटर द्वारा बनाए जाएंगे 168 करोड़ रुपये के साथ हैदराबाद नगर निगम और 221 करोड़ रुपये के साथ एचएमडीए द्वारा मंचिरेवुला ब्रिज के लिए एक लिंक रोड के साथ छह पुल बनाए जाएंगे।

सीएम केसीआर दिल्ली रवाना, बीआरएस के राष्ट्रीय मुख्यालय का करेंगे उद्घाटन

केसीआर दिल्ली पहुंचने पर उनका स्वागत करते हुए समर्थक।

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 14 दिसंबर को सरदार वल्लभभाई पटेल मार्ग पर होने वाले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राष्ट्रीय मुख्यालय के उद्घाटन से पहले सोमवार को बेगमपेट हवाई अड्डे से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। सरदार वल्लभभाई पटेल मार्ग पहले से ही बीआरएस पार्टी के झंडों और पोस्टरों और बैनरों से भरा हुआ है, जो राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हैं। चंद्रशेखर राव भव्य उद्घाटन समारोह से पहले एक राजश्यामला यज्ञ और एक विशेष पूजा करेंगे। इसके लिए पार्टी कार्यालय परिसर में एक अस्थायी 'यज्ञशाला' स्थापित की गई है। राज्यसभा सांसद जे संतोष कुमार और सड़क और भवन मंत्री वी प्रशांत रेड्डी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता पहले से ही नई दिल्ली में हैं और पार्टी मुख्यालय के उद्घाटन समारोह की व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं।

कार्यक्रम में अन्य राजनीतिक दलों के कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है। देश भर के विभिन्न राजनीतिक दलों के कई प्रमुख नेताओं को निमंत्रण पहले ही भेजा जा चुका है।

अन्तरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 9 करोड़ का नशीला पदार्थ बरामद

नशीले पदार्थों के कारोबारियों के खिलाफ राचकोंडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नशीले पदार्थों के कारोबारियों के खिलाफ राचकोंडा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसओटी, मल्काजगिरी जोन की टीम ने नाचाराम पुलिस के साथ अंतरराष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो ड्रग तस्करों को को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के पास से लगभग (8.5) किलोग्राम स्यूडोएफ़ेड्रिन (नशीला पदार्थ), 4 लाख नगद, 5 पासपोर्ट, पैकिंग मशीन, लैपटाप आदि बरामद हुआ है।

बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 9 करोड़ रुपए बतायी जा रही है। यह जानकारी देते हुए राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त महेश एम. भागवत ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर मल्काजगिरी की स्पेशल ऑपरेशन टीम (एसओटी) और नाचाराम पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार लोगों में तमिलनाडु के शिवगंगा के रहने वाले मोहम्मद कासिम और रसुलुउदीन शामिल है। तीन अन्य आरोपी फरार है। सीपी ने बताया कि तमिलनाडु में सक्रिय ड्रग तस्करी गिरोह स्यूडोएफ़ेड्रिन की तस्करी के लिए हैदराबाद एयर कार्गो रूट व पुणे में स्थित अंतरराष्ट्रीय कूरियर सेवाओं पर ड्रग पार्सल बुक करने के लिए उपयोग कर रहे थे। गिरोह के लोग ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि देशों में प्रतिबंधित पदार्थ कपड़ों के बक्सों, चूड़ियों के बक्सों में, बेबी वियर गिफ्ट पैंक आदि में स्यूडोएफ़ेड्रिन छुपाकर फर्जी पते के दस्तावेजों के माध्यम से हैदराबाद से भेज रहे थे। सूचना के आधार पर एसओटी, मल्कजगिरी जोन की टीम ने नाचाराम पुलिस के साथ मिलकर नाचाराम पुलिस की सीमा के तहत एक लॉज पर छापा मारा। पुलिस को छापे के दौरान स्यूडोएफ़ेड्रिन, नकदी आदि मिली। मोहम्मद कासिम का जन्म और पालन-पोषण इलायंगुडी, शिवगंगा में हुआ। मलेशिया और दुबई से स्मार्ट घड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक सामान. मोबाइल फोन, कैमरा लेंस, सिगरेट और घरेलू उपकरणों लाकर ग्रे बाजार में बेचता था। वह रहीम के संपर्क में तब आया जब वह विदेशी वस्तुओं के कारोबार में था। रहीम ने उसे झांसा देकर नशे के धंधे में घसीटा। व ह अपने स्कूल के साथी रसूलुउदीन को इस धंधे से परिचित कराया। रसूलदीन का जन्म और पालन-पोषण तमिलनाडु राज्य के इलायंगुडी में हुआ है। वह विदेशी सामान खरीदने के लिए मलेशिया जाता था और ग्रे मार्केट में बेचता है। वर्ष 2013 में वह अपने स्कूल के साथी इब्राहिम के संपर्क में आया, जो नशे के कारोबार में था। दोनों 11 दिसंबर को कोरियर से ड्रग विदेश भेजने के लिए हैदराबाद पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने बीआरएस पर सनसनीखेज टिप्पणी की

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार के सलाहकार सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि एपी में वाईएसआरसीपी सरकार के आने वाले चुनावों के लिए तैयार होने के कारण नई अफवाहें फैल रही हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर की हाल ही में स्थापित राष्ट्रीय पार्टी बीआरएस को एपी में वाईएसआरसीपी के समर्थन से जुड़े विवाद के बारे में महत्वपूर्ण बातें कही हैं। सज्जला ने कहा कि बीआरएस के बारे में उनकी राय है। यदि केसीआर हमसे कहें तो हम बीआरएस का समर्थन करने पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं से विचार-विमर्श करने के बाद सीएम जगन इस संबंध में निर्णय लेंगे। सज्जला ने स्पष्ट किया कि वाईएसआरसीपी आंध्र प्रदेश की आबादी के लिए प्रतिबद्ध एक समूह है। "राज्य की उन्नति और कल्याण ही एकमात्र विचार हैं। उन्होंने कहा कि एपी लक्ष्यों को पूरा करने के बाद, वे वैकल्पिक विकल्पों पर विचार करेंगे। सज्जला ने स्पष्ट किया कि वाईएसआरसीपी की सत्ता हासिल करने के लिए अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की कोई योजना नहीं है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को आंध्र सीमा क्षेत्र में चलने में कोई दिलचस्पी नहीं है, जिसमें कर्नाटक और तमिलनाडु के हिस्से शामिल हैं। मीडिया के एक सवाल के जवाब में सज्जला ने कहा कि कोई भी पार्टी कहीं से भी चुनाव लड़ सकती है। सज्जला ने कहा कि सीएम जगन इस पर निर्णय लेंगे और कहा कि अगर केसीआर हमसे बीआरएस का समर्थन करने के लिए कहते हैं, तो हम इस पर विचार करेंगे। उन्होंने यह कहना जारी रखा कि अगर बीआरएस आंध्र प्रदेश में चुनाव लड़ती है तो अच्छा होगा।

आंध्र प्रदेश ने 23,985 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी

अमरावती, (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश राज्य निवेश एवं संवर्धन बोर्ड (एसआईपीबी) ने सोमवार को 23,985 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी। ताडेपल्ली में अपने कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक के दौरान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बोर्ड ने वाईएसआर जिले में स्टील प्लांट स्थापित करने के जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी दो चरणों में 8,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी, जिससे प्रति वर्ष 3 मिलियन टन (एमटीपीए) का उत्पादन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देगी, और काम जल्द से जल्द शुरू होना चाहिए। रायलसीमा के पूरे क्षेत्र को इस्पात संयंत्र और कई संबद्ध उद्योगों के परिचालन शुरू होने पर लाभ होगा। इसके अलावा, बोर्ड ने बैठक में दो ऊर्जा परियोजनाओं को भी मंजूरी दी। 6,330 करोड़ रुपये के निवेश से विजयनगरम और एएसआर जिले में अडानी ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स आएंगे। कंपनी 1,600 मेगावाट का उत्पादन करने वाली एक पंप हाइड्रो स्टोरेज पावर परियोजना स्थापित करेगी। इससे 4000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। विजयनगरम इकाई एएसआर जिला इकाई में 600 मेगावाट और 1000 मेगावाट उत्पादन करेगी। अधिकारियों ने कहा कि इकाइयों से प्रति वर्ष 4,196 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पन्न की जाएगी। शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड 8,855 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एरावरम (1200 मेगावाट) और सोमासिला (900 मेगावाट) में 2100 मेगावाट से अधिक उत्पादन करने वाली दो जल भंडारण परियोजनाएं स्थापित करेगा। अधिकारियों ने कहा कि लक्ष्य अगले साल जुलाई में शुरू करना है और इसे पांच साल में चरणों में पूरा करना है यानी दिसंबर 2028 तत। यह 2,100 लोगों को सीधे रोजगार भी प्रदान करेगा।

हैदराबाद में यूथ इनोवेटर्स प्रोग्राम आयोजित करेगा सीसीएमबी

हैदराबाद, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) अपना यूथ इनोवेटर्स प्रोग्राम (वाईआईपी)-2023 आयोजित कर रहा है, जिसमें हैदराबाद और अन्य जगहों से कक्षा 8 से 10 तक पढ़ने वाले कम से कम 20 से 25 स्कूली छात्रों को 4 जनवरी से 13 जनवरी, 2023 के बीच शीर्ष शोध संस्थान में दो सप्ताह बिताने का अवसर के लिए चुना जाएगा। सोमवार, 26 दिसंबर को, सीसीएमबी टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), हैदराबाद के प्रोफेसर उल्लास कोल्थुर द्वारा एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित कर रहा है, जिसके बाद वाईआईपी-2023 के लिए चयन परीक्षा होगी। इच्छुक स्कूलों को 26 दिसंबर को होने वाली चयन परीक्षा में भाग लेने के लिए ग्रेड 8 से 10 तक के अधिकतम दो छात्रों को नामांकित करना होगा। चयन परीक्षा में तर्क, गणित और विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान सहित जीव विज्ञान) से प्रश्न होंगे। परीक्षा के लिए कोई निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं है और कई प्रश्न तर्क-आधारित होंगे ताकि ग्रेड 8 के छात्रों को स्पष्ट नुकसान न हो।

सीसीएमबी के वैज्ञानिकों ने छात्रों को वेबसाइट (https://sci-tales.ccmb.res.in) पर उपलब्ध साइटेल्स के लेखों को पढ़ने की सलाह दी है, जो सीसीएमबी द्वारा किए जाने वाले कार्यों की ओर उन्मुख होंगे और कुछ प्रश्न इन पर आधारित हो सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पिता ने मोबाइल गेम को लेकर डांटा, किशोर ने की आत्महत्या की कोशिश

करीमनगर, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने पिता द्वारा मोबाइल फोन पर ऑनलाइन गेम खेलने के लिए डांटे जाने से परेशान होकर, एक 14 वर्षीय लड़के ने सोमवार को रामदुगु मंडल के गोपालरावपेट में कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक विष्णु अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था। इस बात से नाराज होकर उसके पिता ने उसे कई बार डांटा था। बताया जा रहा है कि इससे खफा होकर विष्णु ने सुबह उस समय फांसी लगा ली जब परिवार के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे। हालांकि, पड़ोसियों ने उसे लटका देखा और 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया। करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल में उपचाराधीन लड़के की हालत गंभीर बताई गई है।

राम चेरुवु के सौंदर्यीकरण में तेजी लाने के निर्देश

विधायक ने किया बांध और तालाब के अन्य स्थानों का दौरा

मनचेरियल, 12 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक एन. दिवाकर राव ने सोमवार को नगर पालिका के अधिकारियों को राम चेरुवु के सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। सौंदर्यीकरण तेलंगाना अर्बन फाइनेंस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा प्रदान की गई 2.80 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। दिवाकर राव ने बांध और तालाब के अन्य स्थानों का दौरा किया। उन्होंने कथित तौर पर कार्यों की सुस्त गति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दें और जल्द से जल्द जनता के लिए टैंक खोलने के लिए कदम उठाएं। अधिकारियों ने कहा कि टैंक के विकास और सौंदर्यीकरण के हिस्से के रूप में बैठने की व्यवस्था, डी-सिल्टेशन, रेलिंग, बंड पर हरियाली, एलईडी लाइट्स, हाई-मास्ट लाइट, बथुकम्मा घाट और एक पार्किंग क्षेत्र स्थापित किया जा रहा है। अप्रैल में काम शुरू हुआ। हालांकि बारिश के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ।

नागरिकों के लिए यह फेफड़ा स्थान सुबह की सैर करने वालों और जॉगर्स के लिए एक बहुप्रतीक्षित गंतव्य है क्योंकि यह शहर के मध्य में स्थित है। यह कई प्रवासी पक्षियों, जलीय एवियन समुदाय, विभिन्न तितली प्रजातियों, सरीसृपों, जीवों और मशरूम का घर है। विधायक के साथ नगरपालिका अध्यक्ष पी राजैया, उपाध्यक्ष गजुला मुकेश गौड़, पैक्स अध्यक्ष संडेला वेंकटेश, टीआरएस नगर अध्यक्ष पल्लपु थिरुपथी, नगरपालिका आयुक्त बालकृष्ण, आईसीडीएस आयोजक ए सरोजा और अन्य विधायक के साथ थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.